हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

RNI NO - CTHIN/25/A0716

मूक पत्रिका

निष्पक्ष, निर्भीक, स्वतंत्र आवाज...

वर्ष - 02 अंक - 262 बेमेतरा, मंगलवार 19 मई 2026 रायपुर एवं बेमेतरा से प्रकाशित कुल पेज - 08 मूल्य - 5 रूपये डाक पंजीयन- दुर्ग/1743290201/2025-27

संक्षिप्त समाचार

दिल्ली से गुजरात तक पारा 40 डिग्री के पार, अंधड़-बारिश का भी अलर्ट

नईदिल्ली। देश के कई हिस्सों में अंधड़-बारिश के बीच अब गर्मी ने फिर से जोर पकड़ लिया है। लू का प्रकोप शुरू हो गया है। हरियाणा, दिल्ली, उत्तर प्रदेश, राजस्थान, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र और गुजरात के कई शहरों में शनिवार को तापमान 40 डिग्री के ऊपर चला गया और गर्मी से बचाव के लिए सड़कों पर पानी की फुहारें छोड़ी गई। भारतीय मौसम विभाग (आईएमडी) ने उत्तर भारत में गर्मी और तेज होने के साथ अंधड़-बारिश का अलर्ट जारी किया है। दिल्ली समेत एनसीआर में 17 मई को भीषण गर्मी के साथ शाम के समय धूल भरी आंधी चलने, बिजली कड़कने और हल्की बारिश की संभावना जताई गई है। इस दौरान राजधानी में अधिकतम तापमान 42 डिग्री तक पहुंच सकता है। इसके बाद आने वाले दिनों में तापमान और बढ़ सकता है। उत्तर प्रदेश में गर्मी का असर बढ़ रहा है। बांदा में तापमान 44.8 डिग्री तक पहुंच गया है, वहीं दक्षिण हिस्से में लू चलने की संभावना जताई गई है। राजस्थान के पश्चिमी जिलों में भीषण गर्मी का प्रकोप देखा जा रहा है। मौसम विभाग ने सीकर, हनुमानगढ़, जालोर, सिरोही समेत 8 जिलों में लू का यलो अलर्ट जारी किया है।

तिरुवनंतपुरम-दिल्ली एक्सप्रेस के एसी कोच में लगी भीषण आग, सभी यात्री सुरक्षित

कोटा। तिरुवनंतपुरम से हजरत निजामुद्दीन जा रही राजधानी एक्सप्रेस (12431) के एसी कोच में आज सुबह करीब 5 बजे आग लग गई। हादसा कोटा मंडल के विक्रमगढ़ आलोट (मध्य प्रदेश) स्टेशन के पास हुआ। लोकोपायलट और गार्ड की सूझबूझ के चलते सभी यात्रियों को कोच से बाहर निकाल लिया गया और घटना में कोई जनहानि नहीं हुई। बताया जा रहा है कि आग बी-1 कोच से शुरू हुई थी और 2 और डिब्बों में फैल गई। घटना तिरुवनंतपुरम से हजरत निजामुद्दीन राजधानी एक्सप्रेस के बी-1 कोच में हुई। रेलवे अधिकारियों ने कहा, प्रभावित कोच के सभी यात्रियों को सुरक्षित उतार लिया गया। किसी भी यात्री या रेलवे कर्मचारी को चोट नहीं आई है।

छत्तीसगढ़ में सुरक्षा व्यवस्था को तकनीकी मजबूती

शाह ने अत्याधुनिक डायल 112 और फारेंसिक वैन को दिखाई हरी झंडी

- अब सभी 33 जिलों में लागू होगी कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित अत्याधुनिक डायल 112 आपात सेवा
- 400 नए आपातकालीन वाहन, 33 विशेष निगरानी वाहन और 60 राजमार्ग गश्ती वाहन किए गए रवाना

रायपुर/ संवाददाता

केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने आज राजधानी रायपुर में आयोजित राज्यस्तरीय समारोह में छत्तीसगढ़ की 'अत्याधुनिक डायल 112' आपातकालीन सेवा तथा आधुनिक फॉरेंसिक मोबाइल वैन के बेड़े को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री विष्णु देव साय, उप-मुख्यमंत्री एवं गृह मंत्री विजय शर्मा तथा छत्तीसगढ़ विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह विशेष रूप से उपस्थित रहे। शासन-प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारियों की मौजूदगी में आयोजित इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य राज्य की आपातकालीन सहायता प्रणाली का विस्तार करना और नए आपराधिक कानूनों के तहत वैज्ञानिक अनुसंधान क्षमता को मजबूत करना है। वर्ष 2018 से संचालित डायल 112 आपात सेवा का दायरा बढ़ाते हुए इसे अब राज्य के सभी 33 जिलों में पूरी तरह लागू कर दिया गया है, जो पहले केवल 16 जिलों तक सीमित थी। इस नए और उन्नत चरण के तहत संपूर्ण व्यवस्था को तकनीकी रूप से अधिक सक्षम और

त्वरित बनाया गया है। सुरक्षा मानकों और सहायता क्षमता को मजबूत करने के लिए डायल 112 सेवा में कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित स्थान पहचान तकनीक को जोड़ा गया है, जिससे संकट में फंसे व्यक्ति की वास्तविक भौगोलिक स्थिति का सटीक पता लगाया जा सकेगा। इसके साथ ही, आपातकालीन कॉल और आंकड़ों का संचालन बिना किसी बाधा के जारी रखने के लिए सिविल लाइंस स्थित प्राथमिक नियंत्रण केंद्र के अतिरिक्त नया रायपुर स्थित पुलिस मुख्यालय में वैकल्पिक बैकअप प्रणाली पर आधारित दूसरा नियंत्रण केंद्र भी सक्रिय किया गया है। यह केंद्र किसी भी तकनीकी समस्या या आपदा की स्थिति में स्वत: बैकअप के रूप में कार्य करेगा। राज्यव्यापी सेवा विस्तार के तहत आज कुल 400 नए अत्याधुनिक आपातकालीन वाहन, 33 विशेष निगरानी वाहन तथा 60 नए राजमार्ग गश्ती वाहन विभिन्न जिलों के लिए रवाना किए गए। अब राज्य के नागरिक पारंपरिक दूरभाष कॉल के अलावा '112 इंडिया अनुप्रयोग', संकट संकेत सेवा, लघु संदेश सेवा, कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित संवाद प्रणाली, ईमेल, वेब अनुरोध तथा सामाजिक माध्यमों के जरिए भी आपातकालीन सहायता प्राप्त कर सकेंगे। महिला सुरक्षा को प्राथमिकता देते हुए इस व्यवस्था में पैनिक बटन और विशेष निगरानी सुविधाएं भी जोड़ी गई हैं, जिससे पुलिस सहायता, एम्बुलेंस, अग्निशमन सेवा तथा महिला सहायता हेल्पलाइन को एकीकृत मंच पर उपलब्ध कराया जा सकेगा। नए आपराधिक कानूनों, विशेषकर भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता की धारा 176 के प्रभावी क्रियान्वयन से सभी गंभीर अपराधों में, जिनमें सात वर्ष या उससे अधिक की सजा निर्धारित है, घटनास्थल पर फॉरेंसिक विज्ञान दल की उपस्थिति और वैज्ञानिक साक्ष्य एकत्र करना अनिवार्य किया गया है। आपराधिक न्याय प्रणाली को पूरी तरह साक्ष्य आधारित बनाने के उद्देश्य से छत्तीसगढ़ सरकार ने राज्य के सभी 33 जिलों के लिए आधुनिक फॉरेंसिक मोबाइल प्रयोगशालाओं का गठन किया है, जिनमें से 32 फॉरेंसिक मोबाइल वैन आज मैदानी कार्य के लिए रवाना की गईं। ये वैन घटनास्थल पर जांच करने वाले उपकरणों से सुसज्जित चलती-फिरती प्रयोगशालाएं हैं।

शुभेंदु के कैबिनेट बैठक में कई फैसलों को मंजूरी दी

महिलाओं को अन्नपूर्णा योजना सहित फ्री बस सफर-शुभेंदु.....

नई दिल्ली/ एजेंसी

पश्चिम बंगाल में बीजेपी सरकार बनने के बाद सीएम शुभेंदु सरकार ने एक और बड़ा फैसला किया है. पश्चिम बंगाल की शुभेंदु सरकार ने अपनी दूसरी कैबिनेट बैठक में कई अहम फैसलों को मंजूरी दी है. बंगाल कैबिनेट ने 1 जून से महिलाओं को 3,000 रुपये की मासिक सहायता वाली 'अन्नपूर्णा' योजना को मंजूरी दी. बंगाल की मंत्री अग्निमित्रा पॉल ने इसकी जानकारी दी. उन्होंने यह भी बताया कि बंगाल में महिलाओं को बस में फ्री सफर की सुविधा भी दी जाएगी. सरकार ने अन्नपूर्णा योजना को

मंजूरी देते हुए महिलाओं के लिए 1 जून से बसों में मुफ्त यात्रा की सुविधा शुरू करने का निर्णय लिया है. पश्चिम बंगाल में मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी की सरकार की दूसरी कैबिनेट बैठक में कई अहम फैसलों को मंजूरी दी गई. कैबिनेट बैठक के बाद सरकार में महिला एवं बाल कल्याण मंत्री अग्निमित्रा पॉल ने प्रेस ब्रीफिंग कर सरकार के फैसलों की जानकारी दी. उन्होंने बताया कि सरकार ने अन्नपूर्णा योजना को मंजूरी दे दी है. इसके साथ ही महिलाओं के लिए 1 जून से राज्य में बसों में मुफ्त यात्रा की सुविधा देने का फैसला लिया गया है. सरकार का कहना है कि इस योजना से बड़ी संख्या में महिलाओं को राहत मिलेगी.बंगाल की कैबिनेट मंत्री अग्निमित्रा पॉल ने बताया कि सरकार ने अपने कर्मचारियों, संबद्ध वैधानिक निकायों और शैक्षणिक संस्थानों के लिए 7वें राज्य वेतन आयोग के गठन को मंजूरी दी है.

केंद्रीय मंत्री बंदी संजय का बेटा गिरफ्तार, नाबालिग से दुष्कर्म के आरोप

हैदराबाद। केंद्रीय गृह राज्य मंत्री बंदी संजय कुमार के बेटे बंदी भगीरथ को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। उस पर एक नाबालिग लड़की के साथ यौन शोषण के आरोप हैं। हालांकि, भगीरथ की गिरफ्तारी या आत्मसमर्पण को लेकर अलग-अलग दावे सामने आए। बंदी संजय ने कहा कि उन्होंने अपने बेटे को पुलिस को सौंपा है। वहीं, इस बयान के बाद पुलिस ने कहा कि आरोपी भगीरथ को हैदराबाद के बाहरी इलाके से पकड़ा गया है। बंदी संजय ने कहा, सत्यमेव जयते, कानून और न्यायपालिका का सम्मान करते हुए आज मेरा बेटा बंदी भगीरथ वकीलों के जरिए जांच के लिए तेलंगाना पुलिस के सामने गया।

वामपंथ के 10 साल के शासन को किया खत्म

केरल में वीडी सतीशन ने सीएम पद की ली शपथ..

नई दिल्ली/ एजेंसी

कांग्रेस नेता वीडी सतीशन केरलम के नए मुख्यमंत्री बन गए हैं. उन्होंने सेंट्रल स्टेडियम में सीएम पद की शपथ ली. इस दौरान राहुल गांधी, प्रियंका गांधी और मल्लिकार्जुन खरगे भी मौजूद रहे. हाल ही में संपन्न हुए केरल विधानसभा चुनाव में यूनाइटेड डेमोक्रेटिक फ्रंट ने शानदार जीत हासिल कर वामपंथ के दस साल के शासन को खत्म कर दिया है. आज वीडी सतीशन तिरुवनंतपुरम में अपनी पूरी कैबिनेट के साथ मुख्यमंत्री पद की शपथ ले रहे हैं.

कांग्रेस के नेतृत्व वाले यूडीएफकी शानदार जीत के बाद पार्टी ने वीडी सतीशन को इस पद के लिए चुना है. इसके साथ ही, केरल में एक लंबे अंतराल के बाद शीर्ष पद पर कांग्रेस पार्टी की वापसी होगी. केरल में कांग्रेस नेतृत्व वाली नई यूडीएफ सरकार का शपथ ग्रहण समारोह शुरू हो गया है, जहां कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, राहुल और प्रियंका गांधी की मौजूदगी में वरिष्ठ कांग्रेस नेता वीडी सतीशन ने केरल के मुख्यमंत्री पद की शपथ ग्रहण की. उन्हें राज्यपाल आर.वी. अर्लेकर ने पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई. वीडी सतीशन के साथ उनके साथ पूरी 20 सदस्यीय कैबिनेट भी एक साथ शपथ ग्रहण कर रही. ये केरल में लगभग छह दशक बाद ऐसा मौका होगा, जब मुख्यमंत्री पूरे मंत्रिमंडल के साथ एक साथ शपथ ले रहे हैं.

अनिश्चितकाल के लिए बंद हुई पदयात्रा

प्रेमानंद महाराज की फिर बिगड़ी तबीयत

नई दिल्ली। वृंदावन के संत प्रेमानंद महाराज की तबीयत एक बार फिर बिगड़ गई है। तबीयत खराब होने के बाद उनकी पदयात्रा को अनिश्चित काल के लिए रोक दिया गया है। बताया जा रहा है कि प्रेमानंद महाराज की तबीयत ज्यादा खराब हो गई है। इसी के चलते उनसे मिलने के लिए आने वाले सभी लोगों को निराश होकर जाना पड़ रहा है। उनके स्वास्थ्य की खबर सुनकर भक्तों में बेहद निराशा है। प्रेमानंद महाराज के स्वास्थ्य में आई समस्या की जानकारी उनके शिष्यों ने लाउडस्पीकर के जरिए दी। शिष्यों ने बताया कि तबीयत खराब होने के

कारण पदयात्रा रद्द की जा रही है। शिष्यों ने भक्तों से भीड़ ना लगाने की भी अपील की है। आपको बता दें कि प्रेमानंद महाराज तकरीबन 21 सालों से किडनी की समस्या से जूझ रहे हैं। उन्हें अक्सर डायलिसिस करवाना पड़ता रहता है।

अनुराग कश्यप पर कस गया कानून का शिकंजा, कोर्ट ने दिए सीधे पुलिस कार्रवाई के आदेश

सूरत। फिल्ममेकर अनुराग कश्यप एक बार फिर कानूनी विवादों में घिर गए हैं। सूरत की एक अदालत ने उनके खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई का रास्ता साफ कर दिया है। कोर्ट के इस ताजा और बड़े आदेश के बाद अब इस मामले की कमान सीधे पुलिस के हाथों में आ गई है, जिसके चलते आने वाले दिनों में फिल्ममेकर की मुश्किलें काफी बढ़ सकती हैं। आखिर कोर्ट को ये सख्त कदम क्यों उठाना पड़ा, आइए जानते हैं। दरअसल, 19 मार्च, 2025 को अनुराग ने एक्स पर ब्राह्मण समुदाय को निशाना बनाते हुए एक पोस्ट शेयर किया था, जिसे देख लोग भड़क उठे।

पालघर में भीषण सड़क हादसा

बारातियों से भरे ट्रक और कंटेनर में भिड़ंत सड़क पर बिछ गई लाशें,मची चीख-पुकार

नई दिल्ली। महाराष्ट्र के पालघर जिले में भीषण सड़क हादसा हो गया है। धानीवरी क्षेत्र में बारातियों से भरे एक ट्रक और तेज रफ्तार कंटेनर के बीच जोरदार टक्कर हो गई। हादसा इतना भीषण था कि सड़क पर लाशें बिछ गईं। मौके पर अफरा-तफरी मच गई और कई लोग ट्रक में ही फंस गए। रविवार को मुंबई-अहमदाबाद नेशनल हाईवे पर हुए इस हादसे में 12 बारातियों की मौत हो गई, जबकि 20 से 25 लोग गंभीर रूप से घायल हैं। मिली जानकारी के अनुसार, ट्रक में 100 से अधिक बाराती सवार थे, जो नाचते-गाते

एक शादी समारोह में शामिल होने जा रहे थे। किसी को अंदाजा नहीं था कि कुछ ही पलों में शादी की ये खुशियां चीख-पुकार और मातम में बदल जाएंगी। धानीवरी इलाके में पहुंचते ही सामने से आ रहे एक अनियंत्रित और तेज रफ्तार कंटेनर ने ट्रक को जोरदार टक्कर मार दी। हादसे में घटना स्थल पर चीख-पुकार मच गई। घटना के तुरंत बाद पालघर पुलिस ने स्थानीय लोगों की मदद से राहत कार्य शुरू किया। सभी घायलों को नजदीकी कासा उपजिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उनका इलाज चल रहा है। प्रशासन ने हादसे की जांच शुरू कर दी है और मृतकों की पहचान की प्रक्रिया भी चल रही है। हादसा कैसे हुआ इसकी अभी तक कोई जानकारी नहीं मिल पाई है। अब तक 12 लोगों की मौत की पुष्टि हो चुकी है। वहीं मृतकों की संख्या बढ़ने की भी आशंका जताई जा रही है। पुलिस और स्थानीय प्रशासन ने राहत कार्य और जांच शुरू कर दी है। हादसे के बाद का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। इस वीडियो से हादसे की भयावहता का पता लगाया जा सकता है।

आतंकवाद पर भी गरजे पीएम मोदी

100 बिलियन डॉलर निवेश और 10 लाख नौकरियां! नॉर्वे और भारत के बीच हुई बड़ी डील-पीएम मोदी...

नई दिल्ली। एजेंसी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इस समय नॉर्वे की यात्रा पर हैं। यहां रहने वाले भारतीय समुदाय के लोगों ने पीएम मोदी का गर्मजोशी से स्वागत किया। पीएम मोदी ने नॉर्वे के प्रधानमंत्री जोनास गहर स्टोरे से मुलाकात की और द्विपक्षीय बैठक में शामिल हुए। बैठक में शामिल होने के बाद दोनों देशों के नेताओं ने अपना संबोधन दिया। प्रधानमंत्री मोदी ने अपने संबोधन में कहा कि, नॉर्वे की यात्रा करके मुझे बहुत खुशी हो रही है। यह देश नेचर और मानवीय विकास के बीच हार्मनी का एक सुंदर उदाहरण है। इस आत्मीयता भरे स्वागत के लिए हृदय से आभार व्यक्त करता हूं। पीएम मोदी की यह यात्रा कई मायनों में खास है क्योंकि चार दशक बाद कोई भारतीय प्रधानमंत्री नॉर्वे की यात्रा पर पहुंचे हैं। पीएम मोदी ने कहा, कल नॉर्वे के संविधान दिवस के महत्वपूर्ण अवसर पर विश्व के सबसे बड़े लोकतंत्र की ओर से यहां की जनता को शुभकामनाएं देता हूं। मैं पिछले साल नॉर्वे आने वाला था, लेकिन पहलगाम में हुए आतंकी हमले के कारण वह यात्रा हमें स्थगित करनी पड़ी थी। उस कठिन समय में नॉर्वे ने आतंकवाद के खिलाफ भारत के साथ खड़े होकर सच्ची मित्रता का परिचय दिया। आज जब मैं नार्वे आया हूं, तो मैं इस एकजुटता के लिए हृदय से आभार व्यक्त करता हूं। उन्होंने आगे कहा, आज पूरी दुनिया अनिश्चितता और अस्थिरता के दौर से गुजर रही है। चाहे यूक्रेन हो या पश्चिम एशिया, दुनिया के कई हिस्सों में संघर्ष की स्थिति बनी हुई है। ऐसे में भारत और यूरोप अपने संबंधों के एक नए स्वर्णिम युग में प्रवेश कर रहे हैं। पिछले साल भारत और यूरोपीय मुक्त व्यापार एसोसिएशन ने एक ऐतिहासिक व्यापार और आर्थिक साझेदारी लागू किया। पीएम मोदी ने कहा, यह समझौता भारत और नॉर्वे के बीच एक साझा विकास सुनिश्चित करने के ब्लूप्रिंट है। इस समझौते में अगले 15 साल में भारत में 100 बिलियन डॉलर निवेश और 1 मिलियन नौकरी बनाने का लक्ष्य है। इस समझौते को परिणाम में बदलने के लिए हमने कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए हैं। आज हम भारत नॉर्वे संबंधों को एक ग्रीन स्ट्रेटजिक पार्टनरशिप का स्वरूप दे रहे हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि इस साझेदारी से क्लीन एनर्जी से लेकर क्लाइमेट रेजिलिएंस, ब्लू इकोनॉमी से लेकर ग्रीन शिपिंग तक हर क्षेत्र में भारत की स्केल, स्पीड और टैलेंट को नॉर्वे की तकनीक और कैपिटल के साथ जोड़कर हमारी कंपनियां ग्लोबल समाधान निकालेगी। रिसर्च, एजुकेशन और इनोवेशन भी हमारे संबंधों के मजबूत स्तंभ बने हैं। उन्होंने कहा, आज हमने सस्टेनिबिलिटी, ओसिएन एनर्जी, जियोलॉजी और हेल्थ जैसे क्षेत्रों में रिसर्च सहयोग बढ़ाने पर सहमति जताई है। इंजीनियरिंग, एआई, साइबर और डिजिटल क्षेत्रों में हम अपनी यूनिवर्सिटी और स्टार्टअप इकोसिस्टम को जोड़कर अपनी पार्टनरशिप को फ्यूचर-रेडी बनाएंगे। स्किल डेवलपमेंट और मोबिलिटी में भी हमारा सहयोग और व्यापक होने जा रहा है। उन्होंने कहा कि नॉर्वे आर्कटिक क्षेत्र का एक महत्वपूर्ण देश है। भारत के आर्कटिक

हरिद्वार से भाग रहा था दिल्ली

सीएम शुभेंदु के पीए का हत्यारा गिरफ्तार

नई दिल्ली। पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी के निजी सहायक चंद्रनाथ रथ की हत्या के आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया है। केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो और मुजफ्फरनगर पुलिस ने एक संयुक्त टीम ने उसे पकड़ा है। आरोपी राजकुमार उत्तराखंड के हरिद्वार से दिल्ली भागने की कोशिश कर रहा था। वह बलिया का रहने वाला है। सीबीआई ने उसके छपार टोल प्लाजा ह॥ 58 हाइवे से हिरासत में लिया। जानकारी के मुताबिक, हत्यारोपी राजकुमार उत्तर प्रदेश के बलिया जिले के रसड़ा के

रतोपुर सांवरा गांव का रहने वाला है। चंद्रनाथ रथ की हत्या के बाद से ही उसका मोबाइल फोन स्विच ऑफ था। सीबीआईऔर बंगाल पुलिस की संयुक्त टीम फ्लिहाल कई और संदिग्धों की तलाश में जुटी हुई है।

अमित शाह के दौरे के बीच सर्व आदिवासी समाज ने उठाए बस्तर विकास मॉडल पर सवाल

मुलाकात नहीं होने पर प्रेस नोट जारी कर रखीं मांगें, जल-जंगल-जमीन और ग्रामसभा अधिकारों की सुरक्षा पर जोर

बीजापुर/मूक पत्रिका

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के बस्तर दौरे के बीच सर्व आदिवासी समाज, बस्तर संभाग ने प्रेस नोट जारी कर बस्तर विकास मॉडल को लेकर अपनी चिंता और मांगें सार्वजनिक की हैं। समाज ने कहा कि गृह मंत्री से प्रत्यक्ष मुलाकात नहीं हो पाने के कारण बस्तर की जनता की भावनाओं और सुझावों को प्रेस नोट के माध्यम से सामने रखा जा रहा है।सर्व आदिवासी समाज ने स्पष्ट किया कि बस्तर में विकास की कोई भी प्रक्रिया स्थानीय आदिवासी समाज की संस्कृति, परंपरा, जल-जंगल-जमीन और संवैधानिक अधिकारों के अनुरूप तथा ग्रामसभा की सहमति के आधार पर संचालित होनी चाहिए। समाज का कहना है कि ऐसा कोई भी विकास स्वीकार्य नहीं होगा जिससे स्थानीय लोगों का विस्थापन हो, प्राकृतिक संसाधनों पर उनका नियंत्रण समाप्त हो या सामाजिक-सांस्कृतिक असंतुलन पैदा हो।

विकास के नाम पर स्थानीय अधिकारों की अनदेखी स्वीकार नहीं

सर्व आदिवासी समाज बस्तर संभाग के अध्यक्ष प्रकाश ठाकुर ने कहा कि बस्तर लंबे समय से संघर्ष और हिंसा का दंश झेलता आया है। ऐसे में शांति और विकास आवश्यक है, लेकिन विकास के नाम पर स्थानीय समाज के अधिकारों की अनदेखी नहीं की जानी चाहिए।

निजी खनन, बोधघाट और नए कैंपों का विरोध

समाज ने अपनी मांगों में लौह अयस्क उत्खनन परियोजनाओं में निजी कंपनियों की भागीदारी समाप्त करने, बोधघाट एवं नदी जोड़ो परियोजनाओं को निरस्त करने, आदिवासी भूमि को गैर-आदिवासियों को पट्टे पर देने संबंधी प्रावधान समाप्त करने तथा अबूझमाड़ क्षेत्र में नए सैन्य एवं अर्द्धसैनिक शिविर स्थापित नहीं करने की मांग उठाई है।

इसके अलावा स्थानीय युवाओं को शासकीय सेवाओं और परियोजनाओं में प्राथमिकता देने, नियमित स्कूलों एवं महाविद्यालयों को मजबूत करने तथा संवेदनशील क्षेत्रों में शिक्षा की विशेष व्यवस्था करने पर भी जोर दिया गया है।

पेसा और वन अधिकार कानून के प्रभावी क्रियान्वयन की मांग

सर्व आदिवासी समाज ने पंचायत (अनुसूचित क्षेत्रों तक विस्तार) अधिनियम, 1996 और वन अधिकार अधिनियम, 2006 के प्रभावी क्रियान्वयन की मांग करते हुए सामुदायिक वन संसाधन अधिकारों को प्राथमिकता देने की बात कही है। साथ ही जिला खनिज न्यास की राशि का हिस्सा सीधे ग्रामसभाओं एवं पंचायतों को देने तथा बैलाडीला एवं नगरनार जैसी परियोजनाओं में प्रभावित स्थानीय लोगों को हिस्सेदार बनाए जाने की मांग भी रखी गई है।

जगदलपुर सीट को पुनः एसटी आरक्षित करने की मांग

समाज ने परिसीमन प्रक्रिया में जगदलपुर विधानसभा सीट को पुनः अनुसूचित जनजाति हेतु आरक्षित करने, स्थानीय भाषा-संस्कृति एवं पारंपरिक स्वशासन व्यवस्था के संरक्षण के लिए विशेष नीति बनाने तथा वन विभाग द्वारा व्यावसायिक पेड़ कटाई पर रोक लगाने की मांग भी दोहराई है।प्रकाश ठाकुर ने कहा कि बस्तर का भविष्य तभी सुरक्षित होगा जब यहां विकास के साथ-साथ आदिवासी समाज के संवैधानिक अधिकारों, संस्कृति और प्राकृतिक संसाधनों की रक्षा सुनिश्चित की जाएगी।

अपर कलेक्टर गुड्डूलाल जगत ने जनदर्शन में सुनी आमजन की समस्याएं

40 आवेदनों पर त्वरित कार्यवाही के निर्देश, कई मामलों का मौके पर समाधान

बेमेतरा/मूक पत्रिका

कलेक्टर सुश्री प्रतिष्ठा ममगाई के निर्देशानुसार अपर कलेक्टर गुड्डूलाल जगत के द्वारा बीते सोमवार को कलेक्टरेट स्थित कक्ष में जनदर्शन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जनदर्शन में जिले के विभिन्न क्षेत्रों से आए नागरिकों ने अपनी मांगों, समस्याओं एवं शिकायतों से संबंधित आवेदन प्रस्तुत किए। जनदर्शन के दौरान अपर कलेक्टर श्री जगत ने उपस्थित नागरिकों की समस्याओं को गंभीरता से सुना तथा संबंधित विभागीय अधिकारियों को दूरभाष पर एवं मौके पर बुलाकर आवेदनों के त्वरित निराकरण के निर्देश दिए। कई मामलों में समस्याओं का समाधान तत्काल मौके पर ही किया गया।आयोजित जनदर्शन में विभिन्न शिकायतों एवं समस्याओं से संबंधित कुल 40 आवेदन प्राप्त हुए। तात्कालिक महत्व के मामलों का जहां शीघ्र निराकरण किया गया, वहीं गंभीर एवं जांच योग्य प्रकरणों को टीएल पंजी में दर्ज कर संबंधित अधिकारियों को समय-सीमा में निराकरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। जनदर्शन में निराश्रित पेंशन, वृद्धा पेंशन, दिव्यांग पेंशन, प्रधानमंत्री आवास योजना, बैटरी चलित ट्रायसायकल, कटा हुआ रकबा जोड़ने, खाद गड्ढा हटाने, आम रास्ता खुलवाने सहित विभिन्न जनहित से जुड़ी समस्याओं के आवेदन भी प्राप्त हुए।अपर कलेक्टर जगत ने सभी आवेदनों को गंभीरता से लेते हुए संबंधित विभागों को नियमानुसार शीघ्र निराकरण करने के निर्देश दिए तथा नागरिकों को उनकी समस्याओं के समाधान का भरोसा दिलाया।

21 मई 2026 को जिला रोजगार कार्यालय बेमेतरा में रोजगार मेले का आयोजन

बेमेतरा/मूक पत्रिका

जिले के ऐसे इच्छुक अभ्यर्थी जो निजी क्षेत्र में रोजगार प्राप्त करना चाहते हैं, उन्हें रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने के उद्देश्य से जिला रोजगार एवं स्वरोजगार मार्गदर्शन केन्द्र, बेमेतरा द्वारा 21 मई 2026, दिन गुरुवार को रोजगार मेले का आयोजन किया जाएगा। यह रोजगार मेला जिला रोजगार कार्यालय परिसर के कक्ष क्रमांक 64 में प्रातः 11:00 बजे से दोपहर 3:00 बजे तक आयोजित होगा। रोजगार मेले में विभिन्न निजी संस्थाओं द्वारा अनेक पदों पर भर्ती की जाएगी। इसमें ग्लोबल एचआर सॉल्यूशन एंड जॉब कंसल्टेंट द्वारा सुरक्षा गार्ड के 100 पदों पर भर्ती की जाएगी। इन पदों हेतु अभ्यर्थी की शैक्षणिक योग्यता 10वीं एवं 12वीं उत्तीर्ण निर्धारित की गई है। आयु सीमा 18 से 45 वर्ष तथा वेतनमान 11,200 से 15,000 रुपये प्रतिमाह रहेगा। इसी प्रकार स्वतंत्र माइक्रोफिनप्राइवेट लिमिटेड द्वारा फील्ड ऑफिसर के 50 पदों पर भर्ती की जाएगी, जिसके लिए 10वीं एवं 12वीं उत्तीर्ण अभ्यर्थी आवेदन कर सकते हैं। वहीं परिश्रम ह्यूमन रिसोर्स द्वारा इलेक्ट्रिक मीटर तकनीशियन के 200 पदों पर भर्ती की जाएगी। इन पदों के लिए अभ्यर्थी की आयु 25 से 45 वर्ष तथा योग्यता 10वीं, 12वीं एवं आईटीआई निर्धारित की गई है। इसके अलावा मंगलम ऑटोमोटिव्स प्राइवेट लिमिटेड द्वारा विभिन्न पदों पर भर्ती की जाएगी, जिसमें सेल्स कंसल्टेंट के 2 पद, वॉशिंग बॉय के 2 पद, सर्विस एडवाइजर का 1 पद, टेली कॉलर का 1 पद तथा तकनीशियन के 2 पद शामिल हैं। सेल्स कंसल्टेंट हेतु स्नातक योग्यता एवं वेतनमान 10,000 से 12,000 रुपये प्रतिमाह निर्धारित है। वॉशिंग बॉय के लिए 10वीं उत्तीर्ण योग्यता एवं 7,000 रुपये प्रतिमाह वेतनमान निर्धारित किया गया है। सर्विस एडवाइजर पद हेतु बीई तथा टेली कॉलर पद हेतु महिला स्नातक अभ्यर्थी पात्र होंगी। तकनीशियन पद के लिए आईटीआई उत्तीर्ण अभ्यर्थी आवेदन कर सकते हैं।जिला रोजगार कार्यालय द्वारा बताया गया है कि यह रोजगार मेला निजी क्षेत्र की संस्थाओं एवं रोजगार चाहने वाले अभ्यर्थियों के बीच एक साझा मंच उपलब्ध कराने के उद्देश्य से आयोजित किया जा रहा है। भर्ती प्रक्रिया पूर्णतः निजी संस्थाओं द्वारा की जाएगी। इच्छुक अभ्यर्थी पद, संस्था, कार्य, वेतन एवं अन्य आवश्यक जानकारी रोजगार मेले में उपस्थित नियोजकों अथवा उनके प्रतिनिधियों से प्राप्त कर सकते हैं। रोजगार के अवसर प्राप्त करने हेतु इच्छुक अभ्यर्थियों को रोजगार कार्यालय का पंजीयन पत्रक, छत्तीसगढ़ निवास प्रमाण पत्र, जाति प्रमाण पत्र तथा समस्त शैक्षणिक मूल प्रमाण पत्रों के साथ 21 मई 2026 को निर्धारित समय पर जिला रोजगार एवं स्वरोजगार मार्गदर्शन केन्द्र, बेमेतरा में उपस्थित होने कहा गया है।

कलेक्टर ने ली पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना की समीक्षा बैठक

कलेक्टर पद्मिनी भोई साहू ने वेंडर और बैंक अधिकारी को समन्वय से कार्य करने के निर्देश दिए

सारंगढ़ बिलाईगढ़/मूक पत्रिका

प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना का समीक्षा बैठक कलेक्टर पद्मिनी भोई साहू की अध्यक्षता में कलेक्टरेट सभाकक्ष में सोमवार अपराह्न को आयोजित की गई। इस बैठक में जिले के सीईओ जिला पंचायत इंद्रजीत बर्मन, विद्युत अधिकारी प्रकाश महानन्दा वेंडर सहित वेंडर उपस्थित थे। कलेक्टर पद्मिनी भोई साहू ने जिले में प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना की प्रगति रिपोर्ट की जानकारी ली। साथ ही कोई समस्या आ रही क्या, कहकर वेंडर और बैंक अधिकारियों से चर्चा की। कलेक्टर ने वेंडर और बैंक अधिकारी को समन्वय से कार्य करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि ज्यादा से ज्यादा लोगों को इस योजना का लाभ दिलाएं। इस योजना में लाभार्थियों को एक लाख 8 हजार रूपये का अनुदान सीधे उनके बैंक खाता में भुगतान किया जाता है। इस योजना से बिजली बिल कम और नवीन रोजगार सृजन होगा तथा अक्षय ऊर्जा के प्रति जागरूकता बढ़ेगी। 1 किलोवाट रूफ टॉप सोलर क्षमता का संयंत्र स्थापित कराने पर कुल लागत 60 हजार का लागत आएगा, जिसमें केन्द्र सरकार की ओर से 30 हजार का अनुदान और छत्तीसगढ़ सरकार की ओर से 15 हजार रूपए का अनुदान दिया जाएगा। इसके लिए हितग्राही को अपने घर में पीएम सूर्य घर का सेटअप लगाने के लिए न्यूनतम 15 हजार रूपए नगद या बैंक ऋण (लोन) के माध्यम से भुगतान करना होगा। इसी प्रकार 2 किलोवाट रूफ टॉप सोलर क्षमता का संयंत्र स्थापित कराने पर कुल लागत 1 लाख 20 हजार का लागत आएगा, जिसमें केन्द्र सरकार की ओर से 60 हजार का अनुदान और छत्तीसगढ़ सरकार की ओर से 30 हजार रूपए का अनुदान दिया जाएगा। इसके लिए हितग्राही को अपने घर में पीएम सूर्य घर का सेटअप लगाने के लिए न्यूनतम 30 हजार रूपए नगद या बैंक ऋण (लोन) के माध्यम से भुगतान करना होगा। 3 किलोवाट रूफ टॉप सोलर क्षमता का संयंत्र स्थापित कराने पर 1 लाख 80 हजार का लागत आएगा, जिसमें केन्द्र सरकार की ओर से 78 हजार रूपए और छत्तीसगढ़ सरकार की ओर से 30 हजार रूपए का अनुदान मिलेगा। इसके लिए हितग्राही को अपने घर में पीएम सूर्य घर का सेटअप लगाने के लिए न्यूनतम 72 हजार रूपए नगद या बैंक ऋण (लोन) के माध्यम से भुगतान करना होगा।

प्रधानमंत्री सूर्यघर - मुफ्त बिजली योजना के आवेदन की प्रकिया-हितग्राही स्टेप-01 में सबसे पहले भारत सरकार की वेबसाइट पीएमसूर्यघर डॉट जीओवी डॉट इन pmsuryaghar.gov.in पर रजिस्टर, पंजीयन करें। अपने राज्य का चुनाव करें, इलेक्ट्रिसिटी डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी चुने । अब इलेक्ट्रिसिटी कन्ज्यूमर नंबर का चुनाव करें।अपना मोबाईल नंबर और मेल आईडी प्रवृष्ट करें। स्टेप-02 में कन्ज्यूमर नंबर और मोबाईल नंबर से लाग-इन करें। अब रूफटॉप सोलर के लिए आवेदन करें। स्टेप-03 में अब अप्रूवल के लिए इंतजार करें। विद्युत विभाग में पंजीकृत वेंडर से ही सौर संयंत्र लगवायें। स्टेप-04 में एक बार इंस्टालेशन पूरा हो जाने पर प्लांट का विवरण जमा करें और नेट मीटर के लिए आवेदन करें। स्टेप-05 में नेट मीटर की स्थापना और डिस्कॉम द्वारा निरीक्षण के बाद पोर्टल से प्रमाण पत्र प्रदाय किया जाएगा।स्टेप-06 में कमिशनिंग रिपोर्ट प्राप्त कर, आप अपना बैंक खाता विवरण तथा निरस्त चेक, पोर्टल के माध्यम से जमा करें। 30 दिनों के भीतर हितग्राही को सब्सिडी प्राप्त हो जायेगी।

सारंगढ़ बिलाईगढ़ जिले में 20 से 31 मई तक होगा प्रायवेट सुरक्षा कर्मी चयन का निशुल्क शिविर

सारंगढ़ बिलाईगढ़/मूक पत्रिका

जिले के इच्छुक महिला और पुरुष बेरोजगारों को सुरक्षाकर्मी का रोजगार देने के लिए निजी सुरक्षा कंपनी एसआईएस लिमिटेड अनूपपुर मध्यप्रदेश द्वारा शिविर का निशुल्क आयोजन किया जाएगा। चयनित होने पर उनको कंपनी पंजीयन के लिए 250 रूपये ऑनलाइन राशि जमा कराएगी, जिसकी रसीद ट्रेनिंग में लाना है। चयनित अभ्यर्थी का रूपये 350 या 500 जमा करने के बाद रजिस्ट्रेशन होगा, फिर रायगढ़, रायपुर, बिलासपुर, कोरबा जैसे शहरों में ड्यूटी करने पर प्रतिमाह 10 से 20 हजार का वेतन सहित कुछ सुविधा कंपनी उपलब्ध कराएगी।

सारंगढ़ बिलाईगढ़ जिले में शिविर-इस निजी सुरक्षा कंपनी का सारंगढ़ बिलाईगढ़ जिले में शिविर सुबह 10 बजे से अपरान्ह 3 बजे तक निर्धारित है, जिसके अनुसार 20 मई को थाना परिसर बिलाईगढ़, 21 मई को थाना परिसर भटगांव, 22 मई को थाना परिसर बरमकेला, 23 मई को थाना परिसर कोसीर, 25 मई को थाना परिसर सरसीवा, 26 मई को थाना परिसर केडार, 28 मई को थाना परिसर डोंगरीपाली, 29 मई को थाना परिसर बेलादुला, 30 मई को थाना परिसर सलिहा और 31 मई को थाना परिसर सारंगढ़ में आयोजित किया जाएगा।

हरदी के सुशासन शिविर में 6 महिला स्वसहायता समूह को 6-6 लाख का चेक वितरण किया गया

- हितग्राहियों को राशन कार्ड, उज्ज्वला गैस, कृषि आदान, पीएम आवास प्रमाण पत्र वितरित

सारंगढ़ बिलाईगढ़/मूक पत्रिका

कलेक्टर पदमिनी भोई साहू की अध्यक्षता में सारंगढ़ ब्लॉक के ग्राम पंचायत हरदी के हाईस्कूल प्रांगण में सुशासन तिहार शिविर का आयोजन किया गया। इसमें जिला पंचायत सदस्य लता लक्ष्मे, विनोद भारद्वाज सहित जिला स्तरीय अधिकारीगण एवं कर्मचारी उपस्थित थे। लता लक्ष्मे ने पेयजल समस्या का निराकरण करने और विनोद भारद्वाज ने सभी विभागों के अधिकारियों को कहा कि पात्र हितग्राहियों को शत-प्रतिशत योजनाओं का लाभ दिलाएं। इस क्लस्टर जनसमस्या निवारण शिविर में शामिल गांवों के ग्रामीणों ने ग्राम पंचायतवार अपने आवेदन का पंजीयन कराया। शिविर में स्वास्थ्य, आयुष और पशुधन विभाग द्वारा उपचार की व्यवस्था की गई थी।

इस अवसर पर अतिथियों के द्वारा कुल 30 लाख रूपये का प्रतीकात्मक चेक, 6 महिला स्वसहायता समूह को 6-6 लाख का वितरण किया गया, इसमें स्वसहायता समूह उज्ज्वला रेड़ा, गुरूवारी हरदी, खुशी चुरेला, मां शारदा अमेठी और स्वागत चुरेला शामिल है। इसी तरह राशन कार्ड, पीएम उज्ज्वला योजना, कृषि आदान, पीएम आवास ग्रामीण पूर्णता प्रमाण पत्र के साथ-साथ गर्भवती माताओं का गोदभराई रस्म एवं शिशुओं का अन्न प्रासन किया गया।

कार्यक्रम के प्रारंभ में सभी विभागों के अधिकारियों ने अपने विभाग की योजनाओं की जानकारी दी। इसमें कृषि, महिला एवं बाल विकास, पशुधन, स्वास्थ्य, समाज कल्याण, विद्युत, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी, उद्यानिकी, रेशम पालन, श्रम विभाग आदि शामिल थे। इसी क्रम में लखपति दीदियों ने भी बिहान समूह से कैसे लखपति बनीं और कौन से काम से लखपति बने उनकी कहानी बयां की।

21 मई 2026 को जिला रोजगार कार्यालय बेमेतरा में रोजगार मेले का आयोजन

बेमेतरा/मूक पत्रिका

जिले के ऐसे इच्छुक अभ्यर्थी जो निजी क्षेत्र में रोजगार प्राप्त करना चाहते हैं, उन्हें रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने के उद्देश्य से जिला रोजगार एवं स्वरोजगार मार्गदर्शन केन्द्र, बेमेतरा द्वारा 21 मई 2026, दिन गुरुवार को रोजगार मेले का आयोजन किया जाएगा। यह रोजगार मेला जिला रोजगार कार्यालय परिसर के कक्ष क्रमांक 64 में प्रातः 11:00 बजे से दोपहर 3:00 बजे तक आयोजित होगा। रोजगार मेले में विभिन्न निजी संस्थाओं द्वारा अनेक पदों पर भर्ती की जाएगी। इसमें ग्लोबल एचआर सॉल्यूशन एंड जॉब कंसल्टेंट द्वारा सुरक्षा गार्ड के 100 पदों पर भर्ती की जाएगी। इन पदों हेतु अभ्यर्थी की शैक्षणिक योग्यता 10वीं एवं 12वीं उत्तीर्ण निर्धारित की गई है। आयु सीमा 18 से 45 वर्ष तथा वेतनमान 11,200 से 15,000 रुपये प्रतिमाह रहेगा।

इसी प्रकार स्वतंत्र माइक्रोफिन प्राइवेट लिमिटेड द्वारा फील्ड ऑफिसर के 50 पदों पर भर्ती की जाएगी, जिसके लिए 10वीं एवं 12वीं उत्तीर्ण अभ्यर्थी आवेदन कर सकते हैं। वहीं परिश्रम ह्यूमन रिसोर्स द्वारा इलेक्ट्रिक मीटर तकनीशियन के 200 पदों पर भर्ती की जाएगी। इन पदों के लिए अभ्यर्थी की आयु 25 से 45 वर्ष तथा योग्यता 10वीं, 12वीं एवं आईटीआई निर्धारित की गई है। इसके अलावा मंगलम ऑटोमोटिव्स प्राइवेट लिमिटेड द्वारा विभिन्न पदों पर भर्ती की जाएगी, जिसमें सेल्स कंसल्टेंट के 2 पद, वॉशिंग बॉय के 2 पद, सर्विस एडवाइजर का 1 पद, टेली कॉलर का 1 पद तथा तकनीशियन के 2 पद शामिल हैं। सेल्स कंसल्टेंट हेतु स्नातक योग्यता एवं वेतनमान 10,000 से 12,000 रुपये प्रतिमाह निर्धारित है। वॉशिंग बॉय के लिए 10वीं उत्तीर्ण योग्यता एवं 7,000 रुपये प्रतिमाह वेतनमान निर्धारित किया गया है। सर्विस एडवाइजर पद हेतु बीई तथा टेली कॉलर पद हेतु महिला स्नातक अभ्यर्थी पात्र होंगी। तकनीशियन पद के लिए आईटीआई उत्तीर्ण अभ्यर्थी आवेदन कर सकते हैं।

जिला रोजगार कार्यालय द्वारा बताया गया है कि यह रोजगार मेला निजी क्षेत्र की संस्थाओं एवं रोजगार चाहने वाले अभ्यर्थियों के बीच एक साझा मंच उपलब्ध कराने के उद्देश्य से आयोजित किया जा रहा है। भर्ती प्रक्रिया पूर्णतः निजी संस्थाओं द्वारा की जाएगी। इच्छुक अभ्यर्थी पद, संस्था, कार्य, वेतन एवं अन्य आवश्यक जानकारी रोजगार मेले में उपस्थित नियोजकों अथवा उनके प्रतिनिधियों से प्राप्त कर सकते हैं। रोजगार के अवसर प्राप्त करने हेतु इच्छुक अभ्यर्थियों को रोजगार कार्यालय का पंजीयन पत्रक, छत्तीसगढ़ निवास प्रमाण पत्र, जाति प्रमाण पत्र तथा समस्त शैक्षणिक मूल प्रमाण पत्रों के साथ 21 मई 2026 को निर्धारित समय पर जिला रोजगार एवं स्वरोजगार मार्गदर्शन केन्द्र, बेमेतरा में उपस्थित होने कहा गया है।

प्रधानमंत्री आवास योजना के हितग्राहियों के सपनों को मिला नया आशियाना, शिविर में मौके पर ही कई समस्याओं का हुआ समाधान

खिलोरा में समाधान शिविर बना ग्रामीणों की उम्मीदों का केंद्र, विधायक एवं जिला पंचायत सीईओ ने बांटी आवास की चाबियां

बेमेतरा/मूक पत्रिका

शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं को अंतिम व्यक्ति तक प्रभावी ढंग से पहुँचाने तथा ग्रामीणों की समस्याओं का त्वरित निराकरण सुनिश्चित करने के उद्देश्य से विकासखंड बेमेतरा अंतर्गत ग्राम पंचायत खिलोरा में विशाल समाधान शिविर का आयोजन किया गया।

शिविर में बड़ी संख्या में ग्रामीणों ने भाग लेकर शासन की विभिन्न योजनाओं का लाभ प्राप्त किया तथा अपनी समस्याओं और मांगों को प्रशासन के समक्ष रखा। कार्यक्रम में क्षेत्रीय विधायक मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे, जबकि जिला पंचायत की मुख्य कार्यपालन अधिकारी (सीईओ) ने विशिष्ट अतिथि के रूप में शामिल होकर विभिन्न विभागों की व्यवस्थाओं एवं योजनाओं के क्रियान्वयन का निरीक्षण किया। शिविर का माहौल पूरी तरह जनसेवा और जनसुनवाई केंद्रित रहा, जहाँ प्रशासन और जनता के बीच सीधा संवाद देखने को मिला।

जब हितग्राहियों के हाथों में आई अपने सपनों के घर की चाबी-कार्यक्रम का सबसे भावुक और प्रेरणादायक क्षण उस समय देखने को मिला, जब प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) अंतर्गत स्वीकृत आवास पूर्ण होने पर हितग्राहियों को उनके नए पक्के मकानों की चाबी और प्रमाण-पत्र प्रदान किए गए। वर्षों से कच्चे मकान में जीवन यापन कर रहे ग्रामीणों के लिए यह पल किसी सपने के साकार होने से कम नहीं था। शिविर में ग्राम खिलोरा की निवासी श्रीमती कलिन्द्री बाई सहित तीन हितग्राहियों को मुख्य अतिथियों के हाथों आवास की चाबी सौंपी गई। अपने पक्के मकान की चाबी हाथ में लेते ही कलिन्द्री बाई की आंखों में खुशी और आत्मविश्वास साफझलक रहा था। उन्होंने शासन, जनप्रतिनिधियों और जिला प्रशासन के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि अब उनका परिवार सुरक्षित और सम्मानजनक वातावरण में जीवन यापन कर सकेगा।हितग्राहियों को आवास की चाबी प्रदान किए जाने के दौरान पूरे शिविर परिसर में उत्साह और खुशी का माहौल देखने को मिला। ग्रामीणों ने इस पहल को गरीब परिवारों के जीवन में सकारात्मक बदलाव लाने वाला कदम बताया।

ग्रामीणों की समस्याओं का मौके पर ही हुआ निराकरण-समाधान शिविर में विभिन्न विभागों के अधिकारियों द्वारा ग्रामीणों की समस्याओं और मांगों को गंभीरता से सुना गया। राजस्व, पंचायत एवं ग्रामीण विकास, कृषि, स्वास्थ्य, महिला एवं बाल विकास, खाद्य, विद्युत, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी तथा सामाजिक कल्याण विभाग सहित कई विभागों के स्टॉल लगाए गए थे, जहाँ ग्रामीणों को योजनाओं की जानकारी देने के साथ-साथ आवेदन भी प्राप्त किए गए।शिविर के दौरान अनेक समस्याओं का मौके पर ही निराकरण किया गया। कई पात्र हितग्राहियों को राशन कार्ड, पेंशन स्वीकृति, प्रमाण-पत्र तथा अन्य शासकीय योजनाओं का लाभ प्रदान किया गया। ग्रामीणों ने प्रशासन की इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे शिविरों से गांव स्तर पर समस्याओं के समाधान में काफी सुविधा मिलती है।

÷सरकार का लक्ष्य अंतिम व्यक्ति तक विकास पहुंचाना÷ — विधायक-शिविर को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि विधायक ने कहा कि राज्य सरकार का उद्देश्य समाज के अंतिम छोर पर खड़े व्यक्ति तक विकास और शासन की योजनाओं का लाभ पहुँचाना है। उन्होंने कहा कि समाधान शिविरों के माध्यम से प्रशासन स्वयं गांवों तक पहुँच रहा है, जिससे लोगों को छोटे-छोटे कार्यों के लिए कार्यालयों के चक्कर नहीं लगाने पड़ रहे हैं। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि ग्रामीणों से प्राप्त आवेदनों का संवेदनशीलता और गंभीरता के साथ समय-सीमा में निराकरण सुनिश्चित किया जाए। विधायक ने कहा कि शासन की योजनाएं तभी सफल मानी जाएंगी, जब उनका लाभ वास्तविक जरूरतमंदों तक पहुंचे।

जिला पंचायत सीईओ ने किया विभागीय स्टॉलों का निरीक्षण-जिला पंचायत की मुख्य कार्यपालन अधिकारी ने शिविर में लगाए गए विभिन्न विभागों के स्टॉलों का निरीक्षण किया तथा अधिकारियों से योजनाओं की प्रगति की जानकारी ली। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि ग्रामीणों को योजनाओं की जानकारी सरल भाषा में दी जाए तथा पात्र हितग्राहियों को बिना अनावश्यक देरी के लाभान्वित किया जाए। उन्होंने प्रधानमंत्री आवास योजना के सफल क्रियान्वयन की सराहना करते हुए कहा कि पक्के आवास केवल एक भवन नहीं बल्कि गरीब परिवारों के सम्मान, सुरक्षा और बेहतर भविष्य का प्रतीक हैं। उन्होंने महिलाओं की सक्रिय भागीदारी को ग्रामीण विकास की दिशा में महत्वपूर्ण बताया तथा कहा कि शासन महिलाओं को आत्मनिर्भर और सशक्त बनाने के लिए लगातार कार्य कर रहा है।

ग्रामीणों की भारी उपस्थिति से शिविर रहा जीवंत-खिलोरा में आयोजित समाधान शिविर में स्थानीय जनप्रतिनिधियों, सरपंच, पंचगण, जनपद सदस्यों तथा बड़ी संख्या में ग्रामीणों की सक्रिय भागीदारी रही। शिविर के दौरान ग्रामीणों ने शासन और प्रशासन की जनहितकारी पहल की सराहना की।कार्यक्रम का सफल संचालन स्थानीय पंचायत प्रशासन द्वारा किया गया तथा अंत में उपस्थित अतिथियों, अधिकारियों एवं ग्रामीणों के प्रति आभार व्यक्त किया गया। समाधान शिविर ने एक बार फिर शासन और प्रशासन की ग्रामीण विकास एवं जनसेवा के प्रति प्रतिबद्धता को मजबूत रूप से प्रदर्शित किया।

अधिकारी संयमित एवं संवेदनशील व्यवहार रखें, नागरिकों की समस्याओं को गंभीरता से सुनें, जनसेवा को सर्वोच्च प्राथमिकता दें - कलेक्टर

सुशासन तिहार में प्राप्त आवेदनों को प्राथमिकता के साथ समयबद्ध निराकरण के दिए निर्देश

जांजगीर-चांपा/मूक पत्रिका

कलेक्टर जन्मेजय महोबे ने शासन के मितव्ययिता एवं वित्तीय अनुशासन संबंधी निर्देशानुसार समय-सीमा बैठक की व्यवस्था में परिवर्तन किया गया है। आज समय-सीमा बैठक में केवल जांजगीर-चांपा मुख्यालय में पदस्थ अधिकारी ही जिला कार्यालय के सभाकक्ष में उपस्थित रहें एवं शेष सभी अधिकारी, जिनमें जनपद पंचायतों के मुख्य कार्यपालन अधिकारी, नगर पालिका एवं नगर पंचायतों के मुख्य नगर पालिका अधिकारी तथा तहसीलदार अपने-अपने ब्लॉक मुख्यालय स्थित स्वान कक्ष से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से बैठक में शामिल हुए। कलेक्टर ने सभी अधिकारियों को वाहनों का उपयोग साझा व्यवस्था में करने के निर्देश भी दिए हैं। इसके साथ ही अधिकारियों को अपने अधीनस्थ अधिकारियों एवं कर्मचारियों की बैठकें भी यथासंभव वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से आयोजित करने कहा गया है। कलेक्टर ने जिले में स्वीकृत एवं प्रगतिरत निर्माण कार्यों की जानकारी अनिवार्य रूप से जिले की वेबसाइट एवं निर्माण पोर्टल पर नियमित अपलोड करने के निर्देश अधिकारियों को दिए, ताकि कार्यों की सतत मॉनिटरिंग एवं पारदर्शिता सुनिश्चित हो सके। कलेक्टर ने मुख्यमंत्री के मंशानुरूप सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों को निर्देशित किया कि वे अपना आचरण एवं व्यवहार मर्यादित रखें तथा आम नागरिकों की समस्याओं और बातों को गंभीरता से सुनें। उन्होंने कहा कि प्रशासन का मूल उद्देश्य नागरिकों की सेवा करना है और प्रत्येक अधिकारी को जनहित को सर्वोच्च प्राथमिकता देनी चाहिए। बैठक में स्वास्थ्य विभाग की समीक्षा करते हुए कलेक्टर ने कहा कि सभी स्वास्थ्य केंद्रों में चिकित्सकों एवं स्वास्थ्य कर्मियों की समय पर उपस्थिति सुनिश्चित की जाए, ताकि आम नागरिकों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं मिल सकें। उन्होंने अधिकारियों को अपने दायित्वों के प्रति गंभीर एवं संवेदनशील रहने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने कहा सुशासन तिहार के तहत नागरिकों की समस्याओं के त्वरित, पारदर्शी एवं गुणवत्तापूर्ण समाधान हेतु जिले में जनसमस्या समाधान शिविर आयोजित किए जा रहे हैं। उन्होंने सभी जिला स्तरीय अधिकारियों को निर्देशित किया कि वे जनसमस्या निवारण शिविरों में अनिवार्य रूप से उपस्थित रहकर आमजनों की समस्याओं का त्वरित निराकरण सुनिश्चित करें। कलेक्टर ने शिविरों में प्राप्त आवेदनों एवं शिकायतों की विस्तारपूर्वक समीक्षा की एवं शीघ्र निराकरण करने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने कहा कि जिले के शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों में गर्मी के मौसम को देखते हुए पेयजल व्यवस्था सुचारु बनाए रखना शासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने पेयजल संबंधी शिकायत प्राप्त होने पर लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग, नगरीय निकायों एवं संबंधित विभागों को समन्वय बनाकर प्रभावित क्षेत्रों में आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित करने कहा। उन्होंने कहा कि खराब हैंडपंपों एवं नल-जल योजनाओं की तत्काल मरम्मत कराई जाए तथा जलापूर्ति बाधित होने की स्थिति में वैकल्पिक व्यवस्था करने के निर्देश संबंधित अधिकारी को दिए। कलेक्टर ने आगामी खरीफ सीजन की तैयारियों की समीक्षा करते हुए कृषि विभाग एवं संबंधित विभाग के अधिकारियों को किसानों के लिए खाद एवं बीज की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। कलेक्टर ने जिले में अतिक्रमण हटाने अभियान को प्रभावी रूप से संचालित करने के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए हैं। इसके साथ ही बैठक में विभिन्न प्रगतिरत निर्माण कार्यों, जनकल्याणकारी योजनाओं एवं विभागीय कार्यों की विस्तृत समीक्षा करते हुए अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

शासकीय भूमि पर अतिक्रमण से ग्रामीणों में आक्रोश, कार्रवाई की मांग

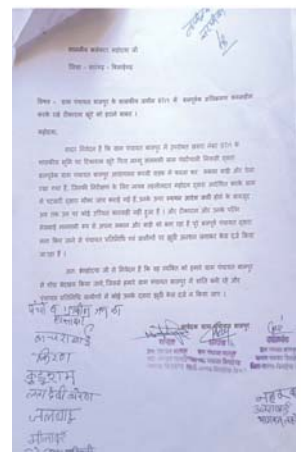

बालपुर/मूक पत्रिका

ग्राम पंचायत बालपुर में शासकीय घास भूमि खसरा क्रमांक 97/1 पर कथित अतिक्रमण को लेकर ग्रामीणों में आक्रोश बढ़ता जा रहा है। ग्रामीणों एवं पंचायत प्रतिनिधियों का आरोप है कि ग्राम पंचायत पंडरीपाली निवासी टीकाराम खूंटे द्वारा शासकीय भूमि पर मकान, बाड़ी एवं रास्ते के बीच निर्माण कर कब्जा किया गया है, जिससे आवागमन प्रभावित हो रहा है। ग्रामीणों के अनुसार संबंधित व्यक्ति के परिवार के अन्य सदस्यों द्वारा भी भूमि के अलग-अलग हिस्सों में कब्जा किया गया है। मामले को लेकर पंचायत द्वारा तहसील कार्यालय एवं जिला प्रशासन को कई बार शिकायत दी जा चुकी है, लेकिन अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई है। पंचायत प्रतिनिधियों ने आरोप लगाया कि प्रशासन के समक्ष भ्रामक जानकारी प्रस्तुत कर मामले को प्रभावित करने का प्रयास किया जा रहा है।

ग्रामीणों ने प्रशासन से तत्काल जांच कर शासकीय भूमि को अतिक्रमण मुक्त कराने तथा संबंधित लोगों पर कार्रवाई की मांग की है।ग्रामीणों ने चेतावनी दी है कि यदि समय रहते कार्रवाई नहीं हुई तो गांव में विवाद की स्थिति उत्पन्न हो सकती है।

रायकोना के रघुनाथ साहू और योगेश्वरी साहू ने की सादगी और गरिमापूर्ण विवाह

एक ही जाति के वर वधु ने अपने माता पिता की रजामंदी और उपस्थिति में की शादी, विशेष विवाह अधिनियम 1954 के तहत कलेक्टर कोर्ट में सादगी से विवाह सम्पन्न

सारंगढ़ बिलाईगढ/मूक पत्रिका

न्यायालय कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी सह विवाह अधिकारी कलेक्टर पद्मिनी भोई साहू के समक्ष जिले के ग्राम रायकोना के वर रघुनाथ साहू और वधु योगेश्वरी साहू ने विशेष विवाह अधिनियम 1954 के तहत अपने अपने माता-पिता की सहमति और उपस्थिति में विवाह किया। वर वधु दोनों की उम्र 25-26 है। सादगी मय वातावरण में भाई बहन, दोनों पक्ष की महिलाएं विवाह के दौरान उपस्थित थीं। वर वधु ने विवाह की शपथ लिए, एक दूसरे को माला, अंगूठी पहनाये। वर ने वधु को मंगलसूत्र का गठबंधन किया और मांग में सिंदूर रस्म को पूरा किया। इस दौरान उपस्थित सभी लोगों को मिठाई खिलाई गई। शायद पहली बार ऐसा विवाह हुआ जहां दोनों वर वधु एक ही जाति के थे और दोनों के माता पिता की रजामंदी थी। अक्सर देखा जाता है कि अलग अलग जाति के लोग ही अक्सर कोर्ट में शादी करते हैं, लेकिन इन दोनों परिवार के सादगी ने फिजूल खर्ची का रोकथाम करते हुए सादगी से विवाह का कीर्तिमान रचाया है।

वृद्ध महिला हत्या कांड का 24 घंटे में खुलासा, धरमजयगढ़ पुलिस ने आरोपी बेटे को किया गिरफ्तार, आरोपी ने मां की हत्या की बीच-बचाव करने आई बेटी पर भी किया जानलेवा हमला

आरोपी से हत्या में प्रयुक्त लकड़ी का डंडा बरामद, आरोपी न्यायिक रिमांड पर भेजा गया

घरेलू हिंसा और हत्या जैसे अपराधों पर रायगढ़ पुलिस की जीरो टॉलरेंस नीति– एसएसपी शशि मोहन सिंह

धरमजयगढ़/मूक पत्रिका

थाना धरमजयगढ़ क्षेत्र अंतर्गत ग्राम चिकटवानी मुडाडीपा में 70 वर्षीय वृद्ध महिला की हत्या के सनसनीखेज मामले में धरमजयगढ़ पुलिस ने महज 24 घंटे के भीतर आरोपी को गिरफ्तार कर प्रकरण का खुलासा कर दिया। कल पुलिस को सूचना मिली थी कि ग्राम चिकटवानी मुडाडीपा निवासी श्रीमती मेरीना लकड़ा (70 वर्ष) अपने घर में खून से लथपथ मृत अवस्था में पड़ी हैं। सूचना मिलते ही थाना प्रभारी धरमजयगढ़ निरीक्षक राजेश जांगड़े टीम के साथ मौके पर पहुंचे, जहां मृतिका के सिर, माथे और कान के ऊपर गंभीर चोट के निशान मिले। साथ ही मृतिका की नातिन अगोस्टिना लकड़ा (10 वर्ष) भी सिर में गंभीर चोट लगने से बेहोश हालत में मिली, जिसे पुलिसकर्मियों एवं ग्रामीणों की मदद से तत्काल एंबुलेंस द्वारा उपचार हेतु सिविल अस्पताल धरमजयगढ़ भेजा गया। पुलिस ने मर्ग कायम कर पंचनामा कार्रवाई के बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा। वहीं अज्ञात आरोपी के विरूद्ध थाना धरमजयगढ़ में अपराध क्रमांक 140/2026 धारा 103(1),109 ब्नहस् दर्ज किया गया । विवेचना के दौरान संदेह मृतिका के बेटे संदीप लकड़ा पर गया, जिसके बाद पुलिस टीम ने तत्काल ग्राम चिकटवानी मुडाडीपा पहुंचकर आरोपी को हिरासत में लिया। पूछताछ में आरोपी संदीप लकड़ा पिता स्व. भीमा लकड़ा उम्र 37 वर्ष ने अपराध स्वीकार करते हुए बताया कि वह ड्रायवरी का काम करता है। 05 बच्चे है जिसमें 03 लड़की एवं 02 लड़का है । इसकी लड़की क्रिटीवा का एक्सीडेंट में पैर टूटा था उसकी ईलाज करवाने में मेरी पत्नि, बेटी अगस्टीना लकड़ा, छोटा लड़का मनजीत लकड़ा और लड़की सेरेस्टिना के साथ दिनांक 11.05.2026 को मेडिकल कॉलेज रायगढ़ गये थे । वहीं रूक कर ईलाज करवा रहे थे । दिनांक 14.05.2026 को मेडिकल कॉलेज रायगढ़ से आयुष्मान कार्ड लेने तथा खाना बनाने के बर्तन एवं कम्बल लेने के लिये लड़की अगस्टीना के साथ बस में बैठकर रायगढ़ से धरमजयगढ़ आया । आरोपी तब से गांव में घूम घूम कर शराब पी रहा था जिसे उसकी मां मेरीना लकड़ा शराब पीने के लिये मना कि और डांटी एवं बोली कि मतवारी कर रहे हो तब मै घर से निकलकर बस्ती तरफ आ गया और फिर शराब पीकर आया फिर आक्रोशित होकर घर में रखे डंडा से अपनी माँ को सिर एवं कान के नीचे को ताबड़ तोड़ मारपीट कर रहा था उसी समय बेटी अगस्टीना बीच बचाव करने के लिये आई उसे भी जान से मारने की नियत से सिर में मारा । लकड़ी अगस्टीना अपनी जान बचाकर दूसरे घर में चली गई । आरोपी के मेमोरेंडम पर घटना में प्रयुक्त एक लकड़ी का डंडा को जप्त किया गया। आरोपी को हत्या के अपराध में गिरफ्तार कर उसे न्यायालय में पेश कर न्यायिक रिमांड पर भेजा गया।

नहरपाली फीडर में बार-बार फॉल्ट से लोग परेशान, बिजली व्यवस्था पर उठे सवाल

नहरपाली/मूक पत्रिका

किरोड़ीमल नगर से जुड़े सिंघनपुर उप केंद्र अंतर्गत नहरपाली फीडर में लगातार आ रहे फॉल्ट से क्षेत्र के उपभोक्ता परेशान हैं। ग्रामीणों का आरोप है कि आए दिन बिजली बंद होने से घरेलू कार्य, खेती-किसानी और विद्यार्थियों की पढ़ाई प्रभावित हो रही है।

स्थानीय लोगों का कहना है कि नहरपाली फीडर में बार-बार तकनीकी खराबी सामने आ रही है, लेकिन स्थायी समाधान नहीं किया जा रहा। कई बार घंटों तक बिजली आपूर्ति ठप रहने से लोगों में नाराजगी बढ़ती जा रही है।ग्रामीणों ने बिजली विभाग की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाते हुए कहा कि यदि समय पर लाइन मेंटेनेंस और निरीक्षण किया जाए तो बार-बार फॉल्ट की स्थिति से बचा जा सकता है। लोगों ने यह भी मांग की है कि फीडर की तकनीकी जांच कर जिम्मेदार कर्मचारियों की जवाबदेही तय की जाए।

क्षेत्रवासियों ने विभाग से मांग की है कि नहरपाली फीडर की संपूर्ण जांच कर बिजली आपूर्ति व्यवस्था को दुरुस्त किया जाए ताकि उपभोक्ताओं को राहत मिल सके।

रायगढ़ तहसील दफ्तर में मची अफरा-तफरी, 71 वर्षीय बुजुर्ग की अचानक बिगड़ी तबीयत गई जान

- बुजुर्ग को बचाने डॉक्टरों ने झोंकी ताकत, सीपीआर और इलेक्ट्रिक शॉक भी फेल, अस्पताल में मौत

रायगढ़/मूक पत्रिका

तहसील कार्यालय परिसर में सोमवार सुबह आवेदन देने आए एक बुजुर्ग अचानक चक्कर खाकर गिर पड़े, जिनकी अस्पताल में इलाज के दौरान मौत हो गई। परिसर में तबीयत बिगड़ने के बाद उन्हें तुरंत अपर कलेक्टर के शासकीय वाहन से जिला अस्पताल ले जाया गया था, जहां डॉक्टरों ने सीपीआर और इलेक्ट्रिक शॉक देकर उन्हें बचाने की पूरी कोशिश की, लेकिन तमाम प्रयासों के बाद भी उनकी जान नहीं बचाई जा सकी। फिलहाल कोतरारोड थाना पुलिस मर्ग कायम कर आगे की कानूनी औपचारिकताएं पूरी कर रही है। मिली जानकारी के अनुसार, कोतरारोड थाना क्षेत्र के ग्राम उच्चभट्ठी निवासी 71 वर्षीय जवाहर लाल चौधरी सोमवार सुबह करीब 11:30 बजे तहसील दफ्तर में किसी काम को लेकर आवेदन देने पहुंचे थे। वे परिसर में आवेदन देने की प्रक्रिया में ही थे कि अचानक उनके सीने में तकलीफ हुई और वे असहज होकर वहीं जमीन पर गिर पड़े। बुजुर्ग को इस तरह अचानक गिरता देख वहां मौजूद आवेदकों, वकीलों और राजस्व कर्मचारियों के बीच अफरा-तफरी मच गई। मामले की गंभीरता को देखते हुए मौके पर मौजूद प्रशासनिक अधिकारियों ने तुरंत संवेदनशीलता दिखाई। उन्होंने एम्बुलेंस का इंतजार कर समय गंवाने के बजाय परिसर में खड़ी अपर कलेक्टर की शासकीय गाड़ी में बुजुर्ग को लिटाया और तत्काल जिला चिकित्सालय रवाना किया।अस्पताल पहुंचते ही डॉक्टरों की टीम ने बुजुर्ग को अटेंड किया। उस वक्त उनकी पल्स (नब्ज) बेहद गंभीर रूप से चल रही थी और स्थिति अत्यंत नाजुक थी। डॉक्टरों ने बिना एक पल गंवाए तत्काल इमरजेंसी इलाज शुरू किया। दिल की धड़कन को वापस लाने के लिए डॉक्टरों की टीम ने उन्हें लगातार सीपीआर दिया और इलेक्ट्रिक शॉक (डीफिब्रिलेटर) भी लगाया। डॉक्टरों की इस भारी मशक्कत के बाद भी बुजुर्ग के शरीर में कोई सुधार नहीं हुआ और आखिरकार उन्हें मृत घोषित करना पड़ा। इधर, घटना की सूचना मिलते ही कोतरारोड थाना पुलिस और प्रशासनिक अमला अस्पताल पहुंचा। पुलिस ने शव को पंचनामा के बाद मर्ग्युरी में रखवा दिया है।

कटंगपाली पेट्रोल पंप में व्यवस्था संभालने खुद मैदान में उतरे संचालक, लंबी कतारों के बीच नियमों के तहत बांटा जा रहा डीजल..

सारंगढ़-बिलाईगढ़/मूक पत्रिका

जिले में डीजल की कमी और बढ़ती मांग के बीच कटंगपाली पेट्रोल पंप में लोगों की भारी भीड़ उमड़ रही है। ट्रैक्टर, हार्वेस्टर, ट्रक, चारपहिया और बाइक लेकर बड़ी संख्या में लोग डीजल-पेट्रोल लेने पहुंच रहे हैं। लगातार बढ़ती भीड़ और लंबी कतारों के बीच व्यवस्था बनाए रखने के लिए अब खुद पेट्रोल पंप संचालक धीरज अग्रवाल अपने भाई नीरज अग्रवाल के साथ मैदान में उतर गए हैं।

सुबह से लग रही वाहनों की लंबी लाइन-कटंगपाली स्थित पेट्रोल पंप में इन दिनों सुबह से ही वाहनों की लंबी कतार लग जा रही है। खेती-किसानी का सीजन होने के कारण किसानों को ट्रैक्टर और हार्वेस्टर चलाने के लिए डीजल की जरूरत पड़ रही है। वहीं परिवहन और व्यावसायिक कार्यों से जुड़े वाहन चालक भी डीजल के लिए पंप पहुंच रहे हैं।स्थिति यह है कि डीजल आने की खबर मिलते ही आसपास के गांवों से लोग बड़ी संख्या में पहुंच जाते हैं। कई बार भीड़ इतनी बढ़ जाती है कि पंप परिसर में अफरा-तफरी जैसे हालात बनने लगते हैं।

व्यवस्था सुधारने खुद मोर्चा संभाले पंप संचालक-भीड़ को नियंत्रित करने और लोगों को परेशानी से बचाने के लिए पंप संचालक खुद अपने भाई के साथ पूरी व्यवस्था संभालते नजर आ रहे हैं। दोनों भाई लाइन व्यवस्थित कराने, वाहनों को क्रम से खड़ा कराने और तय सीमा के अनुसार डीजल वितरण कराने में जुटे हुए हैं। पंप में शासन और जिला प्रशासन के निर्देशों का पालन करते हुए सीमित मात्रा में डीजल दिया जा रहा है ताकि ज्यादा से ज्यादा लोगों तक डीजल पहुंच सके और किसी का काम पूरी तरह प्रभावित न हो।

किसानों और वाहन चालकों को मिल रही राहत-पेट्रोल पंप में व्यवस्था बेहतर होने से किसानों और वाहन चालकों को कुछ राहत मिल रही है। पहले जहां अव्यवस्था के कारण लोगों को घंटों इंतजार करना पड़ता था, वहीं अब लाइन के अनुसार डीजल मिलने से स्थिति काफी हद तक नियंत्रित नजर आ रही है। ग्रामीणों का कहना है कि डीजल संकट के बीच यदि इसी तरह व्यवस्थित वितरण होता रहा तो लोगों को अनावश्यक परेशानी का सामना नहीं करना पड़ेगा।

प्रशासन के निर्देशों का पालन जारी-जिले में डीजल संकट को देखते हुए प्रशासन ने पेट्रोल पंप संचालकों को तय सीमा में ही डीजल वितरण करने के निर्देश दिए हैं। कटंगपाली पेट्रोल पंप में भी इन्हीं निर्देशों का पालन करते हुए जरूरतमंदों को नियमित रूप से डीजल उपलब्ध कराया जा रहा है।

हितग्राहियों को विभिन्न योजनाओं से किया लाभांवित, मेधावी छात्र-छात्राओं के सम्मान की घोषणा

जनसमस्या निवारण शिविर में पहुँचे कैबिनेट मंत्री दयाल दास बघेल

नागरिकों की समस्याएं सुनकर अधिकारियों को दिए त्वरित निराकरण के निर्देश

बेमेतरा/मूक पत्रिका

शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुँचाने तथा आम जनता की समस्याओं का त्वरित समाधान सुनिश्चित करने के उद्देश्य से विकासखंड नवागढ़ अंतर्गत ग्राम पंचायत कुरा में जन समस्या निवारण शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में छत्तीसगढ़ शासन के खाद्य मंत्री एवं क्षेत्रीय विधायक दयाल दास बघेल मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। शिविर में बड़ी संख्या में ग्रामीणों एवं नागरिकों ने अपनी समस्याएं, मांगें और शिकायतें मंत्री श्री बघेल के समक्ष रखीं। मंत्री श्री बघेल ने सभी आवेदनों को गंभीरता और संवेदनशीलता के साथ सुनते हुए मौके पर उपस्थित जिला प्रशासन एवं विभिन्न विभागों के अधिकारियों को निर्देशित किया कि प्राप्त आवेदनों का प्राथमिकता के आधार पर समय-सीमा में गुणवत्तापूर्ण निराकरण सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने स्पष्ट रूप से कहा कि आम जनता को अपनी समस्याओं के समाधान के लिए बार-बार कार्यालयों के चक्कर न काटने पड़ें, इसके लिए प्रशासनिक स्तर पर जिम्मेदारी और जवाबदेही तय की जाए।

समस्याओं के समाधान में लापरवाही बर्दाश्त नहीं-शिविर को संबोधित करते हुए मंत्री श्री दयाल दास बघेल ने कहा कि मुख्यमंत्री के नेतृत्व में राज्य सरकार जनता की समस्याओं के त्वरित और प्रभावी समाधान के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि जन समस्या निवारण शिविर केवल औपचारिक आयोजन नहीं, बल्कि जनता और प्रशासन के बीच विश्वास एवं संवाद का सशक्त माध्यम है।उन्होंने अधिकारियों को सख्त निर्देश देते हुए कहा कि आवेदनों के निराकरण में किसी भी प्रकार की लापरवाही या ढिलाई स्वीकार नहीं की जाएगी। उन्होंने कहा कि प्राप्त शिकायतों और मांगों पर की गई कार्रवाई की समीक्षा वे स्वयं करेंगे। मंत्री श्री बघेल ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि नागरिकों की समस्याओं को सहानुभूतिपूर्वक सुनते हुए उनका व्यवहारिक एवं गुणवत्तापूर्ण समाधान सुनिश्चित किया जाए।

शिविर में विभिन्न योजनाओं के तहत हितग्राहियों को मिला लाभ-मंत्री श्री बघेल ने कहा कि जन समस्या निवारण शिविर केवल आवेदन लेने तक सीमित नहीं होना चाहिए, बल्कि पात्र हितग्राहियों को मौके पर ही योजनाओं से लाभान्वित कर शासन की संवेदनशीलता और प्रतिबद्धता का परिचय देना चाहिए।इसी कड़ी में शिविर के दौरान विभिन्न विभागों द्वारा पात्र हितग्राहियों को योजनाओं से लाभान्वित किया गया। कृषि विभाग के माध्यम से किसानों को डिजिटल किसान किताब प्रदान की गई। महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा 8 बालिकाओं को नोनी सुरक्षा योजना अंतर्गत पंजीयन प्रमाण-पत्र वितरित किए गए। स्वास्थ्य विभाग द्वारा 5 हितग्राहियों को आयुष्मान कार्ड एवं टीबी उन्मूलन अभियान के अंतर्गत 5 मरीजों को निक्षय किट प्रदान की गई। इसके अलावा प्रधानमंत्री आवास योजना अंतर्गत आवास पूर्ण होने पर 3 हितग्राहियों को आवास की चाबी सौंपकर उन्हें गृह प्रवेश की शुभकामनाएं दी गईं। शिविर में हितग्राहियों के चेहरे पर खुशी और संतोष स्पष्ट रूप से दिखाई दिया।

मेधावी विद्यार्थियों को प्रोत्साहन देने की घोषणा-मंत्री श्री दयाल दास बघेल ने शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले छात्र-छात्राओं को प्रोत्साहित करने की घोषणा भी की। उन्होंने क्षेत्र के कक्षा 10वीं एवं 12वीं बोर्ड परीक्षा में सर्वोच्च अंक प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को सम्मानित करने की बात कही। उन्होंने घोषणा करते हुए कहा कि कक्षा 12वीं के 16 मेधावी छात्र-छात्राओं को 10-10 हजार रुपए तथा कक्षा 10वीं के 8 छात्र-छात्राओं को 5-5 हजार रुपए की प्रोत्साहन राशि प्रदान की जाएगी। मंत्री श्री बघेल ने कहा कि विद्यार्थियों की मेहनत और उपलब्धियां पूरे क्षेत्र के लिए गौरव का विषय हैं तथा ऐसे प्रतिभाशाली बच्चों को आगे बढ़ाने के लिए हर संभव सहयोग दिया जाएगा।

ग्रामीण समस्याओं के निराकरण को सर्वोच्च प्राथमिकता देने के निर्देश-मंत्री श्री बघेल ने जिला प्रशासन को निर्देशित किया कि ऐसे आवेदन जिनका निराकरण मौके पर संभव नहीं हो पाया है, उन पर तत्काल वास्तविक कार्रवाई प्रारंभ कर निर्धारित समय-सीमा में निराकरण सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने संबंधित विभागों को निर्देशित किया कि आवेदनों की जांच पूर्ण कर आवेदकों को समय पर जानकारी उपलब्ध कराई जाए।

उन्होंने विशेष रूप से ग्रामीण क्षेत्रों में पेयजल, बिजली, सड़क, स्वास्थ्य सेवाओं एवं राशन कार्ड से संबंधित समस्याओं को सर्वोच्च प्राथमिकता देने के निर्देश दिए। इस अवसर पर स्थानीय जनप्रतिनिधि, कलेक्टर प्रतिष्ठा ममगाई, विभिन्न विभागों के जिला प्रमुख अधिकारी, मुख्य कार्यपालन अधिकारी सहित बड़ी संख्या में ग्रामीणजन एवं नागरिक उपस्थित रहे।

संपादकीय

आंधी-तूफान से आखिर हर साल क्यों बेबस दिखते हैं लोग?

पिछले कुछ वर्षों से हर बार यह देखा जाता है कि एक ओर तूफान में पेड़ या घर गिरने जैसी घटनाओं की वजह से कई लोग मारे जाते हैं, तो दूसरी ओर घर से लेकर फसलों तक को व्यापक पैमाने पर नुकसान पहुंचता है। उत्तर प्रदेश में आंधी-तूफान, बारिश और ओलावृष्टि की वजह से जैसे हालात पैदा हुए, उसने एक बार फिर यही दर्शाया कि मौसम की मार से बचाव के लिए एहतियात बरतने से लेकर सटीक पूर्वानुमान को लेकर तकनीकी स्तर पर अभी बहुत कुछ किए जाने की जरूरत है। राज्य के कई इलाकों में बुधवार की शाम को तेज आंधी-तूफान, बारिश, बिजली गिरने और ओलावृष्टि एक तरह से कहर बरपा रही थी और आम लोग उसके सामने लाचार थे।कई जगहों पर तेज हवाओं ने भारी तबाही मचाई। कितनी ही जगहों पर भारी पेड़ उखड़कर वाहनों पर गिर गए और सड़कों के किनारे लगे बोर्ड उड़कर तेज रफ्तार से जमीन पर गिरे। करीब चौबीस घंटों के दौरान करीब सौ लोगों की जान चली गई, जबकि सैकड़ों लोग घायल हो गए। कई जिलों में दो हजार से ज्यादा गांवों में बिजली गुल हो गई। कुदरत के इस कहर के बाद मौसम विभाग ने राज्य के अड़तीस जिलों में आंधी, बारिश और बिजली गिरने की आशंका के मद्देनजर पीली चेतावनी जारी की, लेकिन अफसोस की बात यह है कि पूर्वानुमानों के बावजूद कई बार ऐसे हालात पैदा हो जाते हैं, जिनमें तूफान या बिजली गिरने की घटनाएं आम लोगों पर कहर बनकर टूटती हैं।जाहिर है, मौसम की अपनी गति होती है और प्रकृति में उथल-पुथल के नतीजे में ऐसे हालात पैदा हो सकते हैं, लेकिन विडंबना यह है कि अमूमन हर वर्ष अचानक मौसम का रुख बिगड़ने की आशंका के बावजूद आम लोग इससे बचाव के लिए एहतियात नहीं बरत पाते। इसका खमियाजा यह सामने आता है कि जिन हालात में कुछ लोगों की जान बच सकती थी, उसमें नाहक ही कई लोगों की जान चली जाती है।राज्य में मौसम विभाग के मुताबिक पश्चिमी उत्तर प्रदेश के ऊपर बने चक्रवाती ढांचे और दक्षिण राजस्थान से आ रही हवाओं के प्रभाव से वहां कई जगहों पर अस्सी से सौ किलोमीटर प्रतिघंटा की रफ्तार से तेज हवाएं चलीं। नतीजतन, बड़े पैमाने पर जानमाल का नुकसान हुआ। कई जगहों पर न केवल घरों की छत उड़ गई, बल्कि लोगों के लिए पांव टिकाना भी मुश्किल था। अंदाजा लगाया जा सकता है कि ऐसे मौसम में बचाव को लेकर जरूरी प्रशिक्षण के अभाव का नुकसान आम लोगों को किस स्तर पर उठाना पड़ता है।संभव है कि पश्चिमी विक्षोभ के कमजोर पड़ने के साथ-साथ मौसम साफ होने लगे और उसके बाद तापमान में धीरे-धीरे बढ़ोतरी हो, लेकिन इसके साथ यह भी सच्चाई है कि साल के इन महीनों में कई बार तेज रफ्तार से चलने वाला तूफान और ओलावृष्टि कई स्तर पर आम लोगों के लिए व्यापक क्षति और खतरे का वाहक बनते हैं।पिछले कुछ वर्षों से हर बार यह देखा जाता है कि एक ओर तूफान में पेड़ या घर गिरने जैसी घटनाओं की वजह से कई लोग मारे जाते हैं, तो दूसरी ओर घर से लेकर फसलों तक को व्यापक पैमाने पर नुकसान पहुंचता है।

सत्ता संभालते ही हिंदुत्व मॉडल के जरिये बंगाल में बड़े बदलाव कर रहें सुवेंदु अधिकारी

(नीरज कुमार दुबे)

नई सरकार के शुरुआती फैसलों में सार्वजनिक स्थानों पर नमाज और ध्वनि विस्तारक यंत्रों के उपयोग को लेकर सख्ती प्रमुख रही। सरकार ने स्पष्ट किया कि सड़कों और सार्वजनिक मार्गों पर नमाज की अनुमति नहीं होगी तथा धार्मिक गतिविधियां निर्धारित परिसरों तक सीमित रहेंगी।

पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री सुवेंदु अधिकारी ने सत्ता की कमान संभालते ही चुनावी वादों पर अमल की दिशा में कदम बढ़ाने तो शुरू कर ही दिये हैं साथ ही राज्य की राजनीति और प्रशासन में तेज बदलावों का दौर भी शुरू कर दिया है। भारतीय जनता पार्टी के नेता सुवेंदु अधिकारी ने मुख्यमंत्री पद संभालते ही कई ऐसे फैसले लिए हैं, जिन्हें राज्य की दिशा बदलने वाला माना जा रहा है। तृणमूल कांग्रेस प्रमुख ममता बनर्जी को उनके गढ़ में पराजित कर सत्ता तक पहुंचे सुवेंदु अधिकारी ने शपथ लेने के केवल 48 घंटे के भीतर लगभग डेढ़ दर्जन बड़े निर्णयों की घोषणा कर यह संकेत दे दिया कि नई सरकार प्रशासनिक, राजनीतिक और कानून व्यवस्था के मोर्चे पर व्यापक बदलाव चाहती है।

नई सरकार के शुरुआती फैसलों में सार्वजनिक स्थानों पर नमाज और ध्वनि विस्तारक यंत्रों के उपयोग को लेकर सख्ती प्रमुख रही। सरकार ने स्पष्ट किया कि सड़कों और सार्वजनिक मार्गों पर नमाज की अनुमति नहीं होगी तथा धार्मिक गतिविधियां निर्धारित परिसरों तक सीमित रहेंगी। कोलकाता के रेड रोड क्षेत्र में सार्वजनिक नमाज पर भी रोक लगाने का निर्णय लिया गया है। इसके साथ ही ध्वनि प्रदूषण नियमों का पालन सुनिश्चित करने के लिए लाउडस्पीकर के उपयोग पर भी नियंत्रण लगाया गया है। सरकार ने पत्थरबाजी की घटनाओं पर भी कठोर कार्रवाई के निर्देश दिए हैं।

साथ ही सुवेंदु अधिकारी सरकार ने वर्ष 2021 के विधानसभा चुनाव और वर्ष 2023 के पंचायत चुनावों के बाद हुई हिंसा से जुड़े मामलों को फिर से खोलने का आदेश दिया है। इन मामलों को पिछली सरकार के दौरान बंद कर दिया गया था। मुख्यमंत्री ने वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों के साथ बैठक कर लंबित और बंद मामलों की दोबारा जांच कराने का निर्देश दिया। सरकार का कहना है कि चुनाव बाद हिंसा के पीड़ितों को न्याय दिलाना उसकी प्राथमिकता है।

इसी क्रम में भाजपा कार्यकर्ताओं की हत्या के मामलों को भी दोबारा जांच के दायरे में लाया जा रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि पिछले पंद्रह वर्षों में मारे गए तीन सौ इक्कीस भाजपा कार्यकर्ताओं के परिवार यदि चाहें तो सरकार निष्पक्ष जांच कराएगी। यह फैसला राजनीतिक हिंसा के मुद्दे पर भाजपा के लंबे अभियान का हिस्सा माना जा रहा है।

इसके अलावा, नई सरकार ने सांप्रदायिक हिंसा फैलाने वालों के खिलाफ गैर जमानती धाराओं में कार्रवाई करने और पुलिस को बिना राजनीतिक दबाव के काम करने की खुली छूट देने की घोषणा की है। प्रशासन को निर्देश दिया गया है कि अवैध गतिविधियों में शामिल लोगों के खिलाफ कठोर कार्रवाई की जाए और किसी की राजनीतिक पहचान को महत्व न दिया जाए। सरकार ने दावा किया है कि कानून व्यवस्था को राजनीतिक प्रभाव से मुक्त किया जाएगा।

साथ ही सीमा पार से होने वाली अवैध घुसपैठ और पशु तस्करी के मुद्दे पर भी सरकार ने कड़ा रुख अपनाया है। राज्य में अवैध पशु बाजारों को बंद करने और अवैध परिवहन पर रोक लगाने के निर्देश जारी किए गए हैं। दिनाजपुर, मालदा, मुर्शिदाबाद और उत्तर चौबीस परगना जिलों में चल रहे अवैध पशु बाजारों के खिलाफ कार्रवाई शुरू की गई है। इसके साथ ही भारत बांग्लादेश सीमा पर बाड़ लगाने के लिए सीमा सुरक्षा बल को पैंतालीस दिनों के भीतर भूमि हस्तांतरित करने का निर्णय लिया गया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि इससे अवैध घुसपैठ और जनसंख्या संतुलन में हो रहे बदलावों पर रोक लगेगी।

इसके अलावा, पश्चिम बंगाल की नई सरकार ने राज्य में पशु वध को लेकर भी सख्त नियम लागू करने का निर्णय लिया है। राज्य सरकार ने पश्चिम बंगाल पशु वध नियंत्रण अधिनियम 1950 के प्रावधानों को कड़ाई से लागू करने के निर्देश जारी किए हैं। नए आदेश के अनुसार अब किसी भी पशु के वध से पहले उसकी उपयुक्तता का प्रमाण पत्र लेना अनिवार्य होगा। यह प्रमाण पत्र नगर निकाय प्रमुख और सरकारी पशु चिकित्सक की संयुक्त सहमति से जारी किया जाएगा। सरकार ने स्पष्ट किया है कि सार्वजनिक स्थानों पर पशु वध पूरी तरह प्रतिबंधित रहेगा और केवल निर्धारित बूचड़खानों में ही इसकी अनुमति होगी। नियमों के उल्लंघन पर छह महीने तक की सजा और जुर्माने का प्रावधान भी किया गया है। नई सरकार के इस कदम को कानून व्यवस्था, सार्वजनिक स्वच्छता और अवैध गतिविधियों पर नियंत्रण की दिशा में महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

साथ ही राज्य में लंबे समय से चर्चा में रहे सिंडिकेट राज और अवैध खनन पर भी सरकार ने कार्रवाई का संकेत दिया है। जिला और प्रखंड स्तर पर सक्रिय कथित सिंडिकेट नेटवर्क को समाप्त करने के निर्देश दिए गए हैं। सरकार का मानना है कि पिछली व्यवस्था में निर्माण सामग्री और कई क्षेत्रों में प्रभावशाली समूहों का नियंत्रण

था, जिसे खत्म करना आवश्यक है।

सुरक्षा व्यवस्था में भी बदलाव करते हुए आपराधिक पृष्ठभूमि वाले लोगों की सुरक्षा हटाने का निर्णय लिया गया है। इसके अलावा तृणमूल कांग्रेस शासनकाल में विभिन्न बोर्डों, सार्वजनिक उपक्रमों और गैर वैधानिक संस्थाओं में नियुक्त अध्यक्षों और सदस्यों की सेवाएं समाप्त करने के आदेश दिए गए हैं। साठ वर्ष से अधिक आयु वाले अधिकारियों को सेवा विस्तार देने पर भी रोक लगाने का निर्णय लिया गया है। नई सरकार ने केंद्र की कई योजनाओं को पश्चिम बंगाल में लागू करने की प्रक्रिया भी शुरू कर दी है। आयुष्मान भारत, बेटी बचाओ बेटी पढाओ, प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना, प्रधानमंत्री कृषक बीमा योजना, प्रधानमंत्री श्री योजना, विश्वकर्मा योजना और उज्ज्वला योजना को शीघ्र लागू करने के निर्देश दिए गए हैं। मुख्यमंत्री ने स्वास्थ्य विभाग को केंद्र सरकार के साथ आवश्यक समझौते तेजी से पूरा करने को कहा है। साथ ही राज्य की नई भाजपा सरकार ने शिक्षा और सांस्कृतिक राष्ट्रवाद से जुड़े मोर्चे पर भी बड़ा फैसला लिया है। मुख्यमंत्री सुवेंदु अधिकारी ने राज्य के सभी सरकारी स्कूलों में प्रार्थना सभा के दौरान वंदे मातरम् गाना अनिवार्य कर दिया है। आदेश के अनुसार कक्षाएं शुरू होने से पहले विद्यार्थियों को वंदे मातरम् के छहों पद गाने होंगे। सरकार का कहना है कि स्वतंत्रता आंदोलन के दौरान यह गीत देशभक्ति और राष्ट्रीय चेतना का प्रतीक रहा है। हाल ही में केंद्र सरकार द्वारा वंदे मातरम् को जन गण मन के समान दर्जा दिए जाने के बाद इस निर्णय को और अधिक महत्व दिया जा रहा है। राज्य सरकार ने इसे राष्ट्रीय भावना और सांस्कृतिक विरासत को मजबूत करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम बताया है।

इसके अलावा, कानूनी ढांचे में बदलाव करते हुए भारतीय न्याय संहिता को राज्य में लागू करने की घोषणा भी की गई है। यह नया आपराधिक कानून पुराने भारतीय दंड संहिता का स्थान ले चुका है, लेकिन पश्चिम बंगाल में इसका कार्यान्वयन लंबित था। नई सरकार ने इसे तुरंत प्रभाव से लागू करने का निर्णय लिया है।

सरकारी नौकरियों के इच्छुक युवाओं को राहत देते हुए आयु सीमा चालीस से बढ़ाकर पैंतालीस वर्ष कर दी गई है। सरकार का कहना है कि इससे लंबे समय से अवसरों से वंचित युवाओं को लाभ मिलेगा और भर्ती प्रक्रिया को अधिक पारदर्शी बनाया जाएगा।

जनगणना प्रक्रिया को भी नई सरकार ने फिर से शुरू करने का निर्णय लिया है। केंद्र सरकार के निर्देशों के बावजूद यह प्रक्रिया लंबे समय से लंबित थी। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार अब बिना किसी राजनीतिक अहंकार के केंद्र के निर्देशों के अनुरूप कार्य करेगी।

इसके अलावा, प्रशासनिक ढांचे में सुधार की दिशा में भी बड़े कदम उठाए गए हैं। भारतीय प्रशासनिक सेवा, भारतीय पुलिस सेवा और राज्य पुलिस अधिकारियों को केंद्र सरकार के प्रशिक्षण कार्यक्रमों में भेजने का फैसला किया गया है। इसका उद्देश्य राज्य की प्रशासनिक कार्यप्रणाली को राष्ट्रीय स्तर के मानकों से जोड़ना है। इसी क्रम में स्वास्थ्य विभाग के आठ अधिकारियों ने नई दिल्ली में आयुष्मान भारत योजना से संबंधित तकनीकी प्रशिक्षण प्राप्त किया। शहरी विकास विभाग सहित अन्य विभागों के अधिकारियों के लिए भी प्रशिक्षण कार्यक्रम शुरू किए जा रहे हैं। इसे पश्चिम बंगाल की नौकरशाही में बड़े प्रशासनिक पुनर्गठन की शुरुआत माना जा रहा है। बहरहाल, राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि सुवेंदु अधिकारी ने सत्ता संभालते ही हिंदुत्व आधारित राजनीति को जमीन पर उतारने की दिशा में तेज कदम बढ़ाने शुरू कर दिए हैं। सार्वजनिक स्थानों पर नमाज पर सख्ती, वंदे मातरम् को अनिवार्य करना, सीमा सुरक्षा, अवैध घुसपैठ और पशु तस्करी के खिलाफ कार्रवाई जैसे फैसलों को इसी व्यापक रणनीति का हिस्सा माना जा रहा है।

वैश्विक संकटों के दौर में परिवार ही रिश्तों की अंतिम शरणस्थली

(ललित गर्ग)

आज दुनिया का सबसे बड़ा संकट आर्थिक नहीं, बल्कि भावनात्मक और नैतिक संकट है। बाजार की चकाचौंध ने आदमी को उपभोक्ता तो बना दिया, लेकिन संवेदनशील इंसान नहीं बना सकी। संबंधों में स्वार्थ का प्रवेश हुआ है। विश्वास की जगह संदेह ने ले ली है। आदमी मशीनों से जुड़ रहा है, लेकिन अपनों से कटता जा रहा है।

हर वर्ष 15 मई को मनाया जाने वाला अंतर्राष्ट्रीय परिवार दिवस एक मानवीय रिश्तों का उत्सव ही नहीं, बल्कि मानव सभ्यता को उसकी जड़ों की याद दिलाने का अवसर है। यह दिन हमें बताता है कि दुनिया चाहे कितनी भी आधुनिक, तकनीकी और आर्थिक रूप से विकसित क्यों न हो जाए, मनुष्य की सबसे पहली जरूरत आज भी परिवार ही है। संयुक्त राष्ट्र द्वारा स्थापित यह दिवस इस वर्ष विशेष रूप से इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि पूरी दुनिया बढ़ती महंगाई, बेरोजगारी, युद्ध, हिंसा, मानसिक तनाव, अकेलेपन और टूटते मानवीय विश्वासों के संकट से गुजर रही है। ऐसे कठिन समय में परिवार केवल रहने की जगह नहीं, बल्कि मनुष्य के अस्तित्व, सुरक्षा, संस्कार और संवेदनाओं की सबसे मजबूत छत बनकर सामने आता है।

आज दुनिया का सबसे बड़ा संकट आर्थिक नहीं, बल्कि भावनात्मक और नैतिक संकट है। बाजार की चकाचौंध ने आदमी को उपभोक्ता तो बना दिया, लेकिन संवेदनशील इंसान नहीं बना सकी। संबंधों में स्वार्थ का प्रवेश हुआ है। विश्वास की जगह संदेह ने ले ली है। आदमी मशीनों से जुड़ रहा है, लेकिन अपनों से कटता जा रहा है। युद्ध केवल सीमाओं पर नहीं लड़े जा रहे, वे परिवारों के भीतर भी दिखाई देने लगे हैंकृपति-पत्नी के बीच, पीढ़ियों के बीच, भाई-भाई के बीच। संवाद टूट रहे हैं, सहनशीलता घट रही है और 'मैं' का अहंकार 'हम' की भावना को निगलता जा रहा है। ऐसी परिस्थितियों में परिवार की भूमिका पहले से कहीं अधिक बढ़ जाती है। परिवार केवल रक्त संबंधों का समूह नहीं है, वह जीवन-मूल्यों का विद्यालय है। वहीं मनुष्य पहली बार प्रेम सीखता है, त्याग सीखता है, सहयोग, अनुशासन, धैर्य और सह-अस्तित्व की भावना सीखता है। यदि परिवार स्वस्थ है तो समाज स्वस्थ होगा, समाज स्वस्थ होगा तो राष्ट्र और विश्व भी संतुलित रहेंगे। इसलिए आज आवश्यकता केवल परिवार बचाने की नहीं, बल्कि परिवारों को मूल्यनिष्ठ बनाने की है। आज जब महंगाई लगातार बढ़ रही है, जीवन की आवश्यकताएं महंगी होती जा रही हैं और बेरोजगारी युवाओं के सपनों को तोड़ रही है, तब संयुक्त परिवार की अवधारणा फिर प्रासंगिक बनती दिखाई दे रही है। संयुक्त परिवार केवल आर्थिक साझेदारी नहीं, बल्कि भावनात्मक सुरक्षा का भी आधार है। वहां संसाधनों का साझा उपयोग होता है, जिम्मेदारियां बांटी जाती हैं और संकट अकेले व्यक्ति पर नहीं टूटता। अकेलेपन से उपजी अवसाद की समस्याएं संयुक्त परिवारों में अपेक्षाकृत कम दिखाई देती हैं क्योंकि वहां संवाद और अपनापन जीवित रहता है। वास्तव में आधुनिक सभ्यता ने स्वतंत्रता तो दी, लेकिन उस स्वतंत्रता ने कई बार व्यक्ति को संबंध-विहीन भी बना दिया। महानगरों के छोटे-छोटे फ्लैटों में रहने वाले हजारों लोग आर्थिक रूप से संपन्न होकर भी भीतर से बेहद अकेले हैं। वृद्ध माता-पिता उपेक्षा के शिकार हैं, बच्चे संस्कारों से दूर हो रहे हैं और पति-पत्नी के बीच संबंधों की ऊष्मा कम होती जा रही है। यही कारण है कि मानसिक रोग, तनाव, असुरक्षा और आत्महत्याओं की घटनाएं बढ़ रही हैं। यह केवल व्यक्तिगत विफलता नहीं, परिवार संस्था के कमजोर पड़ने का संकेत है।

आज आवश्यकता इस बात की है कि परिवार को केवल उपभोग और सुविधा का केंद्र न बनाकर उसे अहिंसा की प्रयोगशाला बनाया जाए। अहिंसा का अर्थ केवल किसी को शारीरिक चोट न पहुंचाना नहीं है। कठोर शब्दों से बचना, अपमान न करना, एक-दूसरे की भावनाओं का सम्मान करना, क्रोध पर संयम रखना, संवाद बनाए रखना और क्षमा का अभ्यास करना भी अहिंसा है। यदि परिवार के भीतर हिंसक भाषा, कटुता, अपमान और असहिष्णुता होगी तो समाज में शांति की कल्पना कैसे की जा सकती है? परिवार वह पहला स्थान होना चाहिए जहां बच्चा सहिष्णुता और करुणा का पाठ सीखे। जहां उसे यह सिखाया जाए कि जीवन प्रतियोगिता नहीं, सह-अस्तित्व है। जहां बुजुर्ग बोझ नहीं, अनुभवों की धरोहर माने जाएं। जहां स्त्री को सम्मान मिले, बच्चों को संस्कार मिले और युवाओं को विश्वास मिले। आज दुनिया में बढ़ती हिंसा का एक बड़ा कारण यह भी है कि परिवारों में संवाद और संवेदना कमजोर हो रही है। बच्चे मोबाइल से बातें कर रहे हैं, लेकिन माता-पिता से नहीं। परिवार साथ रहते हुए भी भीतर से बिखर रहा है। जलवायु परिवर्तन, युद्ध और आर्थिक अस्थिरता ने पूरी दुनिया को असुरक्षित बना दिया है।

ब्रिक्स के विदेश मंत्रियों के 'दिल्ली-विमर्श' के निहितार्थ

(कमलेश पांडे)

देखा जाए तो नई दिल्ली में ब्रिक्स के विदेश मंत्रियों का जमावड़ा लगा हुआ है। दो दिनों का यह 18वां शिखर सम्मेलन ऐसे समय हो रहा है, जब दुनिया कई मोर्चे पर अस्थिरता से गुजर रही है। ब्रिक्स के सदस्य देश - ईरान और यूएई सीधे तौर पर इस हलचल में शामिल है। ऐसे में यह जुटान पूरी दुनिया के लिए अहम हो जाती है।

ब्रिक्स के विदेश मंत्रियों की दो दिवसीय दिल्ली बैठक ने दुनिया को कई महत्वपूर्ण राजनीतिक, आर्थिक और सामरिक संदेश दिए हैं, जिनके कूटनीतिक निहितार्थ को समझने की जरूरत है। अन्यथा शेष दुनिया को अमेरिकी-यूरोपीय दादागिरी (नाटो सैन्य गठबंधन) के दुनियावी दांवपेंचों से निजात मिलनी मुश्किल है। लिहाजा, इस बैठक में मुख्य रूप से वैश्विक शक्ति-संतुलन, अमेरिकी प्रतिबंध नीति, पश्चिम एशिया संकट, वैश्विक व्यापार व्यवस्था और 'ग्लोबल साउथ' की भूमिका पर जोर दिखाई दिया।

देखा जाए तो नई दिल्ली में ब्रिक्स के विदेश मंत्रियों का जमावड़ा लगा हुआ है। दो दिनों का यह 18वां शिखर सम्मेलन ऐसे समय हो रहा है, जब दुनिया कई मोर्चे पर अस्थिरता से गुजर रही है। ब्रिक्स के सदस्य देश - ईरान और यूएई सीधे तौर पर इस हलचल में शामिल है। ऐसे में यह जुटान पूरी दुनिया के लिए अहम हो जाती है। इस अहम बैठक में भारत के विदेश मंत्री एस जयशंकर, रूस के विदेश मंत्री सर्जेई लावरोव और ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची जैसे नेताओं के दूरदर्शिता भरे बयान विशेष चर्चा में रहे। जिसके दुनियावी मायने बेहद अहम हैं।

जिस तरह से कूटनीतिक सम्मेलन के पहले ही दिन जयशंकर ने अंतरराष्ट्रीय कानून और संयुक्त राष्ट्र चार्टर के खिलाफ लगाए जाने वाले एकतरफा प्रतिबंधों का जिक्र किया, जो सबसे ज्यादा विकासशील देशों को नुकसान पहुंचाते हैं। स्वाभाविक तौर पर उनका इशारा अमेरिका है, क्योंकि डोनाल्ड ट्रंप की टैरिफ नीतियों की वजह से दुनिया को बहुत ज्यादा नुकसान उठाना पड़ा है। वहीं, ईरान मामले में भी गतिरोध की वजह बहुत हद तक वॉशिंगटन की अव्यवहारिक मांगें है। ब्रिक्स के बड़े मंच से उठी आवाज का असर ज्यादा होगा।

विदेश मंत्री एस जयशंकर का उद्घाटन भाषण मौजूदा चुनौतियों का सही खाका खींचता है। पश्चिम एशिया पर मंडराता युद्ध का खतरा, ऊर्जा संकट, सप्लाई चेन में रुकावट और जलवायु परिवर्तन ने अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था को एक नए मोड़ पर ला खड़ा किया है। तमाम देशों की अर्थव्यवस्था को मंदी में फंसने का डर सता रहा है। ऐसे में जैसा कि विदेश मंत्री ने कहा, विकासशील देशों ने ब्रिक्स से यह उम्मीद लगाई है कि यह मंच स्थिरता कायम करने में सकारात्मक भूमिका अदा करेगा। इसके कतिपय निहितार्थ इस प्रकार हैं-

पहला, एकध्रुवीय विश्व व्यवस्था को चुनौती- बैठक का सबसे बड़ा संदेश यह था कि दुनिया अब केवल अमेरिका-केन्द्रित व्यवस्था पर निर्भर नहीं रहना चाहती। ब्रिक्स देशों ने मल्टीपोलर वर्ल्ड के दृष्टिगत बहुध्रुवीय विश्व व्यवस्था की आवश्यकता पर जोर दिया। इसका अर्थ है कि वैश्विक निर्णयों में पश्चिमी देशों के साथ एशिया, अफ्रीका और लैटिन अमेरिका की शक्तियों की भी बराबर भूमिका हो।

दूसरा, अमेरिकी प्रतिबंधों और आर्थिक दबाव का विरोध- भारत, रूस, चीन और ईरान सहित कई देशों ने एकतरफा प्रतिबंधों को अंतरराष्ट्रीय व्यापार और संप्रभुता के खिलाफ बताया। विशेष रूप से एस जयशंकर ने कहा कि प्रतिबंध और दबाव कूटनीति का विकल्प नहीं हो सकते। यह संदेश सीधे तौर पर अमेरिका की प्रतिबंध नीति की आलोचना माना गया।

तीसरा, डॉलर प्रभुत्व कम करने का संकेत- बैठक में स्थानीय मुद्राओं में व्यापार बढ़ाने और वैकल्पिक भुगतान प्रणालियों पर भी चर्चा हुई। यह संदेश था कि ब्रिक्स देश डॉलर पर निर्भरता कम करना चाहते हैं

ताकि अमेरिकी आर्थिक दबाव का असर घटाया जा सके।

चतुर्थ, पश्चिम एशिया संकट पर चिंता- ईरान-इज़राइल तनाव और समुद्री मार्गों की सुरक्षा बड़ा मुद्दा रहा। ब्रिक्स देशों ने रेड सी और होर्मुज़ जलडमरूमध्य जैसे मार्गों की सुरक्षा पर जोर दिया। दुनिया को यह संदेश दिया गया कि क्षेत्रीय युद्ध अब वैश्विक अर्थव्यवस्था और ऊर्जा सुरक्षा को सीधे प्रभावित कर सकते हैं। हालांकि इस मंच के सामने भी चुनौती है। ईरान और यूएई के आपसी रिश्ते ठीक नहीं चल रहे। जबकि चीन ने अपने विदेश मंत्री को नहीं भेजा है।

एक बात और, जब सम्मेलन की शुरुआत हुई, चीनी राष्ट्रपति शी चिनफिंग तब ट्रंप की मेजबानी में व्यस्त थे। ब्रिक्स के सबसे बड़े विरोधी ट्रंप है। उन्हें लगता है कि यह मंच अमेरिकी हितों के खिलाफ खड़ा किया गया है। मेजबान होने के नाते यह भारत की जिम्मेदारी है कि यहां से निकला संदेश किसी के विरोध में नहीं, साझा हित में हो। भारत के पास सभी सदस्यों को करीब लाने और मौजूदा संकट का समाधान पेश करने का मौका है।

पांचवां, ग्लोबल साउथ की राजनीतिक आवाज- बैठक में यह स्पष्ट हुआ किब्रिक्स स्वयं को केवल आर्थिक समूह नहीं, बल्कि विकासशील देशों की सामूहिक राजनीतिक आवाज के रूप में स्थापित करना चाहता है। अफ्रीका, एशिया और लैटिन अमेरिका के देशों की समस्याओं- जैसे खाद्य सुरक्षा, ऊर्जा संकट और कर्ज-को वैश्विक एजेंडा में प्रमुखता देने की बात कही गई। छठा, संयुक्त राष्ट्र सुधार की मांग- भारत और ब्राजील ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में सुधार और विकासशील देशों के अधिक प्रतिनिधित्व की आवश्यकता दोहराई। यह संदेश था कि द्वितीय विश्व युद्ध के बाद बनी संस्थाओं में अब नई वैश्विक वास्तविकताओं के अनुसार बदलाव होना चाहिए। सातवां, ब्रिक्स के भीतर मतभेद भी सामने आए- हालांकि बैठक में एकजुटता दिखाई गई, लेकिन यह भी स्पष्ट हुआ कि सभी सदस्य अमेरिका-विरोधी नीति पर पूरी तरह एकमत नहीं हैं। भारत और ब्राजील जैसे देश पश्चिम के साथ संतुलित संबंध बनाए रखना चाहते हैं, जबकि रूस और ईरान अधिक आक्रामक रुख चाहते हैं। इससे यह संकेत मिला कि ब्रिक्स अभी पूर्ण राजनीतिक गठबंधन नहीं, बल्कि साझा हितों वाला मंच है। समग्र रूप से कहा जाए तो, इस बैठक का वैश्विक संदेश यह था कि उभरती शक्तियाँ अब विश्व राजनीति और अर्थव्यवस्था में अधिक स्वतंत्र, संतुलित और पश्चिम से अलग भूमिका चाहती हैं। ब्रिक्स ने यह दिखाने की कोशिश की कि ग्लोबल साउथ अब केवल दर्शक नहीं, बल्कि वैश्विक शक्ति-संतुलन का सक्रिय खिलाड़ी बनना चाहता है। चूंकि ब्रिक्स अब केवल उभरती हुई अर्थव्यवस्थाओं का समूह नहीं रहा, इसकी भूमिका आज कहीं ज्यादा व्यापक हो चुकी है। वास्तव में यह वैश्विक संतुलन स्थापित करने में महत्वपूर्ण हो सकता है। भारत का रोल इसमें सबसे अहम हो जाता है। उसने पश्चिमी देशों के साथ रिश्ते बनाए हुए हैं, जबकि रूस, ईरान और चीन के साथ भी बैलेंस रखा है। उसने हमेशा संवाद से समाधान की बात की है। यह रवैया उसे भरोसेमंद साथी बनाता है।

(लेखक वरिष्ठ पत्रकार व राजनीतिक विश्लेषक है)। (इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

अधिकारी संयमित एवं संवेदनशील व्यवहार रखें, नागरिकों की समस्याओं को गंभीरता से सुनें, जनसेवा को सर्वोच्च प्राथमिकता दें - कलेक्टर

सुशासन तिहार में प्राप्त आवेदनों को प्राथमिकता के साथ समयबद्ध निराकरण के दिए निर्देश

जांजगीर-चांपा/मूक पत्रिका

कलेक्टर जन्मेजय महोबे ने शासन के मितव्ययिता एवं वित्तीय अनुशासन संबंधी निर्देशानुसार समय-सीमा बैठक की व्यवस्था में परिवर्तन किया गया है। आज समय-सीमा बैठक में केवल जांजगीर-चांपा मुख्यालय में पदस्थ अधिकारी ही जिला कार्यालय के सभाकक्ष में उपस्थित रहें एवं शेष सभी अधिकारी, जिनमें जनपद पंचायतों के मुख्य कार्यपालन अधिकारी, नगर पालिका एवं नगर पंचायतों के मुख्य नगर पालिका अधिकारी तथा तहसीलदार अपने-अपने ब्लॉक मुख्यालय स्थित स्वान कक्ष से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से बैठक में शामिल हुए। कलेक्टर ने सभी अधिकारियों को वाहनों का उपयोग साझा व्यवस्था में करने के निर्देश भी दिए हैं। इसके साथ ही अधिकारियों को अपने अधीनस्थ अधिकारियों एवं कर्मचारियों की बैठकें भी यथासंभव वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से आयोजित करने कहा गया है। कलेक्टर ने जिले में स्वीकृत एवं प्रगतिरत निर्माण कार्यों की जानकारी अनिवार्य रूप से जिले की वेबसाइट एवं निर्माण पोर्टल पर नियमित अपलोड करने के निर्देश अधिकारियों को दिए, ताकि कार्यों की सतत मॉनिटरिंग एवं पारदर्शिता सुनिश्चित हो सके। कलेक्टर ने मुख्यमंत्री के मंशानुरूप सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों को निर्देशित किया कि वे अपना आचरण एवं व्यवहार मर्यादित रखें तथा आम नागरिकों की समस्याओं और बातों को गंभीरता से सुनें। उन्होंने कहा कि प्रशासन का मूल उद्देश्य नागरिकों की सेवा करना है और प्रत्येक अधिकारी को जनहित को सर्वोच्च प्राथमिकता देनी चाहिए। बैठक में स्वास्थ्य विभाग की समीक्षा करते हुए कलेक्टर ने कहा कि सभी स्वास्थ्य केंद्रों में चिकित्सकों एवं स्वास्थ्य कर्मियों की समय पर उपस्थिति सुनिश्चित की जाए, ताकि आम नागरिकों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं मिल सकें। उन्होंने अधिकारियों को अपने दायित्वों के प्रति गंभीर एवं संवेदनशील रहने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने कहा सुशासन तिहार के तहत नागरिकों की समस्याओं के त्वरित, पारदर्शी एवं गुणवत्तापूर्ण समाधान हेतु जिले में जनसमस्या समाधान शिविर आयोजित किए जा रहे हैं। उन्होंने सभी जिला स्तरीय अधिकारियों को निर्देशित किया कि वे जनसमस्या निवारण शिविरों में अनिवार्य रूप से उपस्थित रहकर आमजनों की समस्याओं का त्वरित निराकरण सुनिश्चित करें। कलेक्टर ने शिविरों में प्राप्त आवेदनों एवं शिकायतों की विस्तारपूर्वक समीक्षा की एवं शीघ्र निराकरण करने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने कहा कि जिले के शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों में गर्मी के मौसम को देखते हुए पेयजल व्यवस्था सुचारु बनाए रखना शासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने पेयजल संबंधी शिकायत प्राप्त होने पर लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग, नगरीय निकायों एवं संबंधित विभागों को समन्वय बनाकर प्रभावित क्षेत्रों में आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित करने कहा। उन्होंने कहा कि खराब हैंडपंपों एवं नल-जल योजनाओं की तत्काल मरम्मत कराई जाए तथा जलापूर्ति बाधित होने की स्थिति में वैकल्पिक व्यवस्था करने के निर्देश संबंधित अधिकारी को दिए। कलेक्टर ने आगामी खरीफ सीजन की तैयारियों की समीक्षा करते हुए कृषि विभाग एवं संबंधित विभाग के अधिकारियों को किसानों के लिए खाद एवं बीज की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। कलेक्टर ने जिले में अतिक्रमण हटाने अभियान को प्रभावी रूप से संचालित करने के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए हैं। इसके साथ ही बैठक में विभिन्न प्रगतिरत निर्माण कार्यों, जनकल्याणकारी योजनाओं एवं विभागीय कार्यों की विस्तृत समीक्षा करते हुए अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

सुशासन तिहार-2026 : विकासखण्ड साजा के ग्राम पंचायत बिरनपुर में समाधान शिविर आज

बेमेतरा/मूक पत्रिका

सुशासन तिहार 2026 के अंतर्गत 19 मई को जनपद पंचायत साजा के ग्राम पंचायत बिरनपुर के शासकीय माध्य. शाला केहका में समाधान शिविर आयोजित किया गया है। ग्राम केहका कलस्टर में ग्राम पिपरीया, बिरनपुर, ढाप, खैरी, बीजागोड नवागावगहिरा, केवतरा, भरदालोधी, बोरतरा, कोगियाकला, मासुलगोदी, मोहतरा, देउरगाँव एवं नवागाँव खुर्द ग्राम पंचायत के लिए यह शिविर आयोजित किया गया है। शिविर का समय सुबह 10 बजे से दोपहर 03 बजे निर्धारित किया गया है।माधान शिविर में विभिन्न योजनाओं से पात्र अनेक हितग्राहियों को विभागीय योजनाओं से लाभान्वित किया जाएगा। शिविर में प्राप्त आवेदनों का यथासंभव निराकरण किया जाएगा। शिविर में विभिन्न विभागों के जिला एवं ब्लॉक स्तरीय अधिकारीगण उपस्थित रहेंगे। शिविर में शासन द्वारा संचालित विभागीय योजनाओं, सेवाओं एवं कार्यक्रमों की जानकारी दी जाएगी। कलेक्टर सुश्री प्रतिष्ठा ममगाई ने ग्रामीण जनों को शिविर में उपस्थित होकर शिविर का लाभ लेने की अपील की है।मसाला दुकान चोरी मामले में दूसरा आरोपी गिरफ्तार, एक अब भी फरारसारंगढ़-बिलाईगढ़// सरिया थाना क्षेत्र में मसाला दुकान में हुई चोरी के मामले में पुलिस ने दूसरे आरोपी को भी गिरफ्तार कर लिया है। मामले में अब तक दो आरोपियों की गिरफ्तारी हो चुकी है, जबकि एक अन्य आरोपी अभी भी फरार बताया जा रहा है। पुलिस फरार आरोपी की तलाश में लगातार दबिश दे रही है।

दुकान का ताला तोड़कर मसाला और तिल की चोरी-जानकारी के अनुसार सरिया बस्ती रोड स्थित हनुमान मंदिर के पास मुकेश कुमार अग्रवाल ÷मुकेश मसाला÷ नाम से दुकान संचालित करते हैं। 12 मई की रात करीब 8 बजे दुकान बंद कर वह घर चले गए थे। पत्नी अनिता अग्रवाल की तबीयत खराब होने के कारण वे रायपुर चले गए थे।15 मई की सुबह करीब 9 बजे जब दुकान खोली गई तो दुकान से 4 बोरी जीरा, एक बोरी तिल और भारत मीट मसाला के 2 कार्टून गायब मिले। चोरी गए सामान की कुल कीमत 24 हजार 200 रुपये बताई गई। मामले की रिपोर्ट पर सरिया थाना में अज्ञात आरोपियों के खिलाफ अपराध क्रमांक 97/2026 धारा 331(4), 305(ए) बीएनएस के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू की गई।

पूछताछ में खुला चोरी का राज-विवेचना के दौरान पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण किया और गवाहों के बयान लिए। जांच में भाग्येश स्वर्णकार उर्फपिंटू स्वर्णकार, जुगल दास और राज सहिस पर संदेह हुआ। पुलिस ने पिंटू स्वर्णकार को हिरासत में लेकर पूछताछ की, जहां उसने अपने साथियों के साथ मिलकर चोरी करना स्वीकार कर लिया। आरोपी ने बताया कि 14 मई की रात करीब 11 बजे तीनों ने मिलकर दुकान से जीरा, तिल और मसाला चोरी किया था।

पानी टंकी तैयार, लेकिन बेलकरी में नलों तक नहीं पहुँच पा रहा पानी

भीष्म गर्मी में भी नहीं हो पाया पानी टंकी से सप्लाई

सुशासन तिहार में उठ सकता है पानी टंकी की समस्या की समस्या

जैजैपुर/मूक पत्रिका

जनपद पंचायत जैजैपुर के अंतर्गत ग्राम पंचायत बेलकरी में लंबे इंतजार के बाद पानी टंकी का निर्माण पूरा हो गया, लेकिन स्थानीय लोगों का कहना है कि टंकी बनने के बावजूद नलों में पानी की सप्लाई शुरू नहीं हुई है। स्थानीय निवासी धर्मेन्द्र यादव ने बताया, हम लोगों को पानी की समस्या से जूझ रहे हैं। टंकी बनने के बाद उम्मीद थी कि नलों तक पानी पहुँचेगा, लेकिन अभी तक पानी नहीं आया है। सूत्रों के अनुसार, पानी टंकी तो बन गई है, लेकिन पाइपलाइन कनेक्शन और वितरण प्रणाली में तकनीकी समस्याओं के कारण जल आपूर्ति प्रभावित है। पंचायत प्रतिनिधि ने कहा कि दोषपूर्ण पाइपलाइन और पानी की सप्लाई व्यवस्था में देरी के कारण टंकी से पानी नलों तक नहीं पहुँच पा रहा है। ठेकेदार के द्वारा पानी टंकी तो बनाई गई है लेकिन नल जल कनेक्शन से जोड़ा नहीं गया है। न हीं ग्राम पंचायत को सुपुर्द किया गया है। ठेकेदार के द्वारा अधूरे कार्य होना ही संभव हो सकता है। जिसकी वजह से ग्राम पंचायत बेलकरी के निवासियों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। पंचायत प्रशासन ने स्थानीय लोगों को आश्वस्त किया है कि जल्द ही तकनीकी टीम समस्या का समाधान करेगी और पानी की नियमित सप्लाई शुरू हो जाएगी। स्थानीय लोग प्रशासन से जल्द कार्यवाही की मांग कर रहे हैं, ताकि गर्मी के मौसम में पानी की कमी से बचा जा सके। बेलकरी ग्राम पंचायत के निवासियों का कहना है कि सुशासन तिहार जन समस्या निवारण शिविर में उनकी मांग की जाएगी जो कार्य अधूरा ठेकेदार ने किया है जिनसे नल जल कनेक्शन का संचालन नहीं हो पा रहा है।

विकास के दावों के बीच बदहाल सड़क, भठली चौक से राजपुर-कंचनपुर मार्ग पर चलना हुआ मुश्किल..

सारंगढ़-बिलाईगढ़/मूक पत्रिका

एक ओर क्षेत्र में विकास के बड़े-बड़े दावे किए जा रहे हैं, वहीं दूसरी ओर सरिया क्षेत्र की कई सड़कें आज भी बदहाली की कहानी बयां कर रही हैं। रायगढ़ विधानसभा के अंतर्गत तहसील मुख्यालय सरिया के पास भठली चौक से राजपुर-कंचनपुर (स) तक जाने वाली सड़क वर्षों से जर्जर हालत में पड़ी हुई है। सड़क पर जगह-जगह बड़े गड्ढे और उखड़ा डामर लोगों की परेशानी बढ़ा रहे हैं। ग्रामीणों का कहना है कि सड़क निर्माण के बाद आज तक न तो इसकी ढंग से मरम्मत हुई और न ही नवीनीकरण कराया गया।

करोड़ों की लागत से बनी सड़क अब खस्ताहाल-ग्रामीणों के मुताबिक भठली चौक से करीब 4 किलोमीटर लंबी इस सड़क का निर्माण वर्ष 2011-12 में ग्रामीण सड़क योजना के तहत करोड़ों रुपये की लागत से किया गया था। शुरुआत में सड़क अच्छी थी, लेकिन समय के साथ इसकी हालत बिगड़ती चली गई। अब सड़क पूरी तरह उबड़-खाबड़ हो चुकी है। कई जगह गहरे गड्ढे बन गए हैं, जिससे वाहन चालकों और राहगीरों को भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि निर्माण के बाद ठेकेदार ने सड़क की ओर कभी ध्यान नहीं दिया। मेंटेनेंस अवधि में भी किसी प्रकार का सुधार कार्य नहीं कराया गया। वहीं जनप्रतिनिधियों और जिम्मेदार विभागों ने भी इस सड़क की सुध नहीं ली।

मरीजों और गर्भवती महिलाओं को सबसे ज्यादा परेशानी-राजपुर निवासी सुभाष प्रधान, भोला प्रधान और रघुनाथ प्रधान ने बताया कि सड़क की खराब हालत के कारण आपात स्थिति में मरीजों को अस्पताल पहुंचाना मुश्किल हो जाता है।

खासकर गर्भवती महिलाओं को लेकर ग्रामीण हमेशा चिंतित रहते हैं। बारिश के दिनों में स्थिति और भी खराब हो जाती है। ग्रामीणों का कहना है कि गांव के स्कूली बच्चे भी इसी सड़क से होकर बाहर पढ़ने जाते हैं। रोजाना गड्ढों और टूटे रास्तों के बीच सफर करना उनकी मजबूरी बन गया है। कई बार बच्चे गिरकर चोटिल भी हो चुके हैं। बायपास सड़क होने के बावजूद लोग चलने से बच रहे-भठली चौक से राजपुर-कंचनपुर (स) तक का यह मार्ग आगे बेरियर की ओर जाने वाली बायपास सड़क से जुड़ता है।

सरिया नगर में जाम लगने की स्थिति में लोग इसी रास्ते का उपयोग करते हैं, लेकिन सड़क की बदहाल हालत देखकर अब लोग इस मार्ग पर जाने से भी कतराने लगे हैं। ग्रामीणों ने प्रशासन और जनप्रतिनिधियों से मांग की है कि जल्द से जल्द सड़क की मरम्मत और नवीनीकरण कराया जाए, ताकि लोगों को राहत मिल सके और क्षेत्र में आवागमन सुगम हो सके।

सरिया पुलिस की बड़ी कार्रवाई : 50 किलो से ज्यादा गांजा के साथ 6 तस्कर गिरफ्तार, ओडिशा से यूपी ले जा रहे थे खेप..

सारंगढ़-बिलाईगढ/मूक पत्रिका

सरिया पुलिस ने अवैध मादक पदार्थ तस्करी के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए 50 किलो 890 ग्राम गांजा के साथ 6 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। आरोपी ओडिशा के कंधमाल से गांजा लेकर उत्तर प्रदेश के फतेहपुर ले जा रहे थे। पुलिस ने कार्रवाई के दौरान दो कार और 6 मोबाइल फोन भी जब्त किए हैं। जब्त सामान की कुल कीमत करीब 18 लाख 40 हजार रुपये बताई जा रही है।

मुखबिर की सूचना पर हुई घेराबंदी-सरिया पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली थी कि एक सफेद रंग की हुंडई ऑरा कार क्रमांक क्क 71 ब्वद्ध-6017 में दो लोग भारी मात्रा में गांजा लेकर ओडिशा से सरिया-रायगढ़ मार्ग होते हुए उत्तर प्रदेश जा रहे हैं। वहीं उनके आगे-आगे एक लाल रंग की हुंडई आई-10 कार क्रमांक ह्रक्र05,रु0467 में चार लोग पेट्रोलिंग करते चल रहे हैं। सूचना मिलते ही थाना प्रभारी निरीक्षक एन.एल. राठिया के नेतृत्व में पुलिस टीम ने थाना सरिया के सामने मेन रोड पर घेराबंदी कर दोनों वाहनों को रोक लिया।

दो कारों में चल रहा था तस्करी का खेल-पुलिस ने सबसे पहले लाल रंग की आई-10 कार की जांच की। कार में लिपुन साहू पिता नबोधन साहू उम्र 19 वर्ष, पंचानन बेहरा पिता अभिमन्यु बेहरा उम्र 23 वर्ष, चन्द्रकांत मलिक पिता तुनुरामणी मलिक उम्र 19 वर्ष और लिट्टू बेहरा पिता राम बेहरा उम्र 19 वर्ष निवासी ग्राम रबिग्या थाना बालिगुड़ा जिला कंधमाल ओडिशा सवार मिले। पूछताछ में उन्होंने बताया कि वे गांजा खरीददारों को सुरक्षित तरीके से छत्तीसगढ़ बॉर्डर पार कराने के लिए आगे-आगे चल रहे थे।

कार की डिक्की और सीट में छिपाकर रखा था गांजा-इसके बाद पुलिस ने हुंडई ऑरा कार की तलाशी ली। कार में मोहम्मद आजम पिता असलम अली उर्फ मोहम्मद असलम उम्र 26 वर्ष निवासी ग्राम दुदौली जलालपुर चौकी छिवलहा थाना हथगांव जिला फतेहपुर उत्तर प्रदेश और रंगनाथ कोरी पिता धुनीलाल कोरी उम्र 28 वर्ष निवासी ग्राम चारूहर बीक पोस्ट ऑफिस गोड़ा थाना गदागंज जिला रायबरेली उत्तर प्रदेश सवार थे। तलाशी के दौरान कार की बीच वाली सीट में 4 पैकेट और डिक्की में 21 पैकेट खाखी रंग के टेप से लिपटा गांजा मिला।

25 पैकेट में मिला 50 किलो से ज्यादा गांजा-पुलिस ने गवाहों की मौजूदगी में गांजा का वजन कराया। कुल 25 पैकेट में 50 किलो 890 ग्राम गांजा बरामद हुआ, जिसकी कीमत करीब 5 लाख रुपये आंकी गई है। आरोपियों से गांजा रखने संबंधी दस्तावेज मांगे गए, लेकिन वे कोई वैध कागजात पेश नहीं कर सके। इसके बाद पुलिस ने गांजा, दोनों कार और 6 मोबाइल फोन जब्त कर लिए।सरिया थाना में आरोपियों के खिलाफ अपराध क्रमांक 98/2026 धारा 20 (बी) एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज किया गया है।

सभी आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर जेल भेज दिया गया है। पूरी कार्रवाई में थाना प्रभारी निरीक्षक एन.एल. राठिया, सउनि सुमन कुमार चौहान, प्रधान आरक्षक विजय यादव, सुरेन्द्र सिदार, टीकाराम पटेल, आरक्षक दिलीप स्नेही, लक्ष्मी पटेल, श्रवण कुमार टंडन, अमृत निषाद, लकेश्वर पुरसेट सहित थाना सरिया स्टाफ की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

संवाद से समाधान' शिविर में हुआ समस्याओं का त्वरित निराकरण, मंत्री गुरु खुशवंत साहेब ने बांटे हितलाभ

आरंग/मूक पत्रिका

ग्राम सिवनी में छत्तीसगढ़ शासन की सुशासन नीति का असर अब जमीनी स्तर पर साफदिखने लगा है। इसी कड़ी में सिवनी में आयोजित ÷सुशासन तिहार 2026÷ के अंतर्गत 'संवाद से समाधान' शिविर का भव्य आयोजन किया गया। शिविर में छत्तीसगढ़ सरकार के कैबिनेट मंत्री गुरु खुशवंत साहेब मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। उन्होंने न केवल आम जनता की समस्याओं को बेहद गंभीरता से सुना, बल्कि मौके पर मौजूद अधिकारियों को उनके त्वरित निराकरण के सख्त निर्देश भी दिए।?शिविर में बड़ी संख्या में पहुंचे ग्रामीणों और नागरिकों की समस्याओं का ऑन-द-स्पॉट (मौके पर ही) समाधान किया गया, जिससे लोगों के चेहरे खिल उठे और चारों ओर भारी उत्साह का माहौल देखने को मिला।

जनता के चेहरे पर खुशी लाना ही सुशासन-मंत्री गुरु खुशवंत साहेब-शिविर को संबोधित करते हुए कैबिनेट मंत्री गुरु खुशवंत साहेब ने कहा जनता की समस्याओं का समय पर समाधान कर उनके चेहरों पर मुस्कान लाना हमारी सुशासन सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में प्रदेश सरकार विकास, सुशासन और जनकल्याण के संकल्प को लेकर निरंतर आगे बढ़ रही है। हमारी डबल इंजन भाजपा सरकार का एकमात्र लक्ष्य है कि योजनाओं का लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक बिना किसी बाधा के पहुंचे। ?उन्होंने आगे जोड़ा कि ÷सुशासन तिहार÷ को लेकर पूरे प्रदेश की जनता में एक अनोखा उत्साह है। सरकार खुद गांव-गांव पहुंचकर लोगों के द्वार पर समस्याओं का निपटारा कर रही है।

हितग्राहियों को मिली राहत होनहार छात्र हुए सम्मानित-इस शिविर में केवल समस्याओं का निवारण ही नहीं हुआ, बल्कि शासन की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं का सीधा लाभ भी पात्र लोगों को सौंपा गया: उपकरण और दस्तावेज वितरण: जरूरतमंद हितग्राहियों को आवश्यक उपकरण, सरकारी दस्तावेज पत्रक और सहायता राशि सौंपी गई।

सीसी रोड, बोर खनन, वाटर कूलर और मंच निर्माण कार्यों से ग्रामीणों को मिलेगी बड़ी सुविधा

ग्राम खिलोरा को विधायक दीपेश साहू की विकास सौगात, लाखों के निर्माण कार्यों का लोकार्पण एवं भूमिपूजन

बेमेतरा/मूक पत्रिका

सुशासन तिहार के अवसर पर विकासखंड बेमेतरा अंतर्गत ग्राम पंचायत खिलोरा में आयोजित समाधान शिविर विकास और जनकल्याण का केंद्र बन गया। शिविर में क्षेत्रीय विधायक दीपेश साहू ने ग्रामवासियों को विभिन्न विकास कार्यों की महत्वपूर्ण सौगात देते हुए करोड़ों नहीं बल्कि सीधे ग्रामीण जरूरतों से जुड़े ऐसे कार्यों का लोकार्पण एवं भूमिपूजन किया, जिनसे गांव के लोगों को लंबे समय तक लाभ मिलेगा। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में ग्रामीणजन, जनप्रतिनिधि, पंचायत पदाधिकारी एवं प्रशासनिक अधिकारी उपस्थित रहे। शिविर के दौरान शासन की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी भी ग्रामीणों को दी गई तथा पात्र हितग्राहियों को योजनाओं से लाभान्वित किया गया।

लाखों रुपए की लागत से बने सीसी रोड का लोकार्पण-ग्राम खिलोरा में आधारभूत सुविधाओं को मजबूत करने की दिशा में विधायक दीपेश साहू ने दो महत्वपूर्ण सीसी रोड निर्माण कार्यों का लोकार्पण किया। इनमें भोला के घर से पूरन के घर तक 5.20 लाख रुपए की लागत से निर्मित सीसी रोड तथा गयाराम के घर से मौली माता मंदिर तक 5 लाख रुपए की लागत से बने सड़क निर्माण कार्य का उद्घाटन शामिल है।ग्रामीणों ने लंबे समय से इन सड़कों की मांग की थी। बरसात के दिनों में कीचड़ और आवागमन की समस्या से परेशान ग्रामीणों को अब राहत मिलेगी। सड़क निर्माण से गांव के भीतर आवागमन सुगम होने के साथ-साथ मंदिर और आवासीय क्षेत्र तक पहुंच भी आसान होगी। लोकार्पण के दौरान ग्रामीणों में विशेष उत्साह देखने को मिला।

विधायक निधि से बोर खनन और वाटर कूलर की सौगात-ग्रामवासियों की पेयजल समस्या को ध्यान में रखते हुए विधायक निधि से 2.94 लाख रुपए की लागत से बोर खनन कार्य की सौगात दी गई। इसके साथ ही ग्रामीणों को स्वच्छ एवं ठंडा पेयजल उपलब्ध कराने के उद्देश्य से 2 लाख रुपए की लागत से वाटर कूलर की सुविधा भी प्रदान की गई।ग्रामीणों ने कहा कि गर्मी के मौसम में पेयजल की समस्या काफी बढ़ जाती थी, लेकिन अब इन सुविधाओं से गांववासियों को बड़ी राहत मिलेगी। विधायक द्वारा किए गए इन कार्यों को ग्रामीणों ने जनहित में महत्वपूर्ण पहल बताया।

मंच निर्माण कार्य का हुआ भूमिपूजन-कार्यक्रम के दौरान विधायक दीपेश साहू ने ग्राम में 5 लाख रुपए की लागत से प्रस्तावित मंच निर्माण कार्य का विधिवत भूमिपूजन भी किया। यह मंच भविष्य में सामाजिक, सांस्कृतिक एवं शासकीय कार्यक्रमों के आयोजन का प्रमुख केंद्र बनेगा। ग्रामीणों ने मंच निर्माण को गांव के विकास और सामाजिक गतिविधियों के लिए आवश्यक सुविधा बताया।

÷विकास की रोशनी अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाना हमारी प्राथमिकता÷ — विधायक दीपेश साहू-अपने संबोधन में विधायक दीपेश साहू ने कहा कि सुशासन तिहार केवल एक सरकारी आयोजन नहीं, बल्कि शासन और जनता के बीच विश्वास और संवाद का मजबूत माध्यम है। उन्होंने कहा कि सरकार की प्राथमिकता गांव-गांव तक विकास पहुंचाने की है, ताकि अंतिम व्यक्ति भी योजनाओं का लाभ प्राप्त कर सके। उन्होंने कहा आज जिन कार्यों का लोकार्पण और भूमिपूजन हुआ है, वे केवल निर्माण कार्य नहीं हैं, बल्कि गांव के उज्ज्वल भविष्य की मजबूत नींव हैं। सड़क, पानी और मूलभूत सुविधाएं किसी भी गांव के विकास की आधारशिला होती हैं। हमारी सरकार लगातार इस दिशा में कार्य कर रही है कि हर गांव आत्मनिर्भर और सुविधायुक्त बने। उन्होंने आगे कहा कि आने वाले समय में भी क्षेत्र के विकास के लिए लगातार कार्य किए जाएंगे तथा ग्रामीणों की आवश्यकताओं के अनुरूप योजनाएं संचालित की जाएंगी। विधायक ने ग्रामवासियों से शासन की योजनाओं का अधिक से अधिक लाभ उठाने और विकास कार्यों में सहभागी बनने का आह्वान भी किया। कार्यक्रम में भाजपा संगठन के कई पदाधिकारी एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। कार्यक्रम के अंत में सरपंच श्री राधे साहू, उपसरपंच श्री रिखीराम साहू, पंचगण एवं ग्रामवासियों द्वारा अतिथियों का आभार व्यक्त किया गया। पूरे कार्यक्रम के दौरान ग्रामीणों में उत्साह और विकास कार्यों को लेकर सकारात्मक माहौल देखने को मिला।

संक्षिप्त समाचार

कांगो और युगांडा में इबोला वायरस का कहर, डब्ल्यूएचओ ने वैश्विक स्वास्थ्य आपातकाल किया घोषित

अबूजा, एजेंसी। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के महानिदेशक टेड्रोस

अधानोम घेब्रेयसस ने कांगो और युगांडा में इबोला के प्रकोप को अंतरराष्ट्रीय चिंता का सार्वजनिक स्वास्थ्य आपातकाल घोषित किया है। यह घोषणा रविवार, 17 मई 2026 को 300 से अधिक संदिग्ध मामलों और 88 मौतों के बाद की गई। डब्ल्यूएचओ ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में बताया कि यह प्रकोप बुंडिबुग्यो वायरस के कारण हुआ है। संगठन ने स्पष्ट किया कि यह स्थिति कोविड-19 महामारी जैसी नहीं है। यह प्रकोप महामारी आपातकाल के मानदंडों को पूरा नहीं करता है। डब्ल्यूएचओ ने अंतरराष्ट्रीय सीमाओं को बंद न करने की सलाह दी है। इसका उद्देश्य अनावश्यक यात्रा और व्यापार प्रतिबंधों से बचना है। संगठन ने प्रभावित देशों को सहायता प्रदान करने का आश्वासन दिया है। इबोला एक गंभीर और अक्सर घातक बीमारी है। यह वायरस संक्रमित जानवरों से मनुष्यों में फैलता है। इसके लक्षणों में बुखार, उल्टी और आंतरिक रक्तस्राव शामिल हैं। डब्ल्यूएचओ ने संक्रमण को रोकने के लिए सख्त उपायों की सिफारिश की है। इसमें स्वच्छता और संक्रमित व्यक्तियों से दूरी बनाए रखना शामिल है।

राष्ट्रपति चुनाव से पहले कोलंबिया में हिंसा, पूर्व मेयर और उनके सहयोगी की गोली मारकर हत्या

बोगोटा, एजेंसी। कोलंबिया के मध्य इलाके में एक पूर्व मेयर की गोली मारकर हत्या कर दी गई है। स्थानीय अधिकारियों ने शनिवार को इस घटना की जानकारी दी। इस हमले में पूर्व

मेयर रोजर्स डेविया के साथ उनके एक सहायक एडर कार्डोना की भी मौत हो गई। डेविया राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार अबेलार्डो डी ला एस्प्रिएला के करीबी सहयोगी थे। एस्प्रिएला नेशनल साल्वेशन मूवमेंट पार्टी से चुनाव लड़ रहे हैं। यह हमला कुबरल के ग्रामीण क्षेत्र में हुआ। रोजर्स डेविया ने साल 2020 से 2023 के बीच इस शहर के मेयर के रूप में शासन किया था। कुबरल शहर राजधानी बोगोटा से लगभग 170 किलोमीटर दक्षिण में स्थित है। मेटा विभाग के लोकपाल कार्यालय ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर इस हमले की जानकारी साझा की। यह क्षेत्र वर्तमान में तीन सशस्त्र समूहों के बीच संघर्ष का केंद्र बना हुआ है। इनमें से दो समूहों को अमेरिकी सरकार ने आतंकवादी संगठन माना है। तीसरा समूह पूर्व विद्रोही संगठन 'फार्क' से अलग होकर बना एक गुट है। लोकपाल कार्यालय का कहना है कि इस तरह की हिंसा से 31 मई को होने वाले राष्ट्रपति चुनाव में लोगों के राजनीतिक अधिकारों और लोकतांत्रिक भागीदारी पर बुरा असर पड़ सकता है। आगामी राष्ट्रपति चुनाव में कम से कम छह उम्मीदवार हिस्सा ले रहे हैं। इनमें दो सदस्य छोटी वामपंथी पार्टियों से हैं। चुनाव के नियमों के अनुसार, यदि किसी भी उम्मीदवार को कुल वोटों का 50 प्रतिशत हिस्सा नहीं मिलता है, तो जून में शीर्ष दो उम्मीदवारों के बीच दोबारा मतदान कराया जाएगा। कोलंबिया के गृह मंत्री अरमांडो बेनेडेटी ने सोशल मीडिया पर कहा कि जांच अधिकारी अभी तक यह नहीं जान पाए हैं कि डेविया पर हमला क्यों किया गया। वालेसिया के एक कर्मचारी पर होने वाले हमले को नाकाम किया था। फिलहाल पुलिस मामले की गहराई से जांच कर रही है।

तकनीक, शिक्षा, सेहत और खनिज: नीदरलैंड दौरे पर पीएम मोदी की मौजूदगी में 17 बड़े फैसले; सेमीकंडक्टर पर भी साझेदारी

एम्सटर्डम, एजेंसी। भारत और नीदरलैंड के रिश्तों में नया अध्याय जुड़ गया है। प्रधानमंत्री मोदी के नीदरलैंड दौरे के दौरान दोनों देशों के बीच 17 बड़े समझौते और साझेदारियां हुईं। इन समझौतों का असर सिर्फ व्यापार तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि तकनीक, शिक्षा, ऊर्जा, खेती, सेहत, डेयरी, जल प्रबंधन और सांस्कृतिक विरासत जैसे क्षेत्रों में भी बड़ा बदलाव देखने को मिलेगा। दोनों देशों ने साफ कहा कि ये फैसले आने वाले समय में विकास, रोजगार, निवेश और वैश्विक सहयोग को नई दिशा देंगे।

भारत और नीदरलैंड ने 2026-2030 रणनीतिक साझेदारी रोडमैप तैयार किया है। इसका मकसद दोनों देशों के बीच निवेश, व्यापार, तकनीक और सुरक्षा सहयोग को मजबूत करना है। इससे भारत को नई तकनीक, रोजगार और वैश्विक बाजार तक पहुंच मिलेगी। रक्षा, साइबर सुरक्षा और सप्लाई चेन पर भी दोनों देश मिलकर काम करेंगे। नीदरलैंड ने चोल काल की ऐतिहासिक तांबे की पट्टिकाएं भारत लौटाने पर सहमति दी। इससे भारतीय इतिहास और संस्कृति को नई पहचान मिलेगी। रिसर्च और संग्रहालयों को भी फायदा होगा। भारत और नीदरलैंड के बीच वीजा प्रक्रिया आसान बनाने पर सहमति बनी। इससे भारतीय छात्रों, प्रोफेशनल्स और कामगारों को पढ़ाई और

नौकरी के बेहतर अवसर मिलेंगे। इंटर्नशिप और लंबी अवधि के वीजा में भी सहूलियत मिलेगी।

दोनों देशों के विश्वविद्यालय अब संयुक्त रिसर्च और डिग्री कार्यक्रम चला सकेंगे। भारतीय छात्रों और शिक्षकों को डच यूनिवर्सिटी में पढ़ाई और रिसर्च के नए मौके मिलेंगे।

नीति आयोग और नीदरलैंड के बीच ऊर्जा परियोजनाएं...

ऊर्जा सुरक्षा, हरित ऊर्जा और नई तकनीक पर संयुक्त परियोजनाएं चलाई जाएंगी। इससे निवेश और उद्योगों को फायदा मिलेगा। किसानों, डेयरी और स्वास्थ्य क्षेत्र में क्या बदलेगा?

कल्पसर परियोजना में तकनीकी सहयोग...: गुजरात की बड़ी जल परियोजना में नीदरलैंड तकनीकी मदद देगा। इससे पेयजल, सिंचाई और उद्योगों के लिए पानी की उपलब्धता बढ़ सकती है।

फ्लावर सेंटर ऑफ एक्सीलेंस, त्रिपुरा...: फूलों की खेती को आधुनिक तकनीक मिलेगी। इससे किसानों की आय बढ़ेगी और निर्यात को बढ़ावा मिलेगा।

बंगलूरू में इंडो-डच डेयरी सेंटर..: डेयरी किसानों और पशुपालन क्षेत्र को नई तकनीक और प्रशिक्षण मिलेगा। इससे दूध उत्पादन और गुणवत्ता सुधरेगी।

पशुपालन और डेयरी सहयोग...: भारतीय पशुपालन क्षेत्र को बेहतर स्वास्थ्य व्यवस्था, बीमारी नियंत्रण और स्किल ट्रेनिंग का लाभ मिलेगा।

स्वास्थ्य क्षेत्र में सहयोग...: सार्वजनिक स्वास्थ्य, मेडिकल रिसर्च और वैज्ञानिक जानकारी साझा करने पर जोर दिया गया। भविष्य की स्वास्थ्य चुनौतियों से निपटने में यह सहयोग मदद करेगा। सुरक्षित और पारदर्शी बनाने के लिए यह समझौता हुआ। इससे कारोबारियों को राहत मिलेगी। दोनों देशों ने निवेश, हरित विकास, खाद्य सुरक्षा, जल प्रबंधन और सार्वजनिक स्वास्थ्य जैसे क्षेत्रों में दीर्घकालिक साझेदारी बढ़ाने पर सहमति दी। तराई-मधेस क्षेत्र में लोगों का गुस्सा क्यों भड़क रहा था? इस नए नियम के लागू होने के बाद नेपाल-भारत सीमा पर तराई-मधेस क्षेत्र की चौकियों पर बहुत कड़ी जांच शुरू हो गई थी। सीमा शुल्क वसूलने के इस अनिवार्य नियम के कारण सशस्त्र पुलिस बल (एपीएफ) ने आम लोगों की सघन तलाशी लेनी शुरू कर दी थी। पहले आम नागरिकों को छोटी-मोटी रोजमर्रा की खरीदारी और घरेलू सामानों पर अनौपचारिक रूप से सीमा शुल्क में छूट मिल जाती थी।

ब्रिटेन का संग्रहालय जैन समुदाय को लौटाएगा 2000 दुर्लभ पांडुलिपियां

वॉशिंगटन, एजेंसी। ब्रिटेन से भारत और जैन समुदाय के लिए एक बहुत ही ऐतिहासिक और गौरवपूर्ण खबर सामने आई है। लंदन के प्रमुख संग्रहालयों में शुमार वेलकम कलेक्शन ने एक सदी से भी अधिक समय से अपने पास रखी जैन धर्म की 2,000 से ज्यादा दुर्लभ पांडुलिपियों को वापस लौटाने का एक बड़ा फैसला लिया है।

यह ऐतिहासिक फैसला इंस्टीट्यूट ऑफ जैनोलॉजी के साथ लंबे संवाद और आपसी सहयोग के बाद लिया गया है। यह दक्षिण एशिया के बाहर मौजूद जैन पांडुलिपियों का सबसे बड़ा संग्रह माना जाता है। इस बड़े कदम से जैन समुदाय को अपनी पुरानी और मूल्यवान धरोहर वापस मिल रही है।

क्या है इन दुर्लभ पांडुलिपियों का इतिहास और महत्व?

लंदन से वापस लौटाई जा रही इन 2000 पांडुलिपियों का इतिहास 15वीं शताब्दी से लेकर 19वीं शताब्दी तक फैला हुआ है। इस विशाल संग्रह में धर्म, साहित्य, चिकित्सा और संस्कृति से जुड़ी कई दुर्लभ सामग्री शामिल है। ये सभी महत्वपूर्ण ग्रंथ प्राकृत, संस्कृत, गुजराती, राजस्थानी और प्रारंभिक हिंदी जैसी प्राचीन लिपियों में सुरक्षित रखे गए हैं। महात्मा गांधी और स्वतंत्रता आंदोलन से इसका क्या संबंध है? इस खास संग्रह में भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन के नैतिक सिद्धांतों का एक बहुत ही प्रारंभिक और प्रभावशाली उदाहरण भी मौजूद है। यह वही सिद्धांत हैं जिनसे महात्मा गांधी ने प्रेरणा ली थी और बाद में उन्होंने इसे लोकप्रिय बनाया था। इस पुराने दस्तावेज में भारत में ब्रिटिश शासन की बुनियाद की बहुत ही तीखी आलोचना की गई है। इन हजारों दस्तावेजों के बीच साल 1688 की एक बहुत ही पतली,

नाजुक और जर्जर कागजी पांडुलिपि भी संग्रह में मिली है। इस पांडुलिपि को प्रारंभिक हिंदी के सबसे पहले चिकित्सा ग्रंथ 'वैद्य मनोत्सव' (1592) की सबसे पुरानी सुरक्षित प्रति माना जाता है। यह चिकित्सा के इतिहास के लिहाज से एक बहुत ही अहम दस्तावेज है। इस ऐतिहासिक वापसी को लेकर कई अहम कदम उठाए गए हैं। इस सप्ताह वेलकम ट्रस्ट, इंस्टीट्यूट ऑफ जैनोलॉजी और बर्मिंघम विश्वविद्यालय के बीच एक महत्वपूर्ण समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए गए हैं। इस विशाल संग्रह को प्रारंभिक रूप से बर्मिंघम विश्वविद्यालय में स्थित 'धर्मनाथ नेटवर्क इन जैन स्टडीज' के पास सुरक्षित रखा जाएगा। यहां शोधकर्ताओं और जैन समुदाय के लोगों को इन प्राचीन पांडुलिपियों का गहराई से अध्ययन करने की पूरी सुविधा मिलेगी। इन ऐतिहासिक ग्रंथों की व्याख्या की जाएगी और लोगों के समझने के लिए इनका आसान भाषा में अनुवाद भी किया जाएगा। इन दुर्लभ और पवित्र पांडुलिपियों की वापसी से जैन समुदाय में काफी खुशी है। इंस्टीट्यूट ऑफ जैनोलॉजी के प्रबंध न्यासी मेहुल संघराजका ने इस कदम का खुले दिल से स्वागत किया है। इस साहसिक निर्णय को बेहद ऐतिहासिक बताया है। मेहुल संघराजका का मानना है कि 2,000 पवित्र ग्रंथों को लौटाने का यह कदम केवल जैन समुदाय के लिए ही नहीं, बल्कि दुनिया के अन्य सभी धार्मिक समुदायों के लिए भी एक बहुत बड़ा आदर्श है।

होर्मुज में जहाजों पर हमले और आवाजाही बाधित करना अस्वीकार्य, संयुक्त राष्ट्र में भारत की खरी-खरी

न्यूयॉर्क, एजेंसी। संयुक्त राष्ट्र में भारत के स्थायी प्रतिनिधि पी. हरीश ने पश्चिम एशिया संघर्ष के बीच ऊर्जा और उर्वरक संकट पर भारत का दृष्टिकोण रखा। उन्होंने होर्मुज जलडमरूमध्य में समुद्री सुरक्षा और आवाजाही की स्वतंत्रता में बाधाओं पर चिंता जताई। हरीश ने वाणिज्यिक जहाजों को निशाना बनाने और नागरिक चालक दल को खतरे में डालने को अस्वीकार्य बताया। साथ ही भारत ने जोर देकर कहा कि सुरक्षित समुद्री मार्गों से जुड़े अंतरराष्ट्रीय कानूनों का पूरी तरह पालन होना चाहिए।

बता दें कि, पी. हरीश ने संयुक्त राष्ट्र आर्थिक और सामाजिक परिषद की विशेष बैठक में भाग लिया। इस बैठक का उद्देश्य ऊर्जा और आपूर्ति प्रवाह की सुरक्षा सुनिश्चित करना था। उन्होंने कहा कि संकट से प्रभावी ढंग से निपटने के लिए अल्पकालिक और संरचनात्मक उपाय आवश्यक हैं। अंतरराष्ट्रीय सहयोग भी इसमें महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। हरीश ने 'एक्स' पर लिखा कि अंतरराष्ट्रीय कानून का पूरी तरह सम्मान किया जाना चाहिए।

ईरान का नया समुद्री तंत्र: ईरान ने होर्मुज जलडमरूमध्य में समुद्री यातायात को विनियमित करने के लिए एक पेशेवर तंत्र की घोषणा की है। ईरानी संसद के एनएससी प्रमुख इब्राहिम अजीजी ने 'एक्स' पर बताया कि यह तंत्र जल्द ही अनावरण होगा। इसे ईरान की राष्ट्रीय संप्रभुता के तहत विकसित किया गया है, जिसका उद्देश्य अंतरराष्ट्रीय व्यापार की सुरक्षा सुनिश्चित करना है। इस तंत्र से केवल ईरान के साथ सहयोग करने वाले वाणिज्यिक जहाजों को लाभ मिलेगा। यह मार्ग 'स्वतंत्रता परियोजना' से जुड़े ऑपरेटरों के लिए बंद रहेगा। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने चेतावनी दी कि यदि पश्चिम एशिया संकट को समाप्त करने के लिए शांति समझौता नहीं हुआ तो बहुत बुरा समय आएगा। इस बीच, ईरानी विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने कहा कि अमेरिका पश्चिम एशिया में शांति का प्राथमिक अवरोधक है। अराघची ने दावा किया कि 40 दिनों के युद्ध के बाद अमेरिका ने बातचीत का प्रस्ताव दिया। उन्होंने कहा कि तेहरान में

इस कदम पर गहरा संदेह है। अराघची ने अमेरिकियों पर अविश्वास व्यक्त किया और इसे किसी भी कूटनीतिक प्रयास में मुख्य बाधा बताया। ओमान तट पर भारतीय जहाज पर हमला दरअसल, कुछ दिन पहले ओमान तट के पास भारत के झंडे वाले एक व्यापारिक जहाज पर हमला हुआ था। यह जहाज सोमालिया से रवाना हुआ था। ओमान की अधिकारियों ने जहाज पर मौजूद सभी 14 क्रू मेंबर्स को सुरक्षित बचा लिया, लेकिन हमला किसने किया, इसकी अभी पुष्टि नहीं हो पाई। होर्मुज जलडमरूमध्य दुनिया के सबसे अहम समुद्री मार्गों में से एक है। यह ओमान के पास स्थित एक संकरा समुद्री रास्ता है, जहां से दुनिया की करीब 20 प्रतिशत ऊर्जा सप्लाई गुजरती है। ऐसे में यहां किसी भी तरह का तनाव पूरी दुनिया के तेल और गैस बाजार पर असर डाल सकता है। पश्चिम एशिया में 28 फरवरी से हालात लगातार तनावपूर्ण बने हुए हैं।

इराक में अली अल-जैदी सरकार: यूएस-ईयू से लेकर ईरान-तुर्किये में कैसा माहौल

तेहरान, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इराक के नए प्रधानमंत्री अली फलिह काजिम अल-जैदी को पद संभालने पर बधाई दी है। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि भारत और इराक के बीच लंबे समय से मजबूत और दोस्ताना संबंध रहे हैं और भारत इन रिश्तों को हर क्षेत्र में और मजबूत बनाने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि वह दोनों देशों की साझा तरक्की और समृद्धि के लिए नए इराकी प्रधानमंत्री के साथ मिलकर काम करने को उत्सुक हैं।

बनने पर हार्दिक शुभकामनाएं। भारत इराक के साथ अपने पुराने और मजबूत संबंधों को बहुत महत्व देता है। उन्होंने उम्मीद जताई कि दोनों देशों के बीच व्यापार, ऊर्जा, निवेश और कूटनीतिक सहयोग आने वाले समय में और मजबूत होगा। सीरिया के लिए विशेष दूत टॉम बैरक ने भी इराक के नए प्रधानमंत्री को बधाई दी। उन्होंने कहा कि अमेरिका इराक में नए नेतृत्व का स्वागत करता है और दोनों देशों के साझा हितों पर मिलकर काम करना चाहता है। अमेरिका चाहता है कि इराक एक मजबूत, स्थिर और समृद्ध देश बने, जो अपने पड़ोसी देशों के साथ शांति बनाए रखे और अपने नागरिकों को बेहतर अवसर दे। टॉम बैरक ने यह भी कहा कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप, विदेश मंत्री मार्को रुबियो और अमेरिका की सरकार इराक के साथ आतंकवाद खत्म करने और आर्थिक विकास बढ़ाने के लिए मिलकर काम करने को तैयार हैं। इराकी संसद ने 14 मई को अली अल-जैदी की सरकार को मंजूरी दी थी। प्रधानमंत्री बनने के बाद उन्होंने बड़ा बयान देते हुए कहा कि देश में हथियारों पर सिर्फ सरकार का अधिकार होना चाहिए। यह बयान ऐसे समय आया है जब अमेरिका लगातार इराक पर दबाव बना रहा है कि वह ईरान समर्थित हथियारबंद गुटों को कमजोर करे और उन्हें निरस्त्र करे। संयुक्त राष्ट्र ने भी नई सरकार के गठन का स्वागत किया है। संयुक्त राष्ट्र महासचिव ने कहा कि यूएन इराक के लोगों के आर्थिक और सामाजिक विकास में सहयोग जारी रखेगा।

ईरान पर फिर हमले की तैयारी कर रहा अमेरिका? ट्रंप के पोस्ट से पश्चिम एशिया में बढ़ा तनाव

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने पश्चिम एशिया में व्याप्त तनाव के बीच एक ऐसा पोस्ट किया है, जिसने पूरी दुनिया की चिंता बढ़ा दी है। ट्रंप ने सोशल मीडिया पर एक एआई से बनाई गई तस्वीर साझा की, जिसमें वह 'मेक अमेरिका ग्रेट अगेन' कैप पहनकर अमेरिकी नौसेना के एक एडमिरल के साथ युद्धपोत पर खड़े दिखाई दे रहे हैं। तस्वीर में समुद्र में तूफानी मौसम और पीछे ईरानी जहाज भी नजर आ रहे हैं। इसके साथ ट्रंप ने लिखा, 'यह तूफान से पहले की शांति थी'। ट्रंप के इस संदेश को सीधे तौर पर ईरान के लिए चेतावनी माना जा रहा है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, ट्रंप प्रशासन ईरान के खिलाफ फिर से हवाई हमले शुरू करने के विकल्प पर चर्चा कर रहा है। बताया जा रहा है कि अगर कूटनीतिक बातचीत सफल नहीं होती, तो अमेरिका सैन्य कार्रवाई का रास्ता अपना सकता है। वहीं, एक अमेरिकी अखबार की रिपोर्ट में दावा किया गया है कि ट्रंप अपनी ईरान नीति को लेकर बड़ा फैसला लेने की तैयारी में हैं। व्हाइट हाउस के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ संभावित सैन्य योजनाओं पर चर्चा चल रही है। इससे पहले भी ट्रंप ईरान को चेतावनी दे चुके हैं कि अगर जल्द कोई शांति समझौता नहीं हुआ, तो ईरान के लिए 'बहुत बुरा समय' आ सकता है। दूसरी तरफ ईरान भी अपने रुख पर कायम नजर आ रहा है। ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने कहा कि अमेरिका की ओर से बातचीत शुरू करने के संकेत मिले हैं, लेकिन तेहरान को अभी भी वॉशिंगटन की नीयत पर भरोसा नहीं है। वहीं ईरानी संसद के स्पीकर मोहम्मद बाघेर गालिबाफ ने कहा कि ईरान की 14

सूत्रीय शांति योजना के अलावा कोई भी प्रस्ताव बेनतीजा साबित होगा। पश्चिम एशिया में तनाव का सबसे बड़ा केंद्र फिलहाल होर्मुज जलडमरूमध्य बना हुआ है। यह दुनिया के सबसे महत्वपूर्ण समुद्री व्यापार मार्गों में से एक है, जहां से लगभग 20 प्रतिशत वैश्विक तेल सप्लाई गुजरती है। ईरान ने यहां शिपिंग कंट्रोल के लिए नया प्रस्ताव भी दिया है। ईरानी अधिकारियों का कहना है कि कुछ समुद्री रास्तों को सीमित किया जा सकता है, जबकि ईरान के साथ सहयोग करने वाले व्यावसायिक जहाजों को नियंत्रित तरीके से गुजरने की अनुमति दी जाएगी। हालांकि पिछले महीने युद्धविराम की घोषणा हुई थी, लेकिन हालात अभी भी बेहद नाजुक बने हुए हैं। अमेरिका ने खाड़ी क्षेत्र में अपनी नौसैनिक मौजूदगी मजबूत कर रखी है। ऐसे में ट्रंप के नए बयान और सैन्य कार्रवाई की अटकलों ने पश्चिम एशिया में एक बड़े टकराव की आशंका को फिर बढ़ा दिया है।

मालदीव में इटली के पांच गोताखोरों की मौत, दो दिन बाद भी एक ही शव हो सका बरामद

रोम, एजेंसी। मालदीव में एक गुफा के अंदर स्कूबा डाइविंग के दौरान इटली के पांच गोताखोरों की मौत के बाद शुक्रवार को भी खोज अभियान जारी रहा। इस अभियान में इटली के एक विशेषज्ञ भी पुलिस गोताखोरों और बचाव नौकाओं के समूह में शामिल हुआ।

इटली के पांच नागरिकों की मौत गुरुवार को हुई थी, इसके बाद से ही बचाव अभियान और जांच तेज हो गई है। इटली के विदेश मंत्रालय के अनुसार, ये पांचों गोताखोर कथित तौर पर गुरुवार को 50 मीटर (164 फीट) की गहराई पर गुफाओं का पता लगाने की कोशिश कर रहे थे, जब यह दुर्घटना हुई। उनकी मौत के सटीक कारणों और परिस्थितियों की अभी जांच की जा रही है।

मालदीव के अधिकारियों ने गुरुवार को घटना के बाद एक बड़े पैमाने पर बचाव अभियान शुरू किया था। इसमें नावें, विमान और गोताखोर दल शामिल थे। मालदीव राष्ट्रीय रक्षा बल के अनुसार, एक गोताखोर का शव एक गहरे पानी के नीचे की गुफा में मिला था, जिसे लगभग 60 मीटर (200 फीट) की गहराई से निकाला गया।

शेष चार गोताखोरों के उसी गुफा में फंसे होने की आशंका है। अधिकारियों ने इसे एक खतरनाक और उच्च जोखिम वाला अभियान

बताते हुए अतिरिक्त टीमों और विशेष उपकरणों को भेजा है। हालांकि, खराब मौसम की स्थिति के कारण शवों को निकालने के प्रयासों में देरी हो सकती है।

इटली का विदेश मंत्रालय शवों की बरामदगी के बारे में अधिक जानकारी नहीं दे सका है। मंत्रालय ने बताया कि इटली के एक विशेषज्ञ शुक्रवार को तटरक्षक बल और मालदीव के जहाजों की सहायता कर रहे थे। अधिकारियों ने वावु एटोल में पानी के नीचे की गुफा तक पहुंचने के लिए गोता लगाने की योजना बनाई थी। इटली के कोलंबो में राजदूत, जो मालदीव के साथ संबंधों की देखरेख करते हैं, राजधानी माले में तटरक्षक अधिकारियों से मिलने के लिए पहुंचे हैं। इतालवी दूतावास पीड़ितों के परिवारों के संपर्क में है और उन्हें सहायता प्रदान कर रहा है।

कैसे हुआ था हादसा?

शुरुआती रिपोर्टों के अनुसार, इटली के गोताखोरों का यह समूह गुरुवार की सुबह अलीमथा के पास गोताखोरी कर रहा था। दोपहर तक सतह पर वापस न आने पर उन्हें लापता घोषित कर दिया गया था। उस समय मौसम की स्थिति को प्रतिकूल बताया गया था और मौसम के लिए यलो अलर्ट भी जारी किया गया था।

इस्राइल का हमास के शीर्ष सैन्य कमांडर को मार गिराने का दावा, 6 अक्तूबर 2023 के हमले का था मास्टरमाइंड

यरुशलम, एजेंसी। इस्राइल ने दावा किया है कि उसकी सेना ने शुक्रवार को गाजा सिटी में किए गए एक हवाई हमले में हमास की सैन्य शाखा के प्रमुख नेताओं में शामिल इज्ज अल-दीन अल-हद्दाद को मार गिराया। इस्राइल के मुताबिक हद्दाद 7 अक्तूबर 2023 को इस्राइल पर हुए हमास हमलों की योजना और उसे अंजाम देने वाले प्रमुख रणनीतिकारों में से एक था। इस्राइल ने गाजा पट्टी में एक बहुत बड़ा हवाई हमला किया। इस बार इस्राइल के निशाने पर सीधे तौर पर हमास का सबसे बड़ा सैन्य कमांडर था। अब उसकी मौत का खबर साने आ रही है। बताया गया कि उसने यह जिम्मेदारी अपने पूर्ववर्ती मो. सिनवार की मौत के बाद संभाली थी। मोहम्मद सिनवार भी इस्राइल कार्रवाई में मारा गया था। आज हद्दाद के परिवार ने एसोसिएटेड प्रेस को उसकी मौत की पुष्टि की। इस्राइल इसे अपनी सैन्य कार्रवाई की बड़ी सफलता मान रहा है, जबकि क्षेत्र में तनाव लगातार बना हुआ है। हद्दाद की मौत ऐसे समय में हुई है जब इस्राइल और हमास के बीच संघर्षविराम बेहद नाजुक स्थिति में है। हमास के निरस्त्रीकरण समेत कई अहम मुद्दों पर दोनों पक्षों के बीच सहमति नहीं बन पाई है, जिसके कारण युद्धविराम समझौते की प्रगति धीमी पड़ गई है।

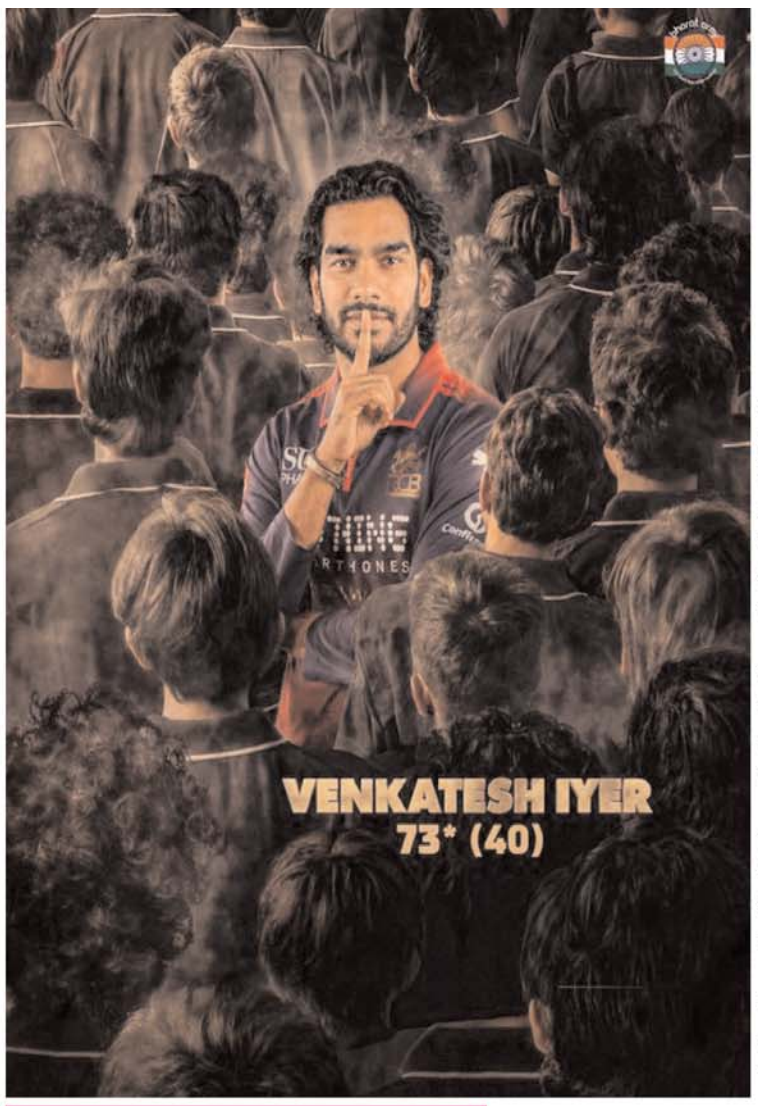

आरसीबी ने प्लेऑफ के लिए किया क्वालिफाई, पंजाब को 23 रनों से हराया

धर्मशाला। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने आईपीएल में रविवार के पहले मैच में पंजाब किंग्स को 23 रन से हरा दिया। धर्मशाला में बेंगलुरु ने टॉस हारकर पहले बैटिंग करते हुए 20 ओवर में 4 विकेट के नुकसान पर 222 रन बनाए। जवाब में पंजाब 8 विकेट खोकर 199 रन ही बना सकी।

इस जीत के साथ बेंगलुरु के 18 पॉइंट्स हो गए और टीम इस सीजन में प्लेऑफ में पहुंचने वाली पहली टीम बन गई। वहीं, पंजाब की यह लगातार छठी हार रही।

गेंदबाजी में रसिख सलाम ने 3 विकेट झटके। जबकि भुवनेश्वर कुमार ने शुरुआती दो विकेट झटके। जोश हेडलवुड, सुयश शर्मा और रोमारियो शफर्ड को 1-1 विकेट मिला।

पंजाब के लिए हरप्रीत बरार ने 4 ओवर में 35 रन देकर 2 विकेट लिए। युजवेंद्र चहल और अर्शदीप सिंह को 1-1 विकेट मिला। इस मैच में रजत पाटीदार की जगह जितेश शर्मा बेंगलुरु की कप्तानी कर रहे हैं। पाटीदार चोट के कारण यह मैच नहीं खेल रहे हैं। बल्लेबाजों के बाद गेंदबाजों के दमदार प्रदर्शन से आरसीबी ने पंजाब किंग्स को 23 रनों से हराया। इसके साथ ही आरसीबी प्लेऑफ के लिए क्वालिफाई करने वाली पहली टीम बन गई है। आरसीबी ने 20 ओवर में चार विकेट पर 222 रन बनाए। जवाब में पंजाब किंग्स 20 ओवर में आठ विकेट पर 199 रन ही बना सकी। पंजाब किंग्स की यह लगातार छठी हार है और उसके लिए अब प्लेऑफ की राह मुश्किल हो गई है।

पंजाब के लिए मार्कस स्टोइनिस और शशांक सिंह ने साझेदारी कर टीम को जीत के करीब पहुंचाया, लेकिन वह इसमें सफल नहीं हुए। पंजाब के लिए शशांक सिंह ने 56 रन, स्टोइनिस ने 37 और सूर्यांश शेडगे ने 35 रन बनाए। इसके अलावा अन्य कोई बल्लेबाज बड़ी पारी नहीं खेल सका। आरसीबी के लिए रासिख सलाम डार ने तीन विकेट झटके, जबकि भुवनेश्वर कुमार को दो विकेट मिले। जोश हेजलवुड, सुयश शर्मा और रोमारियो शेफर्ड को एक-एक विकेट मिला।

शशांक का अर्धशतक काम नहीं आया

पंजाब की शुरुआत बेहद खराब रही और उसने 19 रन तक 3 विकेट गंवा दिए। बाद में कूपर कोनोली, मार्कस स्टोयनिस और शशांक सिंह ने संघर्ष जरूर किया, लेकिन टीम टारगेट से 23 रन दूर रह गई। शशांक ने 27 गेंदों पर 56 रन की तेज पारी खेली।

कोहली-वेंकटेश के अर्धशतक

इससे पहले, बेंगलुरु के लिए विराट कोहली ने 37 गेंदों में 58 रन की पारी खेली, जबकि देवदत्त पडिक्कल ने 25 गेंदों पर 45 रन बनाकर तेज शुरुआत दिलाई। आखिर में वेंकटेश अय्यर ने नाबाद 73 रन बनाए, वहीं टिम डेविड ने 12 गेंदों पर 28 रन बनाकर टीम को 220 के पार पहुंचाया।

ब्रीफ न्यूज़

भारतीय महिला हॉकी टीम 26 मई से पर्थ में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ चार मैच खेलेगी

भारतीय महिला हॉकी टीम की कप्तान सलीमा टेटे ने कहा है कि महिला टीम आगामी ऑस्ट्रेलिया दौरे से पहले बंगलूरू स्थि?त भारतीय खेल प्राधिकरण में तैयारियों पर कोई कोर कसर नहीं छोड़ेगी। भारतीय टीम 26 से 30 मई के बीच पर्थ हॉकी स्टेडियम में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ चार मैच खेलेगी। यह न्यूजीलैंड के ऑकलैंड में होने वाले आगामी एफआईएच महिला हॉकी नेशंस कप के लिए एक महत्वपूर्ण चरण है।

आईपीएल में आज सीएसके को हराकर प्लेऑफ में पहुंचे उतेगी सनराइजर्स

शाम 7: 30 से होगा मुकाबला

चेन्नई। चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) की टीम सोमवार को यहां आईपीएल के 63 वे लीग मैच में सनराइजर्स हैदराबाद का मुकाबला करेगी। सीएसके का लक्ष्य अपने घरेलू मैदान में ये मैच बड़े अंतर से जीत कर प्लेऑफ के लिए अपनी उम्मीदें बरकरार रखना रहेगा। उसके लिए हालांकि ये आसन नहीं रहेगा क्योंकि सनराइजर्स हैदराबाद का प्रदर्शन अब तक काफी अच्छा रहा है और वह जीत की प्रबल दावेदार है।

सीएसके अगर ये मैच हारी तो वह प्लेऑफ की दौड़ से बाहर हो जाएगी। दूसरी और सनराइजर्स इस मैच में जीत के साथ ही प्लेऑफ की ओर बढ़ जाएगी। लीग में सीएसके जहां 12 अंक के साथ छठे स्थान पर है। वहीं सनराइजर्स 14 अंक लिए लेकर तीसरी स्थान पर है। ऐसे में उसका मनोबल बढ़ा रहेगा दूसरी ओरे सीएसके पर दबाव रहेगा।

अफगानिस्तान सीरीज के लिए ईशान किशन की हो सकती हैं वापसी

- संजू सैमसन की जगह खतरे में

नई दिल्ली। आईपीएल 2026 के समापन के तुरंत बाद भारतीय क्रिकेट टीम अफगानिस्तान के खिलाफ एक टेस्ट और तीन मैचों की वनडे सीरीज खेलेगी। भारत और अफगानिस्तान के बीच एकमात्र टेस्ट मैच 6 जून से न्यू चंडीगढ़ में शुरू होगा। इसके बाद 14 जून से वनडे सीरीज की शुरुआत होगी। पहला मुकाबला धर्मशाला में खेला जाएगा, दूसरा मैच 17 जून को लखनऊ में और तीसरा मुकाबला 20 जून को चेन्नई में आयोजित किया जाएगा। इस दौरे के लिए टीम चयन को लेकर चर्चाएं तेज हो गई हैं और विकेटकीपर बल्लेबाजों की दौड़ सबसे ज्यादा चर्चा में बनी हुई है।

दिल्ली ने राजस्थान को पांच विकेट से हराया

केएल राहुल-अभिषेक के अर्धशतक, स्टार्क को 4 विकेट

दिल्ल। दिल्ली कैपिटल्स ने रविवार को दूसरे मुकाबले में राजस्थान रॉयल्स को 5 विकेट से हरा दिया। नई दिल्ली के अरुण जेटली स्टेडियम में राजस्थान ने टॉस हारकर पहले बैटिंग करते हुए 20 ओवर में 8 विकेट खोकर 193 रन बनाए। दिल्ली ने 194 रन का टारगेट 19.2 ओवर में 5 विकेट खोकर हासिल कर लिया।

जुरेल-पराग के अर्धशतक

राजस्थान के लिए ध्रुव जुरेल ने सबसे ज्यादा 53 रन बनाए, जबकि कप्तान रियान पराग ने 26 गेंदों में 51 रन की विस्फोटक पारी खेली। युवा बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी ने भी 21 गेंदों पर 46 रन बनाए। राजस्थान ने 14 ओवर तक मजबूत स्थिति बना ली थी, लेकिन डेथ ओवरों में लगातार विकेट गिरने से टीम 200 रन का आंकड़ा नहीं छू सकी। दिल्ली के लिए मिचेल स्टार्क ने 4 विकेट झटके। लुंगी एनगिडी और माधव तिवारी ने 2-2 विकेट लिए।दिल्ली ने राजस्थान को पांच विकेट से हरा दिया। रविवार को खेले गए मुकाबले में राजस्थान रॉयल्स ने 193 रन बनाए। जवाब में दिल्ली ने 197 रन बनाकर मुकाबला अपने नाम कर ली। इस जीत के साथ दिल्ली ने प्लेऑफ की अपनी उम्मीदों को जीवित रखा है।

दिल्ली ने राजस्थान को हराया

मिचेल स्टार्क की अगुवाई में गेंदबाजों के घातक प्रदर्शन के बाद अभिषेक पोरेल और केएल राहुल की अर्धशतकीय पारियों की मदद से दिल्ली कैपिटल्स ने राजस्थान रॉयल्स को पांच विकेट से हरा दिया। रविवार को अरुण जेटली स्टेडियम में खेले गए मुकाबले में टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी राजस्थान ने ध्रुव जुरेल और रियान पराग की अर्धशतकीय पारियों की मदद से 20 ओवर में आठ विकेट पर 193 रन बनाए। जवाब में दिल्ली ने 19.2 ओवर में पांच विकेट पर 197 रन बनाए और मुकाबला अपने नाम कर लिया। आखिर में आशुतोष शर्मा ने उपयोगी पारी खेली। वह पांच गेंदों में 18 रन बनाकर नाबाद रहे। अक्षर पटेल भी 18 गेंदों में 34 रन बनाकर अंत तक क्रीज पर डटे रहे। राजस्थान के लिए जोफ्रा आर्चर और बृजेश शर्मा ने दो-दो विकेट लिए जबकि दसुन शनाका ने एक सफलता अपने नाम की।

दिल्ली को चौथा झटका

दिल्ली को चौथा झटका आर्चर ने दिया। उन्होंने जायसवाल के हाथों स्टब्स के कैच कराया। वह चार रन बनाकर पवेलियन लौटे। अब अक्षर का साथ देने डेविड मिलर आए हैं।

दिल्ली को तीसरा झटका

दिल्ली को तीसरा झटका केएल राहुल के रूप में शनाका ने दिया। उन्होंने विकेटकीपर बल्लेबाज को बोल्ड किया। वह 42 गेंदों में 56 रन बनाकर आउट हुए। अब अक्षर पटेल का साथ देने ट्रिस्टन स्टब्स आए हैं। 15 ओवर के बाद स्कोर तीन विकेट पर 142 रन है।

दिल्ली को दूसरा झटका आर्चर ने दिया। उन्होंने जुरेल के हाथों साहिल परख को कैच कराया। वह सिर्फ नौ रन बना सके।

रोनाल्डो की टीम एशियन चैंपियंस लीग 2 का फाइनल हारी

रियाद। दिग्गज फुटबॉलर क्रिस्टियानो रोनाल्डो की टीम अल नासिर एशियाई चैंपियंस लीग 2 का फाइनल हार गई। जापान के क्लब गाम्बा ओसाका ने उसे 1-0 से हराया। मैच में ज्यादा समय गेंद पर पोजेशन और कई मौके मिलने के बावजूद रोनाल्डो और उनके साथी एक भी गोल नहीं कर सके। दिसंबर 2022 में अल नासिर से जुड़े रोनाल्डो के पास हाफटाइम से पहले बराबरी का सुनहरा मौका था, लेकिन जोआओ फेलिक्स के क्रॉस पर उनका क्लोज-रेंज हेडर गोलपोस्ट के बाहर चला गया।

डेनिज हैमट ने दागा इकलौता गोल

मैच का इकलौता गोल फर्स्ट हाफ में गाम्बा ओसाका के तुर्की फॉरवर्ड डेनिज हैमट ने किया। उन्होंने 30वें मिनट में डी-एरिया के अंदर से लो-शॉट मारकर गेंद नेट के निचले कोने में पहुंचाई। लंबी ड्रक्र जांच के बाद गोल को सही माना गया। हाफटाइम पर चोटिल होकर बाहर हुए मैच विनर हैमट ने कहा, 'मैं गोल करके टीम की मदद करने से बेहद खुश हूँ। दूसरी छमाही में बेंच पर बैठकर मैच देखना काफी तनावपूर्ण था, लेकिन मुझे अपने साथियों पर गर्व है जिन्होंने शानदार डिफेंस किया।

मैनचेस्टर सिटी ने जीता एफए कप फुटबॉल:फाइनल में चेल्सी को 1-0 से हराया

लंदन। '72वां मिनट...एर्लिंग हालांड का सटीक क्रॉस...एंटोनी सेमेन्यो ने तेजी से दौड़ते हुए गेंद को एड़ी से फ्लिक कर दिया। चेल्सी के गोलकीपर रॉबर्ट सांचेज ने चीते जैसी फुर्ती दिखाते हुए हवा में छलांग लगाई, लेकिन गोल नहीं रोक सके।'

सेमेन्यो के इस हैरतअंगेज गोल ने शनिवार को मैनचेस्टर सिटी को एफए कप का नया चैंपियन बना दिया। 155 साल पुराने इस टूर्नामेंट में शायद ही कोई फाइनल इतने शानदार गोल से जीता गया हो। वेम्बली स्टेडियम में सिटी ने चेल्सी को 1-0 से हराया। टीम के पास इस सीजन में 'डोमेस्टिक ट्रेबल' का मौका है। 72वें मिनट में आया 'मैजिक मोमेंट' पहला हाफ गोल रहित रहने के बाद दोनों टीमें लगातार गोल की कोशिश कर रही थीं, लेकिन, गोल के मौके नहीं बन रहे थे। तभी 72वें मिनट में घाना के फॉरवर्ड सेमेन्यो की बूट से गोल आया। यह उनका 10वां गोल है। वे टीम को दो ट्रॉफियां जिताने में मदद कर चुके हैं। गार्डियोला की 35वीं बड़ी ट्रॉफी मैनचेस्टर सिटी के मैनेजर पेप गार्डियोला के लिए यह जीत बड़ा मील का पत्थर है। सिटी के साथ 10 साल में यह उनकी 17वीं बड़ी ट्रॉफी, जबकि करियर की कुल 35वीं बड़ी ट्रॉफी है। सिटी ने आठवीं बार एफए कप जीतकर चेल्सी, लिवरपूल और टॉटेनहम के साथ संयुक्त रूप से तीसरा स्थान हासिल किया।आर्सेनल 14 खिताबों के साथ टॉप पर है।

विमेंस टी-20 वर्ल्डकप के लिए पाकिस्तान टीम घोषित

लाहौर। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने अगले महीने होने वाले विमेंस टी-20 वर्ल्ड कप के लिए 15 सदस्यीय टीम घोषित की है। टीम आयरलैंड में होने वाली ट्राई सीरीज में भी हिस्सा लेगी। ऑलराउंडर फातिमा सना को लगातार दूसरे एडिशन के लिए का कप्तान बनाया गया है। पाकिस्तान 14 जून को बर्मिंघम में भारत के खिलाफ मैच से अभियान शुरू करेगा। इससे पहले टीम 28 मई से 4 जून तक डबलिन में वेस्टइंडीज और आयरलैंड के खिलाफ त्रिकोणीय सीरीज खेलेगी।

पाकिस्तान का स्क्वॉड

फातिमा सना (कप्तान), आलिया रियाज, आयशा जफर, डायना बेग, ऐमन फातिमा, गुल फिरोजा, इरम जावेद, मुनीबा अली (विकेटकीपर), नशरा संधू, नतालिया परवेज, रामीन शमीम, सादिया इकबाल, सायरा जबीन, तस्मिया रुबाब और तुबा हसन टीम में शामिल हैं। रिजर्व खिलाड़ीः अंबर कायनात, मोमिना रियासत, सदफ शम्स, सिदरा अमीन, सैयदा अरूब शाह और उम्मे हानी।

यूक्रेन की एलिना स्वितोलिना ने इटालियन ओपन का महिला सिंगल्स खिताब जीता

इंडोनेशियाई जोड़ी ने 21-12, 25-23 से हराया, इस सीजन एक भी टाइटल नहीं जीते

सात्विक-चिराग की जोड़ी थाईलैंड ओपन का फाइनल हारी

बैंकॉक। सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की भारतीय जोड़ी को थाईलैंड ओपन सुपर 500 बैडमिंटन टूर्नामेंट के फाइनल में हार झेलनी पड़ी। उन्हें रविवार को इंडोनेशिया के लियो रोली कार्नांडो और डेनियल मार्टिन ने 21-12, 25-23 से हराया।

दुनिया की चौथे नंबर की भारतीय जोड़ी सात्विक-चिराग ने मैच में 4 चैंपियनशिप पॉइंट बचाए। हालांकि, 53 मिनट चले मुकाबले को वे तीसरे गेम तक नहीं ले जा सके। यह जोड़ी इस सीजन पहली बार फाइनल में पहुंची थी। सात्विक-चिराग 2019 और 2024 में यह टूर्नामेंट जीत चुके हैं। इस हार के बाद उनका इस सीजन पहला खिताब जीतने का इंतजार बढ़ गया है। 2 पॉइंट्स में फाइनल का रोमांच

पहला गेम (21-12): शुरुआत में भारतीय जोड़ी लय में नहीं दिखी। चिराग को सर्विस में संघर्ष करना पड़ा, जिससे इंडोनेशियाई जोड़ी ने बढ़त बना ली। सात्विक-चिराग की नेट पर गलतियों का फायदा उठाकर लियो और डैनियल ने पहला गेम आसानी से जीत लिया। दूसरा गेम (23-25): सात्विक-चिराग ने दमदार वापसी करते हुए 11-9 की बढ़त बनाई। इसके बाद स्कोर 14-14 से 19-19 तक बराबरी पर रहा। भारतीय जोड़ी ने 4 गेम पॉइंट हासिल किए, लेकिन इंडोनेशियाई खिलाड़ियों ने स्कोर 20-20 कर दिया। सात्विक-चिराग ने लगातार 4 चैंपियनशिप पॉइंट बचाए, लेकिन हार नहीं टाल सके। सेमीफाइनल में मलेशियाई जोड़ी को 82 मिनट में हराया था

दुनिया की चौथे नंबर की भारतीय जोड़ी ने शनिवार को सेमीफाइनल में मलेशिया के गोह स्जे फी और नूर इज्जुद्दीन को 19-21, 22-20, 21-16 से हराया। मुकाबला 82 मिनट तक चला।

सात्विक-चिराग का टूर्नामेंट में प्रदर्शन

क्या होता है बीडब्ल्यूफ सुपर 500 टूर्नामेंट?

यह बीडब्ल्यूफ वर्ल्ड टूर का ग्रेड-2 टूर्नामेंट है। दुनिया के टॉप शटलर्स यहां रैंकिंग अंक और बड़े टूर्नामेंट्स के लिए क्वालिफिकेशन हासिल करने खेलते हैं। एक कैलेंडर वर्ष में दुनिया भर में 9 सुपर 500 टूर्नामेंट आयोजित होते हैं। इनमें इनामी राशि और रैंकिंग

थाईलैंड ओपन बैडमिंटन टूर्नामेंट में सात्विक-चिराग का प्रदर्शन

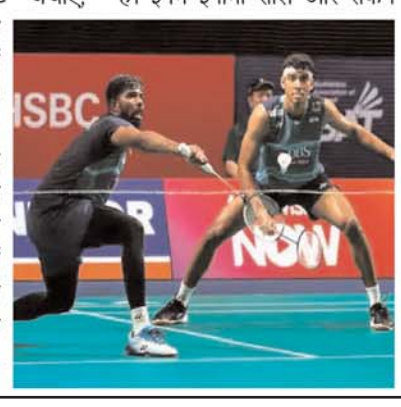

राउंड	Vs	देश	स्कोर
सेमीफाइनल	गोह स्जे फी और नूर इज्जुद्दीन	मलेशिया	19-21, 22-20, 21-16
क्वार्टर फाइनल	ताकुमी नोमुरा और युइची शिमोगामी	जापान	21-12, 21-13
राउंड ऑफ 16	मुहम्मद हैकल और ब्रायन जेरेमी गुंटिंग	मलेशिया	21-12, 21-19
राउंड ऑफ 32	मुह पुत्र एरवियांशाह और बगस मौलाना	इंडोनेशिया	21-19, 21-23, 21-10

सक्ती जिले के 24 होनहार विद्यार्थियों ने किया एयरपोर्ट भ्रमण, जिला प्रशासन का अनूठा पहल

फाइटर प्लेन और कॉकपिट का लिया रोमांचक अनुभव, एयरक्राफ्ट की जानकारी लेकर बच्चों ने बढ़ाया ज्ञान

सक्ती/मूक पत्रिका

जिला कलेक्टर एवं मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत सक्ती वासु जैन के मार्गदर्शन में जिले के होनहार स्कूली छात्र-छात्राओं को एयरपोर्ट भ्रमण का विशेष अवसर प्रदान किया गया। विद्यार्थियों के चयन के लिए 13 मई को जिला स्तरीय सामान्य ज्ञान एवं एप्टीट्यूड टेस्ट आधारित प्रतियोगिता परीक्षा आयोजित की गई थी, जिसमें उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले 24 छात्र-छात्राओं का चयन एयरपोर्ट भ्रमण हेतु किया गया। 16 मई को प्रातः 8 बजे जिला शिक्षा अधिकारी कार्यालय सक्ती से सभी चयनित विद्यार्थियों को बस के माध्यम से स्वामी विवेकानंद विमानतल माना के लिए रवाना किया गया। विद्यार्थियों को मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत सक्ती वासु जैन द्वारा हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया। एयरपोर्ट पहुंचने पर सभी बच्चों के लिए प्रवेश पास बनवाकर उन्हें विमानतल परिसर का भ्रमण कराया गया। इस दौरान फ्लाइंग ऑफिसर विवेक कुमार साहू, तकनीशियन नेगी एवं अर्जुन ने बच्चों को फाइटर प्लेन और सिविलियन एयरक्राफ्ट के बेसिक सिद्धांतों की विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने बच्चों को फाइटर प्लेन के विभिन्न पार्ट्स, डिजाइन एवं उसके कार्य करने की प्रक्रिया के बारे में भी समझाया। भ्रमण के दौरान बच्चों को एक-एक कर विमान के कॉकपिट में बैठने का अवसर भी मिला, जिससे विद्यार्थियों में विशेष उत्साह देखने को मिला। बच्चों ने रनवे पर विमानों को उड़ान भरते और उतरते हुए भी नजदीक से देखा। कार्यक्रम के दौरान जिला पंचायत सक्ती सीईओ वासु जैन एवं श्री विवेक द्वारा एयरपोर्ट और विमान से संबंधित सामान्य ज्ञान प्रश्नोत्तरी भी आयोजित की गई, जिसमें सही उत्तर देने वाले विद्यार्थियों को उपहार देकर प्रोत्साहित किया गया। इस शैक्षणिक भ्रमण के माध्यम से विद्यार्थियों को आधुनिक परिवहन प्रणाली, उड्डयन क्षेत्र एवं हवाई जहाज संचालन की व्यवहारिक जानकारी प्राप्त हुई। यह भ्रमण बच्चों के सर्वांगीण विकास एवं उनके ज्ञानवर्धन के लिए अत्यंत लाभकारी सिद्ध हुआ।

कार्यक्रम में जिला पंचायत सक्ती एवं शिक्षा विभाग के अधिकारी-कर्मचारी भी उपस्थित रहे। भ्रमण के उपरांत सभी विद्यार्थियों ने जिला प्रशासन, जिला पंचायत सक्ती एवं शासन के प्रति आभार व्यक्त किया।

केंद्रीय विद्यालय के छात्रों ने किया शानदार प्रदर्शन, कलेक्टर ने किया सम्मानित

बीजापुर/मूक पत्रिका

केंद्रीय विद्यालय बीजापुर के विद्यार्थियों ने सीबीएसई बोर्ड परीक्षा में शानदार प्रदर्शन करते हुए जिले का नाम रोशन किया है। कक्षा 10वीं और 12वीं के छात्रों ने उत्कृष्ट अंक हासिल किए, जिस पर कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी श्री विश्वदीप ने मेधावी विद्यार्थियों को सम्मानित कर उनका उत्साह बढ़ाया। कक्षा 10वीं में कर्णिका तिवारी ने 95.8 प्रतिशत अंक हासिल कर विद्यालय में पहला स्थान प्राप्त किया। वहीं 12वीं में प्राची झाड़ी ने 93.40 प्रतिशत, तरुण सिंह ठाकुर ने 90.20 प्रतिशत और यश्वी डोंगरे ने 88.80 प्रतिशत अंक अर्जित किए। कलेक्टर विश्वदीप ने विद्यार्थियों को पुष्पगुच्छ देकर सम्मानित किया और कहा कि बोर्ड परीक्षा में सफलता मेहनत, अनुशासन और आत्मविश्वास का परिणाम होती है। उन्होंने छात्रों को आगे भी इसी तरह मेहनत कर जिले और प्रदेश का नाम रोशन करने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि कठिन परिस्थितियों के बावजूद विद्यार्थियों ने जो सफलता हासिल की है, वह अन्य छात्रों के लिए भी प्रेरणादायी है। विद्यालय परिवार ने इस उपलब्धि पर खुशी जताते हुए इसका श्रेय विद्यार्थियों, अभिभावकों और शिक्षकों की मेहनत को दिया। इस दौरान जिला पंचायत सीईओ नम्रता चौबे और विद्यालय के प्राचार्य पुष्पध्वज भी मौजूद रहे।

बहनोई के हत्यारे को आजीवन कारावास की सजा एवं जुर्माना

सक्ती/मूक पत्रिका

सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र डभरा के वार्ड ब्वाय मनहरणलाल पटेल द्वारा मृतक अशोक चंद्रा की ईलाज के दौरान मृत्यु होने की सूचना थाना डभरा में पेश किये जाने पर उक्त संबंध में मर्ग कमांक 30/2025 पंजीबध्द किया गया मर्ग जांच के दौरान पाया गया कि घटना दिनांक 03.05. 2025 को रात्रि करीबन 8.00 9.00 बजे रामेश्वर चंद्रा एवं उसका दोस्त सीला कहरा द्वारा मृतक अशोक उर्फदिलीप चंद्रा को गांव के ही अमरईया खार में ले जाकर बेल्ट और नीम के झाड़ के सोंटा से मारपीट किये जाने से उसकी मृत्यु हो गयी है। उपरोक्त घटना के संबंध में विवेचना के दौरान पाया गया कि प्रकरण के मृतक अशोक चंद्रा का विवाह ग्राम फरसवानी के ईश्वरी चंद्रा के साथ सन् 2011 में होने के बाद मृतक अशोक उर्फदिलीप अपनी पत्नी ईश्वरी को मारपीट कर घर से निकाल देता था। घटना के एक माह पूर्व भी मृतक की पत्नी अपने पति के मारपीट से तंग आकर अपने मायके में रह रही थी तभी घटना दिनांक 03.05.2025 को रात्रि करीबन 8-9 बजे मृतक ग्राम फरसवानी आकर अपनी पत्नी के साथ मारपीट कर रहा था, जिस कारण मृतक की पत्नी का भाई रामेश्वर चंद्रा तथा उसका दोस्त सीला कहरा अपनी बहन के साथ मारपीट करने की बात को लेकर मृतक अशोक चंद्रा को गांव के ही अमरईया खार में ले जाकर उसे बेल्ट और नीम के झाड़ के सोंटा से मारपीट किये जिससे उसे इलाज हेतु डभरा हास्पिटल ले जाने पर उसकी मृत्यु हो गयी।

इस प्रकार आरोपीगण रामेश्वर चंद्रा व उसके साथी सीला कहरा द्वारा मृतक अशोक चंद्रा को बेल्ट व नीम झाड़ का सोंटा से मारकर प्राण घातक चोंट पहुंचाकर हत्या करना पाये जाने पर आरोपीगण के विरूध्द 103 (1), 3 (5), भान्यासं के अंतर्गत अ. कं. 138/2025 पंजीबध्द कर विवेचना प्रारंभ की गयी। विवेचना के दौरान आरोपीगण मेमोरेण्डम कथन दर्ज कर उसके आधार पर जप्ती पत्रक के अनुसार जप्ती की कार्यवाही की गयी।

सोना-चांदी महंगाई को लेकर कांग्रेस का पैदल मार्च, केंद्र सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी

चांपा/मूक पत्रिका

सोना-चांदी की लगातार बढ़ती कीमतों और केंद्र सरकार के एक साल सोना न खरीदो जैसे बयानों के विरोध में ब्लाक कांग्रेस कमेटी चांपा द्वारा बुधवार शाम जोरदार प्रदर्शन किया गया। प्रदेश कांग्रेस कमेटी के आदेश एवं जिला कांग्रेस कमेटी के निर्देश पर यह विरोध पार्थ ज्वेलर्स, सदर बाजार रोड तक पैदल मार्च के रूप में किया गया, जहां कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने नारेबाजी करते हुए केंद्र सरकार की नीतियों के खिलाफ अपना आक्रोश जताया। प्रदर्शन के दौरान कांग्रेसजनों ने मोदी सरकार इस्तीफा दो, जब से भाजपा आई है, कमर तोड़ महंगाई लाई है जैसे नारों के साथ विरोध दर्ज कराया। प्रतीकात्मक विरोध के तहत कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने पार्थ ज्वेलर्स में सोना-चांदी की बजाय झालमुड़ी खरीदकर बढ़ती महंगाई पर तंज कसा।इस मौके पर जिला प्रवक्ता नागेंद्र गुप्ता ने पार्थ ज्वेलर्स के संचालक केशव सोनी से संवाद कर उनकी समस्याएं सुनीं। ज्वेलरी संचालक ने बताया कि बीते एक सप्ताह से सोना-चांदी की बिक्री पूरी तरह ठप है, बोहनी तक नहीं हो पा रही, जिससे व्यापारियों को भारी नुकसान झेलना पड़ रहा है।ब्लाक कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष सुनील साधवानी के नेतृत्व में हुए इस प्रदर्शन में वक्ताओं ने कहा कि केंद्र सरकार की गलत आर्थिक नीतियों के चलते महंगाई चरम पर है, जिसका सीधा असर आम जनता और छोटे व्यापारियों पर पड़ रहा है। कांग्रेस ने सरकार से महंगाई पर तत्काल नियंत्रण करने की मांग की।

कार्यक्रम का संचालन सुनील साधवानी ने किया जबकि आभार प्रदर्शन मंडल अध्यक्ष अनिल मोदी द्वारा किया गया।प्रदर्शन में प्रमुख रूप से शहर कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष सुनील साधवानी,जिला उपाध्यक्ष किशन सोनी, पूर्व अध्यक्ष जय थवाईत, मण्डल अध्यक्ष अनिल मोदी, राज सरोज,जिला महामंत्री, सेवक बुटू देवांगन, नागेंद्र गुप्ता,गुलशन सोनी, महिला शहर अध्यक्ष गीता केशव सोनी,पार्षद,अंजली देवांगन, पवन साहू, पवन आर्य, डॉ गोविंद देवांगन,पूर्व पार्षद डुग्गु प्रधान, केशव सोनी,व्यापार प्रकोष्ट जिलाध्यक्ष राज अग्रवाल, वरिष्ठ कांग्रेसी समद बेग,हरदयाल तंवर,अनिल बनकर, कविता देवांगन,इकबाल अंसारी, जीवन बंजारे,दिलीप दास,पुनिराम देवांगन,राम साधवानी, इतवारी यादव, राकेश जोशी, बसंत भार्गव, भोला महंत, गणेश विश्वास, छबिलाल पटेल, सहित कांग्रेसजन आम नागरिक उपस्थित रहे।

कुंदन सोनी बने बजरंग दल जांजगीर-चांपा के जिला अध्यक्ष

जांजगीर-चांपा/मूक पत्रिका

छत्तीसगढ़ बजरंग दल संगठन ने जिले में संगठनात्मक मजबूती की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए कुंदन सोनी को नया दायित्व सौंपा है। जारी नियुक्ति पत्र के अनुसार कुंदन सोनी को छत्तीसगढ़ बजरंग दल, जिला जांजगीर-चांपा का जिला अध्यक्ष नियुक्त किया गया है। यह नियुक्ति उनके द्वारा सनातन धर्म के प्रति किए गए अनुकरणीय योगदान, संगठन के प्रति समर्पण और सक्रिय भूमिका को देखते हुए की गई है। संगठन ने विश्वास जताया है कि उनके नेतृत्व में जिले में बजरंग दल की गतिविधियां और अधिक सशक्त होंगी तथा सनातन संस्कृति के संरक्षण और प्रचार-प्रसार को नई दिशा मिलेगी।नियुक्ति पत्र दिनांक 18 मई 2026 को जारी किया गया, जिस पर प्रांत अध्यक्ष गौतम जैन, प्रांत मंत्री विकास ठाकुर एवं प्रांत संयोजक रतन यादव के हस्ताक्षर हैं। संगठन पदाधिकारियों ने कुंदन सोनी को नई जिम्मेदारी के लिए हार्दिक शुभकामनाएं देते हुए अपेक्षा जताई है कि वे संगठन की गरिमा बनाए रखते हुए जनहित और धर्महित में सक्रिय भूमिका निभाएंगे।कुंदन सोनी की नियुक्ति से जिले के बजरंग दल कार्यकर्ताओं में उत्साह का माहौल है और उन्हें लगातार बधाइयाँ दी जा रही हैं।

सुशासन तिहार 2026 : आरंग के ग्राम सिवनी में जनसमस्या निवारण शिविर, बहुत से आवेदनों का मौके पर हुआ निराकरण, कैबिनेट मंत्री श्री गुरु खुशवंत हुए शामिल, गंभीरता से सुनीं आमजनों की समस्याएं

कलेक्टर ने की पेट्रोल-डीजल के मितव्ययितापूर्ण उपयोग की अपील

रायपुर/मूक पत्रिका

मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के मार्गदर्शन में आरंग विकासखंड के ग्राम पंचायत सिवनी में सुशासन तिहार 2026 के तहत जिला स्तरीय जनसमस्या निवारण का आयोजन किया गया। शासकीय पूर्व माध्यमिक विद्यालय परिसर में आयोजित इस शिविर में आसपास के 20 गांवों से ग्रामीण पहुंचे और अपनी समस्याएं एवं मांगें प्रशासन के समक्ष रखीं।शिविर में विभिन्न विभागों से संबंधित कुल 1430 आवेदन प्राप्त हुए, जिनमें से बहुत से आवेदनों का मौके पर ही निराकरण किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि कौशल विकास, तकनीकी शिक्षा एवं रोजगार मंत्री श्री गुरु खुशवंत साहेब शामिल हुए। शिविर में विभिन्न विभागों द्वारा स्टॉल लगाकर शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी दी गई। मंत्री श्री गुरु खुशवंत साहेब ने सभी विभागीय स्टॉलों का निरीक्षण कर अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। कैबिनेट मंत्री गुरु खुशवंत साहेब ने कहा कि जनता की समस्याओं का समाधान कर उनके चेहरे पर खुशियां लाना सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री श्री साय के नेतृत्व में प्रदेश सरकार लगातार विकास, सुशासन एवं जनकल्याण के कार्यों को गति दे रही है। साथ ही उन्होंने कहा कि सुशासन तिहार को लेकर प्रदेशभर में जनता के बीच विशेष उत्साह है और सरकार गांव-गांव पहुंचकर समस्याओं का समाधान सुनिश्चित कर रही है। शिविर में कलेक्टर डॉ. गौरव सिंह ने कहा कि मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के निर्देशानुसार जिले में जनसमस्या निवारण शिविर आयोजित किए जा रहे हैं, ताकि लोगों की समस्याओं का मौके पर ही अधिकतम निराकरण किया जा सके तथा बाकी बचे आवेदनों का जल्द निराकरण किया जाए। कलेक्टर डॉ सिंह ने पेट्रोल एवं डीजल का मितव्ययिता पूर्ण उपयोग करने की सभी से अपील की। साथ ही उन्होंने कहा कि ईंधन की बचत न केवल आर्थिक रूप से लाभकारी है, बल्कि पर्यावरण संरक्षण एवं ऊर्जा सुरक्षा के लिए भी आवश्यक है। उन्होंने आमजन से अनावश्यक वाहन उपयोग से बचने, साझा परिवहन को बढ़ावा देने तथा ऊर्जा संरक्षण के प्रति जागरूक रहने की बात कही।शिविर में बड़ी संख्या में पहुंचे ग्रामीणों एवं नागरिकों ने अपनी समस्याएं रखीं, जिनका मौके पर ही त्वरित निराकरण किया गया। मनरेगा अंतर्गत 20 हितग्राहियों को जॉब कार्ड वितरित किए गए, वहीं 2 हितग्राहियों को मनरेगा चेक प्रदान किए गए। महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा 3 महिलाओं की गोद भराई, 3 बच्चों का अन्नप्राशन एवं 3 हितग्राहियों को स्वच्छता किट वितरित की गई। साथ ही 4 बालिकाओं को नोनी सुरक्षा योजना एवं 2 बालिकाओं के सुकन्या समृद्धि खाते खुलवाए गए।31 विद्यार्थियों को प्रमाण पत्र प्रदान किए गए, प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना के तहत 4 हितग्राहियों को गैस कनेक्शन वितरित किए गए। प्रधानमंत्री आवास योजना अंतर्गत 5 हितग्राहियों को आवास की चाबी सौंपी गई। एनआरएलएम बिहान समूह की 3 महिलाओं को चेक वितरण किया गया तथा 3 महिलाओं को लखपति दीदी प्रमाण पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। शिविर में 2 हितग्राहियों की सफलता कहानियों को भी साझा किया गया।स्वास्थ्य विभाग द्वारा 3 हितग्राहियों को आयुष्मान कार्ड वितरित किए गए। परिवहन विभाग ने 3 हितग्राहियों को लर्निंग लाइसेंस प्रदान किए, जबकि राजस्व विभाग द्वारा 7 हितग्राहियों को ऋण पुस्तिका वितरित की गई। लोगों ने शासन की इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि सुशासन तिहार आम जनता के लिए राहत और विश्वास का माध्यम बन रहा है।

बेमेतरा पुलिस की बड़ी कार्रवाई

चोरी के 46 ग्राम सोने के जेवर और स्कूटी बरामद, एक बालक शामिल

बेमेतरा/मूक पत्रिका

थाना सिटी कोतवाली बेमेतरा पुलिस ने चोरी के मामले में त्वरित कार्रवाई करते हुए लाखों रुपये के सोने के जेवर और घटना में प्रयुक्त स्कूटी बरामद की है। मामले में एक विधि से संघर्षरत बालक की संलिप्तता सामने आई है।पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार प्रार्थी माधव शर्मा, निवासी वार्ड क्रमांक 15 नयापारा बेमेतरा ने रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि 13 मई 2026 को शाम करीब 4:10 बजे से 5 बजे के बीच लिना फोटो स्टूडियो बेमेतरा के काउंटर से लाल रंग के डिब्बे में रखे पुराने सोने के मंगलसूत्र पाईप, मोहर सिक्के एवं झुमका सहित लगभग 4 लाख 60 हजार रुपये मूल्य के करीब 90 ग्राम सोने के जेवर अज्ञात व्यक्ति द्वारा चोरी कर लिए गए।रिपोर्ट पर थाना सिटी कोतवाली बेमेतरा में धारा 303(2) बीएनएस के तहत अपराध दर्ज कर विवेचना शुरू की गई। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस उप महानिरीक्षक रामकृष्ण साहू, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक हरीश कुमार यादव एवं एसडीओपी भूषण एक्का के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी निरीक्षक सोनल ग्वाला के नेतृत्व में पुलिस टीम गठित की गई। जांच के दौरान पुलिस ने एक विधि से संघर्षरत बालक से परिजनों की उपस्थिति में पूछताछ की। उसकी निशानदेही पर चोरी गए 24 नग सोने के मंगलसूत्र पाईप, एक जोड़ी झुमका पट्टी (संकरी), 4 नग बिंदिया और 5 नग गेहूं दाना सहित कुल करीब 46 ग्राम सोने के जेवर बरामद किए गए। साथ ही घटना में प्रयुक्त स्कूटी क्रमांक छत्त 25 क्त 8655 भी जब्त की गई।

बरामद सामग्री एवं वाहन की कुल कीमत लगभग 5 लाख 40 हजार रुपये बताई गई है। पुलिस द्वारा विधि से संघर्षरत बालक को संरक्षण में लेकर नियमानुसार आगे की कार्रवाई की जा रही है।

इस कार्रवाई में थाना प्रभारी निरीक्षक सोनल ग्वाला, एएसआई दीनानाथ सिन्हा, प्रधान आरक्षक रघुराज यदु, अवधेश सिंह सहित थाना सिटी कोतवाली बेमेतरा के पुलिस स्टाफ की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक आशिष कुमार कंठले द्वारा कलयुग का भारत द्वारा अग्रदूत कॉम्प्लेक्स, रजबंधा मैदान, भाजपा कार्यालय के पास, रायपुर, जिला-रायपुर (छ.ग.)-492001 से मुद्रित एवं वार्ड नंबर 18 बाजार पारा बेमेतरा पोस्ट व जिला बेमेतरा छ.ग. पिन कोड 491335 से प्रकाशित । संपादक आशिष कुमार कंठले समाचार चयन के लिए पी.आर.बी. एक्ट के तहत जिम्मेदार मो. नं. 7999238079, 7828658259, समस्त विवादों का निपटारा बेमेतरा न्यायालय होगा।